राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जागरण मोर्चा

www.jagranmorchadaily.com | लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद में प्रसारित | जन जन की आवाज़

लखनऊ | वर्ष : 05 | अंक : 139 | मंगलवार, 1 जुलाई 2026 | आषाढ़ माह कृष्ण पक्ष द्वितीय विक्रम संवत 2083 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 05 रूपया

संक्षिप्त समाचार

भारत फिर बना पांचवां सबसे बड़ा शेयर बाजार

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार ने वैश्विक मंच पर एक बार फिर अपनी धाक जमाई है। भारत ने दुनिया के पांचवें सबसे बड़े बाजार का स्थान हासिल किया है। सोमवार को देश का कुल बाजार मार्केट कैप 5 ट्रिलियन डॉलर (पाँच लाख करोड़ डॉलर) की सीमा को पार कर गया। हाल के महीनों में भारत ताइवान और दक्षिण कोरिया से पिछड़ गया था। (विस्तृत व्यापार पेज पर)

सिया व चेतन की हिरासत अवधि 3 जुलाई तक बढ़ी

पुणे। पुणे के चर्चित केतन अग्रवाल की हत्या के मामले में सोमवार 29 जून को दोनों आरोपियों सिया गोयल और चेतन चौधरी को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने दोनों आरोपियों को 3 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेजे जाने का आदेश जारी किया है। सुनवाई के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों की 7 दिन की कस्टडी बढ़ाने की मांग की थी।

जर्मनी के स्टेड में अंधाधुंध गोलीबारी, पांच की मौत

बर्लिन। जर्मनी में खुलेआम सड़क पर गोलीबारी की घटना सामने आई है। पुलिस ने बताया कि सोमवार को उत्तरी जर्मनी के शहर स्टेड में हुई गोलीबारी में पांच लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद दो संदिग्धों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कई लोग गोली लगने से घायल हुए हैं। गोलीबारी शहर के केंद्र के दक्षिण में स्थित डैंकर्सस्ट्रासे की एक इमारत में हुई है।

चंबल के कुख्यात डकैत जगन गुर्जर की संदिग्ध मौत

अजमेर। अजमेर की हाई-सिक्योरिटी जेल में कुख्यात डकैत जगन गुर्जर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जेल परिसर में उसका शव मिलने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची और पुलिस ने जांच शुरू कर दी। अब मौत का कारण पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है। जगन गुर्जर चंबल और धौलपुर के बीहड़ों में एक खूंखार नाम था।

जनरल धीरज सेठ बने भारतीय सेना के नए प्रमुख

31वें सेना प्रमुख के रूप में संभाली कमान, चार दशक के सैन्य अनुभव के साथ आर्मर्ड कोर के अधिकारी को मिली देश की सबसे बड़ी सैन्य कमान

- सुदर्शन चक्र कोर सहित कई अहम कमानों का नेतृत्व
- आधुनिकीकरण और युद्ध क्षमता बढ़ाने पर रहेगा फोकस
- जनरल उपेंद्र द्विवेदी को दी गई विदाई

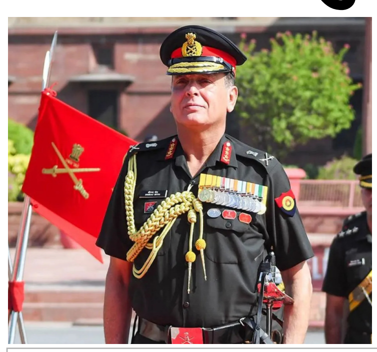

नई दिल्ली

भारतीय सेना को मंगलवार को नया नेतृत्व मिल गया। जनरल धीरज कुमार सेठ ने देश के 31वें सेना प्रमुख (चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने सेवानिवृत्त हुए जनरल उपेंद्र द्विवेदी का स्थान लिया। लगभग चार दशकों के सैन्य अनुभव वाले जनरल सेठ को भारतीय सेना के सबसे अनुभवी और पेशेवर अधिकारियों में गिना जाता है। आर्मर्ड कोर से अपने सैन्य जीवन की शुरूआत करने वाले जनरल सेठ ने विभिन्न परिचालन, रणनीतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है।

जनरल सेठ ने अपने करियर के दौरान रेगिस्तानी क्षेत्र में एक बख्तरबंद रेजिमेंट की कमान संभाली, वहीं जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों का भी नेतृत्व किया। लेफ्टिनेंट जनरल बनने के बाद उन्हें सुदर्शन चक्र कोर की कमान सौंपी गई, जिसे भारतीय सेना की महत्वपूर्ण स्ट्राइक फॉर्मेशन माना जाता है।

इसके अलावा उन्होंने दिल्ली क्षेत्र में जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। उनके नेतृत्व में विभिन्न सैन्य अभियानों और प्रशिक्षण गतिविधियों को नई दिशा मिली। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि नए सेना प्रमुख के सामने भारतीय सेना के आधुनिकीकरण, स्वदेशी रक्षा उपकरणों के उपयोग, नई तकनीकों को अपनाने और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप सेना को तैयार करने जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां होंगी। सीमा सुरक्षा, साइबर युद्ध, ड्रोन तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सैन्य प्रणाली और संयुक्त सैन्य अभियानों पर भी उनके नेतृत्व में विशेष ध्यान दिए जाने की संभावना है। सेना प्रमुख का पद छोड़ने के अवसर पर जनरल उपेंद्र द्विवेदी को नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक लॉन में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके योगदान को सराहा। भारतीय सेना के अतिरिक्त महानिदेशक (पब्लिक इन्फॉर्मेशन) ने भी सामाजिक मंच 'एक्स' पर संदेश जारी कर जनरल द्विवेदी की सेवाओं की प्रशंसा की और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

जनरल धीरज सेठ ऐसे समय सेना की कमान संभाल रहे हैं, जब देश की सुरक्षा चुनौतियां लगातार बदल रही हैं। उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर सुरक्षा स्थिति, आधुनिक युद्ध तकनीकों का बढ़ता उपयोग तथा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देना आने वाले वर्षों की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि उनके व्यापक परिचालन अनुभव और नेतृत्व क्षमता से भारतीय सेना को आधुनिक और अधिक सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण गति मिलेगी। भारतीय सेना के 31वें प्रमुख के रूप में जनरल धीरज कुमार सेठ की नियुक्ति सैन्य नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। चार दशकों के अनुभव, परिचालन दक्षता और रणनीतिक समझ के साथ वे ऐसे समय सेना की कमान संभाल रहे हैं, जब आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों के अनुरूप सैन्य क्षमता को और मजबूत करने की आवश्यकता है। रक्षा विशेषज्ञों को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में भारतीय सेना आधुनिकीकरण, आत्मनिर्भरता और परिचालन क्षमता के नए मानक स्थापित करेगी।

चार दशक के अनुभव के साथ मिली नई जिम्मेदारी

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, जनरल धीरज सेठ का सैन्य करियर लगभग 40 वर्षों का रहा है। इस दौरान उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों, आतंकवाद विरोधी अभियानों, रणनीतिक योजना, क्षमता निर्माण और सैन्य आधुनिकीकरण से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण दायित्व निभाए। दिसंबर 1986 में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), खड़कवासला से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्हें भारतीय सेना की प्रतिष्ठित आर्मर्ड कोर में कमीशन मिला। अपने लंबे सैन्य जीवन में उन्होंने सेना की युद्ध क्षमता बढ़ाने और आधुनिक सैन्य ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दो प्रमुख सेना कमानों का नेतृत्व करने वाले चुनिंदा अधिकारियों में शामिल

जनरल धीरज सेठ भारतीय सेना के उन चुनिंदा वरिष्ठ अधिकारियों में शामिल हैं, जिन्होंने पश्चिमी मोर्चे पर स्थित दक्षिण-पश्चिमी कमान और दक्षिणी कमान दोनों का नेतृत्व किया। दोनों कमान देश की रक्षा व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इन कमानों का नेतृत्व करते हुए उन्होंने सीमा सुरक्षा, सैन्य तैयारियों, संयुक्त अभ्यासों और परिचालन क्षमता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। उनके अनुभव को भारतीय सेना की भविष्य की रणनीति के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अयोध्या, काशी और महाकुंभ यूपी की नई पहचान बन चुके: सीएम योगी

- जिले में सीएम योगी ने 690 करोड़ की 102 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। मंगलवार को मुरादाबाद से रामपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाहबाद में आयोजित जनसभा में मिलक और बिलासपुर विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 690.39 करोड़ रुपये की लागत वाली 102 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने 430.68 करोड़ रुपये की 75 परियोजनाओं का लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया, जबकि 259.71 करोड़ रुपये की 27 नई परियोजनाओं का शिलान्यास कर विकास की नई नींव रखी। मुख्यमंत्री ने पारदर्शी रोजगार, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के आंकड़ों को सामने रखते हुए रामपुर को नए उत्तर प्रदेश की प्रगति का चमकता हुआ केंद्र बताया। मुख्यमंत्री ने रामपुर की धरती को भगवान महाकालेश्वर महादेव, ओम नागेश्वर महादेव, कोसी मंदिर और मां बाला सुंदरी जैसे आस्था केंद्रों से समृद्ध बताया। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या, काशी और महाकुंभ यूपी की नई पहचान बन चुके हैं।प्रदेश में सभी पर्व पूरी शांति और उल्लास के साथ मनाए जा रहे हैं। सरकार के लिए प्रदेश की सुरक्षा सर्वोपरि है।युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का जिक्र करते हुए सीएम ने बताया कि अब प्रदेश के युवाओं को उनकी योग्यता और मेहनत के आधार पर रोजगार के पारदर्शी अवसर मिल रहे हैं। 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस पहल ने रामपुर के पैचवर्क, जरी-जरदोजी और वायलिन उद्योग को अंधकार से निकालकर एक नया वैश्विक बाजार और नई पहचान उपलब्ध कराई है।प्रदेश को देश की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी आज खाद्यान्न, दुग्ध, चीनी और एथेनॉल उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। बुनियादी ढांचे को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए नया 'गोरखपुर-शामली इकोनॉमिक कॉरिडोर' रामपुर से होकर गुजरेगा, जो पूर्वी यूपी को पश्चिमी यूपी और पानीपत से जोड़ेगा। इसके अलावा 'प्रोजेक्ट अलंकार' से पुराने विद्यालयों का जीर्णोद्धार और 'ऑपरेशन कायाकल्प' के जरिए बेसिक स्कूलों को आधुनिक बनाया जा रहा है।

दिल्ली में शुरू हुआ एसआईआर का कार्य

नई दिल्ली। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू हो गया है। 29 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित करेंगे और भरे हुए प्रपत्र एकत्र करेंगे। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने सोमवार को बताया कि राजधानी में एसआईआर 2026 अभियान की तैयारियां पूरी कर ली हैं।

अफगानिस्तान में हवाई कार्रवाई पर भारत की दोटूक, कहा-

संप्रभुता का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली

अफगानिस्तान में पाकिस्तान द्वारा किए गए हवाई हमलों पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे "लापरवाही भरा और आक्रामक कदम" करार दिया है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि किसी भी देश की संप्रभुता का उल्लंघन स्वीकार्य नहीं है और ऐसी सैन्य कार्रवाई पूरे क्षेत्र की शांति एवं स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है। भारत ने हमले में आम नागरिकों के हताहत होने पर भी गहरी चिंता व्यक्त की है।

विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई की निंदा की। मंत्रालय ने कहा कि अफगानिस्तान की सीमा के भीतर की गई हवाई कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून और पड़ोसी देशों की संप्रभुता के सम्मान की भावना के विपरीत है।

भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने और विवादों का समाधान बातचीत तथा कूटनीतिक माध्यमों से निकालने की अपील की। भारत ने यह भी कहा कि क्षेत्र में बढ़ता सैन्य तनाव केवल अस्थिरता को बढ़ाएगा और इसका असर पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा पर पड़ सकता है। दूसरी ओर पाकिस्तान ने नागरिकों को निशाना बनाने के आरोपों से इनकार किया है।

अफगानिस्तान का दावा, नागरिकों को भारी नुकसान

तालिबान सरकार के अनुसार पाकिस्तान की ओर से किए गए तथाकथित "डबल-टैप" हवाई हमलों में 36 आम नागरिकों की मौत हुई है, जबकि 163 लोग घायल हुए हैं। अफगान प्रशासन का आरोप है कि हमले रिहायशी इलाकों को निशाना बनाकर किए गए, जिससे बड़ी संख्या में निर्दोष लोग प्रभावित हुए। अफगानिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस घटना का संज्ञान लेने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी की है।

24 घंटे में तीन हत्याओं से दहला बेंगलुरु

दो युवतियों की प्रेम संबंधों में हत्या, पुराने विवाद में युवक को बीच सड़क पर उतारा मौत के घाट

बेंगलुरु

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु और उसके आसपास के क्षेत्रों में 24 घंटे के भीतर सामने आई हत्या की तीन अलग-अलग घटनाओं ने शहर को झकझोर दिया है। दो मामलों में युवतियों की कथित तौर पर उनके प्रेमियों द्वारा हत्या कर दी गई, जबकि तीसरे मामले में पुराने विवाद के चलते एक युवक की बीच सड़क पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। लगातार हुई इन वारदातों ने महानगर की कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कानून-व्यवस्था पर उठे सवाल

एक ही दिन में हत्या की तीन बड़ी घटनाओं ने बेंगलुरु की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। प्रेम संबंधों में बढ़ती हिंसा और सार्वजनिक स्थान पर हुई हत्या ने नागरिकों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि व्यक्तिगत विवादों में बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति और आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सख्त निगरानी तथा त्वरित कार्रवाई आवश्यक है।

शादी से इनकार पर युवती की हत्या: पहली घटना महालक्ष्मी लेआउट इलाके की है। पुलिस के अनुसार, राजीव नामक युवक ने अपनी प्रेमिका अंजलि को डिनर के बहाने मिलने बुलाया। बातचीत के दौरान उसने विवाह का प्रस्ताव रखा, लेकिन युवती के इनकार करने पर कथित तौर पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

रिसॉर्ट के कमरे में फिजियोथेरेपिस्ट मृत मिली: दूसरी घटना चिक्का बल्लापुर जिले के नंदी हिल्स के पास स्थित एक रिसॉर्ट में हुई। यहां एक बंद कमरे से फिजियोथेरेपिस्ट साईं सुरभि का शव बरामद हुआ, जबकि उनके साथ मौजूद संजीत अली बेहोशी की हालत में मिला।

बीच सड़क पर युवक की चाकू मारकर हत्या: तीसरी घटना बेंगलुरु के जेपी नगर इलाके में हुई, जहां आईजी सर्कल के पास दिनदहाड़े तीन हथियारबंद हमलावरों ने एक युवक पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

मृतक की पहचान राजा उर्फ हलमुक राजा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ पहले से मारपीट, लूट और जबरन वसूली सहित कई आपराधिक मामले दर्ज थे। प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे पुराने विवाद की आशंका जताई जा रही है।

तीनों घटनाओं के बाद पुलिस ने अलग-अलग जांच दल गठित किए हैं। हत्या के मामलों में घटनास्थलों से फोरेंसिक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं, जबकि सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी खंगाले जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि सभी मामलों में आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

कासगंज में तकनीकी खराबी के कारण ट्रेनिंग विमान क्रैश

कासगंज

जनपद में पुलिस लाइन के समीप सोमवार को एक ट्रेनिंग विमान तकनीकी खराबी के कारण खेत में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में गंभीर घायल हुई प्रशिक्षु महिला पायलट को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रशिक्षु महिला पायलट कायनत पुत्री कादर खान निवासी मुंबई ने सोमवार को नियमित अभ्यास के लिए अलीगढ़ एयरपोर्ट से टू-सीटर ट्रेनिंग से विमान उड़ान भरी थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विमान नीचे आते समय हाईटेंशन विद्युत लाइन से टकरा गया, जिससे बिजली की लाइन टूट गई और विमान खेत में जा गिरा। टक्कर के बाद विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन, विद्युत विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंच गई। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं।

पुलिस लाइन के समीप दुर्घटनाग्रस्त होकर खेत में पड़ा ट्रेनिंग विमान।

अमेरिका-ईरान एक-दूसरे पर हमले रोकने पर राजी

तेल अवीव। अमेरिका और ईरान ने फिलहाल एक-दूसरे पर सैन्य हमले रोकने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच पिछले 3 दिनों से हमले जारी थे। अमेरिका-ईरान में 17 जून को हुए समझौते के सभी बिंदुओं पर बातचीत जारी रहेगी। मंगलवार को कतर में दोनों देशों के प्रतिनिधि तकनीकी स्तर की वार्ता करेंगे। समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही नहीं रोकी जाएगी। हाल के दिनों में इसी जलमार्ग को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। अमेरिका ने ईरान के मिसाइल और रडार ठिकानों पर कार्रवाई की थी, जबकि ईरान ने जवाब में कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था।

यमुना जल बंटवारा | राजस्थान को यमुना का 1,917 क्यूसेक पानी मिलेगा

राजस्थान और हरियाणा के बीच तीन दशक पुराना गतिरोध खत्म

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राजस्थान और हरियाणा ने सोमवार को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-3 में यमुना जल-बंटवारे पर एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही दोनों राज्यों के बीच लगभग तीन दशकों से चला आ रहा जल-विवाद औपचारिक रूप से सुलझ गया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस समझौते को अंतिम रूप दिया।

यह सहमति 28 जून को दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में हुई करीब दो घंटे की उच्चस्तरीय बैठक के बाद बनी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राजस्थान का प्रतिनिधित्व मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार और जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता भुवन भास्कर ने किया। वहीं, हरियाणा की ओर से अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल और मुख्य अभियंता वीरेंद्र सिंह शामिल हुए, जबकि मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

वोटर लिस्ट में नाम नहीं तो सरकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं: डी.के. शिवकुमार

- कर्नाटक में मतदाता सूची के एसआईआर अभियान की शुरूआत
- 5.5 करोड़ मतदाताओं का होगा सत्यापन, सरकार जारी करेगी स्थायी निवासी प्रमाणपत्र

बेंगलुरु

कर्नाटक में मंगलवार से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की शुरूआत हो गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा कि यदि किसी का नाम मतदाता सूची से हट जाता है तो उसे भविष्य में सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पाने में भी कठिनाई हो सकती है। मुख्यमंत्री ने मतदान के अधिकार को लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण ताकत बताते हुए सभी पात्र नागरिकों से अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराएं और बूथ स्तर के अधिकारियों के साथ सहयोग करें, ताकि किसी पात्र मतदाता का नाम सूची से न छूटे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अपना मतदाता पंजीकरण नहीं कराता या उसका नाम मतदाता सूची से हट जाता है, तो भविष्य में सरकारी योजनाओं के लाभ प्राप्त करने में भी दिक्कतें आ सकती हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न सरकारी सेवाओं और लाभों के लिए अद्यतन पहचान संबंधी दस्तावेजों का महत्व लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अन्य राज्यों में भी मतदाता सूची और लाभार्थी सूची को अद्यतन करने की दिशा में अभियान चलाए जा रहे हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने पूरे कर्नाटक में घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन शुरू कर दिया है।

मतदान का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की आधारशिला है और प्रत्येक नागरिक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज हो। उन्होंने कहा कि सरकार मतदाता सूची को पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के लिए विशेष अभियान चला रही है।

कथित चढ़ावा चोरी प्रकरण में पुलिस ने एसबीआई बैंक में की छापेमारी

दो कर्मचारियों को दिया नोटिस, आरोपियों के खातों में जमा राशि के बारे में जुटाई जानकारी

लखनऊ

श्री राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा के कथित चोरी मामले में जांच कर रही पुलिस ने सोमवार को सुरक्षा के मद्देनजर गिरफ्तार आठ आरोपियों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए न्यायालय में पेशी कराई। फिलहाल पुलिस ने इस संबंध में पुलिस रिमांड की मांग न करते हुए कुछ तथ्य और बरामदगी के संबंध में न्यायालय में अपना पक्ष रखा। सुनवाई के बाद न्यायालय ने सभी आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। माना जा रहा है कि आरोपियों के संबंध में बैंकिंग और संपत्ति का ब्यौरा मिलने के बाद पुलिस रिमांड की मांग करेगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा के कथित चोरी प्रकरण में पुलिस सोमवार को सुबह एसबीआई की अयोध्या धाम ब्रांच पहुंची। जहां शाखा प्रबंधक से दो कर्मचारियों के संबंध में पूछताछ करते हुए उन्हें नोटिस दिया। इसके अलावा चढ़ावा के कथित चोरी प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों के बैंक खाते एवं लॉकर संबंधी जानकारी जुटाते हुए दस्तावेज कब्जे में लिए। मंदिर में नौकरी के बाद से ही बैंक खातों में जमा राशि का स्टेटमेंट निकलवाया। वहीं, पुलिस की अन्य टीमें आरोपियों के रिश्तेदारों के बैंक खातों, सम्पत्ति एवं ज्वेलरी की खरीद-फरोख्त के बारे में तीन वर्षों की जानकारी जुटा रही हैं। अब यह जांच की जाएगी कि मंदिर में नौकरी के बाद से उनके खातों में कितना पैसा आया। उधर, श्रीराम मंदिर दान के कथित चोरी का प्रकरण सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय पहुंच गया है। यहां वकील अनूप अवस्थी की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार करते हुए न्यायालय ने पूछा कि इतनी जल्दी क्या है? मामले की सुनवाई छुट्टियों के बाद की जाएगी।

'विकसित भारत स्टूडेंट कॉन्क्लेव' में सम्मिलित हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, कहा-

जो युवा संविधान पर सवाल उठाते हैं, वे 'जेन जी' नहीं हो सकते

हैदराबाद

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को दावा किया कि तेलंगाना का विकास केवल भाजपा की 'डबल-इंजन सरकार' से ही संभव है। 'विकसित भारत स्टूडेंट कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने भरोसा जताया कि तेलंगाना में भाजपा सत्ता में आएगी। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि भारत के युवा सरकार-विरोधी सोच के साथ काम नहीं करते, बल्कि देश के निर्माण के लिए कोशिश करते हैं।

उन्होंने कहा कि युवा 'जेन जी' अपने-अपने क्षेत्रों में खुद को स्थापित कर रहे हैं। कोई लॉन टेनिस खिलाड़ी है तो कोई क्रिकेट खिलाड़ी। मेरी बहन बैडमिंटन के बारे में बात कर रही थी। किसी का स्टार्टअप है। उन्होंने कहा कि असली 'जेन जी' देश के वे 2.25 लाख युवा हैं जो स्टार्टअप के जरिए अपना और देश का भविष्य बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग संविधान और संस्कृति पर सवाल उठाते हैं, जो देश की आत्मा हैं -वे 'जेन जी' नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि आज देश में 2 लाख से ज्यादा स्टार्टअप चल रहे हैं और भारत के युवाओं की लीडरशिप और कोशिशों से 125 से ज्यादा यूनिकॉर्न बने हैं। मेरा मानना है कि राज्य सरकार की नीतियां हमारे लिए राजनीतिक असहमति का विषय हैं, लेकिन मेरा यह भी मानना है कि केंद्र सरकार की नीतियां स्टार्टअप के विकास में काफी मदद करती हैं।

राजनीति में आने के बारे में स्पष्टता हो

नितिन नवीन ने कहा कि राजनीति में आने के बाद युवा क्या करना चाहते हैं, इस बारे में उन्हें स्पष्टता होनी चाहिए। नितिन नवीन ने कहा कि सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल से लोगों में जागरूकता बढ़ी है। उनका मानना है कि पहले लोगों को अपने अधिकारों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। लोगों को पार्टियों और नेताओं द्वारा किए गए वादे याद रहते हैं। तेलंगाना के युवाओं में जबरदस्त टैलेंट, इनोवेशन और असीमित क्षमता है और वे भारत के विकास में अहम भूमिका निभाने की स्थिति में हैं।

मात्र एक घंटे की बारिश ने बहेड़ी को किया जलमग्न, मीना बाजार डूबा

जागरण मोर्चा कार्यालय

बहेड़ी/बरेली। मानसून की शुरुआत में ही स्थानीय प्रशासन और नगरपालिका के दावों की हवा निकल गई है। आज सुबह हुई मात्र एक घंटे की झमाझम बारिश ने पूरे बहेड़ी शहर को टापू में तब्दील कर दिया। शहर का प्रमुख व्यापारिक केंद्र 'मीना बाजार' और मेन मार्केट पूरी तरह जलमग्न हो गए। सड़कों पर एक से दो फीट तक पानी जमा हो गया, जिससे दर्जनों दुकानों के अंदर गंदा पानी घुस गया। इस जलभराव के कारण दुकानदारों का कीमती माल पूरी तरह बर्बाद हो गया, जिससे व्यापारियों को लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है।

स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि नगरपालिका हर साल नालों की साफ-सफाई के नाम पर लाखों का बजट ठिकाने लगाती है, लेकिन जमीनी हकीकत आज सुबह की मामूली बारिश ने बयां कर दी। दुकानों में पानी घुसने और भारी नुकसान होने से आक्रोशित व्यापारी सड़कों पर उतर आए और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जलभराव के संकट को लेकर व्यापार मंडल ने बाजार में ही एक आपातकालीन बैठक बुलाई। बैठक को संबोधित करते हुए व्यापार मंडल के तहसील अध्यक्ष

अतुल गर्ग* ने तीखे शब्दों में कहा- "हमने कई बार लिखित और मौखिक रूप से प्रशासन को इस गंभीर जलभराव की समस्या से अवगत कराया था। लेकिन अधिकारियों की घोर लापरवाही के कारण आज व्यापारियों को यह दिन देखना पड़ा है। अगर समय रहते नालों की मुकम्मल सफाई करा दी गई होती, तो आज दुकानदारों का लाखों का माल बर्बाद होने से बच जाता।"

नगर अध्यक्ष सलीम रहवर* ने कहा कि नगरपालिका की इस लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की:
> "हम बहुत जल्द इस जलभराव और सुस्त सफाई व्यवस्था को लेकर उपजिलाधिकारी और नगरपालिका के आला अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। प्रशासन को इसका स्थायी समाधान ढूंढना होगा, वरना व्यापारी चुप नहीं बैठेंगे।"

व्यापारियों का लाखों का नुकसान नगरपालिका के नालों की सफाई के दावों की खुली पोल, घुटनों तक भरे पानी से भड़के व्यापारी। व्यापार मंडल ने प्रशासन को घेरा; जल्द समस्या का समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

जलभराव के बाद बाजार में आयोजित इस विरोध बैठक में दर्जनों पीड़ित व्यापारी शामिल हुए। इस दौरान मुख्य रूप से हरवंश गुप्ता, जलीस शाहजी, उमर रशीद, हाजी सादिक शेरी, वसीम आइडिया, पंकज गुप्ता, हाजी सईद गोल्डन, तय्यब कासमी, रितिन गोयल, बबलू अमीर, हाजी इरशाद मिलन, शादाब मुनीम, नदीम फैंसी, फारूक वाजिद, वासिफ संगम, नसीर शहर, सत्यवीर राठौर, मोहम्मद आमान, सईद शेरी और फईम साबिर सहित मीना बाजार व मेन बाजार के तमाम गणमान्य व्यापारी उपस्थित रहे। सभी ने एक सुर में प्रशासन से नुकसान के मुआवजे और जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

सीएम योगी ने किया पंडित राधेश्याम कथावाचक की प्रतिमा का अनावरण

रामकथा के माध्यम से सनातन संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाया, पैतृक हवेली को संग्रहालय बनाने के निर्देश

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बरेली दौरे के दौरान प्रख्यात कथावाचक एवं राधेश्याम रामायण के रचयिता पंडित राधेश्याम कथावाचक की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पंडित राधेश्याम के साहित्यिक और सांस्कृतिक योगदान को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने रामकथा के माध्यम से सनातन संस्कृति और भारतीय मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का महान कार्य किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विरासत का सम्मान ही किसी समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार होता है। उन्होंने कहा कि हर भारतीय के रोम-रोम में राम बसे हैं और भगवान राम ही एकमात्र सच्चे राजा हैं। इस दौरान उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास का उदाहरण देते हुए कहा कि तुलसीदास जी ने अकबर के दरबार में जाने से इनकार कर दिया था, क्योंकि उनके लिए राम से बड़ा कोई दरबार नहीं था।

रामकथा से मजबूत हुई सांस्कृतिक चेतना : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि पंडित राधेश्याम कथावाचक ने सरल, सहज और जनसुलभ भाषा में रामकथा का प्रचार-प्रसार किया, जिससे भारतीय सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा मिली। उन्होंने कहा कि यह सम्मान पंडित राधेश्याम को बहुत पहले मिल जाना चाहिए था। उनकी रचनाएं आज भी समाज को नैतिक मूल्यों और जीवन के आदर्शों की प्रेरणा देती हैं।

पैतृक हवेली बनेगी विरासत संग्रहालय : मुख्यमंत्री ने पंडित राधेश्याम की पैतृक हवेली को संरक्षित कर उसे एक विरासत संग्रहालय के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्यटन विभाग को इस संबंध में विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने को कहा और भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार इस परियोजना में हरसंभव सहयोग करेगी, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके जीवन और कृतित्व से परिचित हो सकें। स्मार्ट सिटी कार्यों की सराहना कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बरेली में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत चल रहे विकास और सौंदर्यीकरण कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ शहर को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में किए जा रहे प्रयास प्रशंसनीय हैं।

जनप्रतिनिधि और परिवारजन रहे मौजूद : प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और पंडित राधेश्याम के परिवारजनों की विशेष उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे महान सांस्कृतिक व्यक्तित्वों का सम्मान समाज को अपनी जड़ों से जोड़ता है और नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत से परिचित कराता है।

सार संक्षेप

किसान एकता संघ ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन, तीन सूत्रीय मांगें उठाईं

बरेली। किसान एकता संघ के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन मढ़ीनाथ चौकी प्रभारी जितेंद्र कुमार को प्रेषित कर तीन प्रमुख मांगें उठाईं। ज्ञापन मढ़ीनाथ चौकी प्रभारी जितेंद्र कुमार ने प्रात: 11:30 बजे किसान नेता के निवास से प्राप्त किया। ज्ञापन में बरेली बायपास सिंचाई परियोजना को शीघ्र शुरू करने, औद्योगिक विकास के लिए अधिग्रहित होने वाली भूमि का किसानों को उचित सर्किल रेट के आधार पर मुआवजा देने तथा बरेली में गरीबों, किसानों और आम जनता के लिए एम्स स्तर का अस्पताल स्थापित करने की मांग की गई। किसान नेता डॉ रवि नागर ने बताया कि किसान लंबे समय से इन मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन अभी तक समाधान नहीं हुआ है। संगठन ने सरकार से किसानों के हित में जल्द कार्रवाई करने की मांग की। इस दौरान राष्ट्रीय सचिव यज्ञ प्रकाश गंगवार, युवा प्रदेश अध्यक्ष पंडित राजेश शर्मा, मंडल सचिव भगवान सिंह गुर्जर, मंडल महासचिव अंशु भारती, मंडल उपाध्यक्ष गिरीश गोस्वामी, जिला उपाध्यक्ष संजय पुजारी एवं सुरेंद्र तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी संजय पाठक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मढ़ीनाथ मंडल से 55 श्रद्धालुओं का जत्था अमरनाथ यात्रा को रवाना

बरेली। मढ़ीनाथ मंडल से मंगलवार को बाबा बर्फानी श्री अमरनाथ जी की पावन यात्रा के लिए 55 श्रद्धालुओं का जत्था पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ रवाना हुआ। यह जत्था डब्बल भटनागर के नेतृत्व में 22वीं बार अमरनाथ यात्रा पर निकला है। श्रद्धालु शाम को बरेली से बस द्वारा रामपुर पहुंचे, जहां से वे गरीब रथ ट्रेन से जम्मू के लिए रवाना होंगे। वहां से आगे का सफर तय कर श्रद्धालु पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन करेंगे। यात्रा की कुल अवधि 10 से 12 दिनों की बताई जा रही है। यात्रा से पूर्व श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के जयकारों के साथ मंगल कामनाएं कीं और सुरक्षित यात्रा की प्रार्थना की। इस अवसर पर जत्थे में डब्बल भटनागर के अलावा राजबहादुर सक्सेना, राजीव शर्मा, राहुल सक्सेना, विपिन शर्मा, दिनेश गंगवार, सक्षम सक्सेना, रविंद्र पटेल सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। मढ़ीनाथ मंडल द्वारा हर वर्ष नियमित रूप से इस पावन यात्रा का आयोजन किया जाता है, जिससे क्षेत्र के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिलता है।

सड़क के चौड़ीकरण से दुकानदार परेशान

बहेड़ी। नदेली रोड के चौडीकरण के चलते हो रहे कार्य से सड़क किनारे के दुकानदार बेहद परेशान हैं। सड़क की खोदाई कर मिट्टी के ढ़ेर दुकानों के आगे लगा दिए गए हैं, और आज बरसात के बाद दुकानों पर आने जाने के रास्ते का बुरा हाल हो गया है।

बहेड़ी-नदेली रोड के चौडीकरण का काम इन दिनों चल रहा है। पीडब्लूड़ी गैस्ट हाउस से आगे सड़क चौड़ी करने की गर्ज़ से 3-3 फिट सड़क की खुदाई की गई। खुदाई करने से निकली मिट्टी के ढ़ेर दुकानों के आगे लगा दिए गए हैं, जिससे दुकानों पर आने जाने में लोगों को परेशानी हो रही है। आज सुबह हुई बरसात के बाद यहाँ कीचड़ हो गई है, और लोगों को चलने में परेशानी हो रही है।

स्काई वॉक से गिरकर अज्ञात युवक की मौत

बरेली। बरेली के पटेल चौक पर स्काई वॉक से सोमवार रात करीब नौ बजे एक युवक नीचे गिर पड़ा। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। उसकी पहचान नहीं हो सकी है।

बरेली के पटेल चौक पर बने स्काई वॉक से सोमवार रात गिरे युवक ने मंगलवार को दम तोड़ दिया। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। युवक नशे का आदी बताया जा रहा है। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो सकी है। सोमवार रात करीब नौ बजे यह घटना हुई थी। स्काई वॉक की साइड में लगी टिन तोड़ते हुए एक युवक नीचे सड़क पर गिरा। इस दौरान सड़क पर वाहन दौड़ रहे थे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
जागरण मोर्चा
बरेली सिटी से 'जागरण मोर्चा' को
चाहिए ऊजार्वान पत्रकार!
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक 'जागरण मोर्चा' बरेली शहर, तहसील एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समाचार संकलन के लिए निष्पक्ष, साहसी और ऊजार्वान संवाददाताओं (पत्रकारों) की आवश्यकता है।
संपर्क सूत्र: 7579849555, 9627739857
मिलने का समय: दोपहर 12 से शाम 06 बजे तक
कार्यालय का पता: सी-86, चन्दपुरी, प्रेम नगर (बी-बाजार के सामने), बरेली, उत्तर प्रदेश।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में दिवंगत विधायक के बेटे को नहीं मिला प्रवेश, सुरक्षा कर्मियों ने गेट पर ही रोका

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंगलवार को जीआईसी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा एक घटनाक्रम चर्चा का विषय बन गया। फरीदपुर के दिवंगत विधायक श्याम बिहारी के पुत्र ईशान जब कार्यक्रम शुरू होने के बाद ऑडिटोरियम पहुंचे तो सुरक्षा में तैनात कर्मियों ने उन्हें मुख्य द्वार पर ही रोक दिया। काफी देर तक पहचान बताने और अंदर जाने का अनुरोध करने के बावजूद उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं मिल सकी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जीआईसी ऑडिटोरियम में पंडित राधेश्याम की प्रतिमा के अनावरण तथा ऑडिटोरियम का नाम बदलकर 'पंडित राधेश्याम स्मृति भवन' किए जाने के कार्यक्रम में शामिल थे। इसी दौरान ईशान कार्यक्रम स्थल पहुंचे, लेकिन सुरक्षा अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया कि कार्यक्रम शुरू होने के बाद किसी भी व्यक्ति को अंदर प्रवेश देने की अनुमति नहीं है।

ईशान ने सुरक्षा कर्मियों को बताया कि उनके पिता श्याम बिहारी फरीदपुर विधानसभा से विधायक रह चुके हैं। इसके बावजूद सुरक्षा में लगे अधिकारियों ने वीवीआईपी प्रोटोकॉल और सुरक्षा नियमों का हवाला देते हुए उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। कुछ समय तक गेट पर बातचीत चलती रही, लेकिन नियमों में किसी प्रकार की ढील नहीं दी गई और उन्हें वापस लौटना पड़ा।

उधर, सभागार के भीतर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंडित राधेश्याम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने संबोधन में पंडित राधेश्याम के साहित्यिक और सांस्कृतिक योगदान का उल्लेख करते हुए स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत निर्मित जीआईसी ऑडिटोरियम का नाम बदलकर 'पंडित राधेश्याम स्मृति भवन' करने की घोषणा की। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में आमंत्रित अतिथि मौजूद रहे।

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री सर्किट हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने जिले के विकास कार्यों, कानून-व्यवस्था और विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं, दिवंगत विधायक के पुत्र को सुरक्षा कारणों से कार्यक्रम में प्रवेश न मिलने की घटना पूरे दिन राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी रही।

आयोजन अधिकारियों ने जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी, जनप्रतिनिधियों से किया सहयोग का आह्वान

क्षेत्र पंचायत की बैठक में विकास योजनाओं की हुई समीक्षा

जागरण मोर्चा कार्यालय

बहेड़ी। विकास खंड सभागार बहेड़ी में मंगलवार को क्षेत्र पंचायत की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख अरमिंदर सिंह 'गोल्डी' ने की। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। बैठक को संबोधित करते हुए ब्लॉक प्रमुख अरविंद सिंह 'गोल्डी' ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने और अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने की अपील की।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में ब्लॉक प्रमुख अरमिंदर सिंह गोल्डी बाल विकास परियोजना अधिकारी मनोज कुमार वर्मा तथा खंड विकास अधिकारी। -जागरण मोर्चा

खंड विकास अधिकारी ने ग्राम पंचायतों में संचालित विकास योजनाओं, निर्माण कार्यों तथा ग्राम विकास से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। बाल विकास परियोजना अधिकारी मनोज कुमार वर्मा ने आंगनबाड़ी सेवाओं, बाल पुष्टाहार योजना तथा तीन से छह वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कुपोषण मुक्त समाज के निर्माण में सभी का सहयोग आवश्यक है। सप्लाई इंस्पेक्टर शांतनु सिंह ने राशन कार्ड, पात्र गृहस्थी एवं अंत्योदय योजनाओं से संबंधित जानकारी देते हुए पात्र लाभार्थियों से समय पर आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने की अपील की। सरकारी अस्पताल की ओर से छवि सक्सेना ने स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा टीकाकरण कार्यक्रमों की जानकारी दी। वहीं शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि केदार सिंह ने शिक्षा विभाग की योजनाओं, विद्यालयों में संचालित कार्यक्रमों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर विभाग की पहल से अवगत कराया। बैठक में क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों की समस्याएं भी सुनीं और उनके समाधान का आश्वासन दिया।

बरेली में सीएम योगी ने बुलडोजर को दिखाई हरी झंडी, कूड़ा उठान के लिए मिले 51 नए वाहन

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को शहर की सफाई व्यवस्था के लिए कई वाहनों को हरी झंडी दिखाई। इनमें 51 सीएनजी कूड़ा वाहन, छह रोबोटिक मशीन और पांच जेबीसी शामिल हैं। ये सभी वाहन नगर निगम को सौंपे गए हैं।

बरेली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सर्किट हाउस में कार्यक्रम के दौरान 51 सीएनजी कूड़ा वाहनों, छह रोबोटिक मशीन (नाला सफाई के लिए) और पांच जेबीसी को हरी झंडी दिखाई। ये सभी वाहन नगर निगम को सौंपे गए हैं। इससे शहर में कूड़ा उठान और साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान शहर की कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था की समीक्षा की और प्लांट के जल्द संचालन के निर्देश दिए। शहर के कूड़ा निस्तारण के लिए बना सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की वरियता में शामिल है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश के तेजी से बढ़ते अखबार जागरण मोर्चा को मुरादाबाद मंडल और जिला रामपुर में रिपोर्टरों और एजेंसी के लिए लोगों की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त विज्ञापन एंव अखबार के लिए संपर्क करें।

मोबाइल नंबर– 7906815587, 9758444242

एक नजर

बड़ा गांव ने दूसरी बार की शत-प्रतिशत वसूली

रामपुर। शाहबाद की बड़ा गांव एम–पैक्स समिति ने बैंक और समिति के ऋणों की शत–प्रतिशत वसूली कर एक बार फिर उपलब्धि हासिल की है। मंगलवार को समिति ने कुल सात करोड़ 38 लाख रुपये की धनराशि की शत–प्रतिशत वसूली पूरी की है। यह लगातार दूसरी बार है जब समिति ने यह लक्ष्य प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर समिति परिसर में एक कार्यक्रम आयोजित कर कर्मचारियों और प्रबंध निदेशक का सम्मान किया गया। समिति के प्रबंध निदेशक डीके वर्मा ने बताया कि शत–प्रतिशत वसूली में समिति के कर्मचारियों आरवेंद्र कुमार और विनेश मौर्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने यह भी बताया कि जागरूक किसानों के सहयोग से ही यह लक्ष्य पूरा हो सका। समय पर ऋण की धनराशि जमा करने वाले किसानों को शासन की ओर से तीन प्रतिशत अनुमानित ब्याज लाभ भी मिला है।

वकीलों ने जताई खुशी, खिलाए लड्डू

रामपुर। बिलासपुर में अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों और स्टांप वेंडरों ने मंगलवार को अपनी 11 दिवसीय अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थगित कर दी। यह निर्णय ई–पंजीकरण व्यवस्था से संबंधित आईजी (स्टांप) द्वारा जारी सर्कुलर वापस लिए जाने के बाद लिया गया। हड़तालियों ने इसे अपनी बड़ी जीत बताते हुए बुधवार से काम पर लौटने की घोषणा की। इस अवसर पर वकीलों ने लड्डू बांटकर खुशी जताई।

जौहर विवि में आज जांच को पहुंचेगी अग्निशमन विभाग की टीम

आयकर विभाग ने ट्रस्ट का पंजीकरण निरस्त करते हुए अग्नि सुरक्षा कर्मियों का किया था उल्लेख

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट का पंजीकरण निरस्त करते समय अग्नि सुरक्षा संबंधी कर्मियों का उल्लेख हो चुका है है इसको लेकर दमकल विभाग की टीम जौहर विवि आज पहुंचेगी। दमकल विभाग के अफसरों के अनुसार शासन ने सभी शिक्षण संस्थानों और कोचिंग सेंटरों की जांच के आदेश दिए हैं।

सपा नेता आजम खां की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। आरडीए ने जौहर विवि में 1.14 लाख वर्गमीटर अवैध निर्माण बताते हुए नोटिस जारी किया है नोटिस के अनुसार 38 ब्लॉक का नक्शा नहीं है और 15 दिन के भीतर जवाब देना है। नोटिस जारी होने के बाद विवि प्रशासन में खलबली मची हुई है। आयकर विभाग की रिपोर्ट के अनुसार जौहर विवि की 59 इमारतों में से केवल दो के नक्शे जिला पंचायत से पास है। शेष 57 इमारतें बिना अनुमति के बनाई गई हैं।

जौहर विवि में 17 करोड़ से बने हैं चार भवन

जौहर विवि में चार भवनों का निर्माण जल निगम की कार्यदायी संस्था कंस्ट्रक्शन सीएंडडीएस शाखा ने किया। इस पर 17 करोड़ रुपये खर्च हुए है। ट्रस्ट में नौ में से पांच पदाधिकारी भी अपने परिवार को दर्शाए थे। तो उस पर सरकारी बजट कैसे खर्च हो गया। यहीं नहीं जौहर विवि में करोड़ों की घपलेबाजी का आरोप लगने के बाद स्थानीय निर्माण एजेंसियों से इन भवनों का मूल्यांकन किया। तो निर्माण की कीमत 308 करोड़ रुपये आंकी गई। ऐसे में विव में भवनों के निर्माण में बेहिसाब काला धन खपने की बात भी सामने आ रही है।

पांच इमारतें पहले से हैं सील

जौहर विश्वविद्यालय में 44 खंड है जिनमें से 24 निर्माणाधीन है। पांच इमारतें पहले से ही सील है। सीएफओ की 16 जुलाई 2022 की रिपोर्ट खुलासा हुआ है कि विवि परिसर में 44 ब्लॉकों में से 24 निर्माणाधीन है जबकि पांच इमारतें को सील कर दिया गया है रिपोर्ट के अनुसार इन सभी भवनों के लिए अग्निश्मन विभाग से कोई एनओसी नहीं ली गई हैं।

तेज हवाओं के बाद 32 गांवों की बिजली गुल

- 10 घंटे से आपूर्ति ठप, हाल बेहाल

जागरण मोर्चा कार्यालय

मसवासी। तेज हवाओं के साथ हुई हल्की बारिश के बाद मसवासी नगर सहित 32 गांवों की बिजली आपूर्ति ब्रेकडाउन के कारण 10 घंटे से ठप है। इससे भीषण उमस और गर्मी के बीच लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सोमवार देर रात तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी होने के बाद बिजली व्यवस्था प्रभावित हो गई। इसके चलते मसवासी नगर के अलावा चाऊपुरा भूबरा, सीतारामपुर, , खानपुर उत्तरी, किशनपुर, मौलागढ़, शिकारपुर, शिवनगर, बब्बरपुरी, लोहारा, इनायतगंज, मानपुर उत्तरी, बिजारखाता पीपलसाना नरपत नगर समेत नो गांवों की विद्युत आपूर्ति मंगलवार दोपहर दो बजे तक भी बहाल नहीं हो सकी। बिजली न रहने से घरों में लगे पंखे, कूलर और अन्य विद्युत उपकरण बंद रहे। वहीं पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित होने से लोगों को अतिरिक्त दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

अवर अभियंता श्रीकांत ने बताया कि तेज हवाओं के कारण हाईटेंशन लाइन में ब्रेकडाउन हुआ है। लाइनमैन टीम टांडा-बाजपुर मार्ग के किनारे हाईटेंशन लाइन की पेट्रोलिंग कर फॉल्ट तलाशने में जुटी है। उन्होंने बताया कि खराबी दूर करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है और जल्द ही बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी।

रंजिश के चलते लाठी-डंडे व तमंचे से मारपीट

टांडा। थाना टाण्डा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सूरजपुर निवासी आबिद अली को पुरानी रंजिश के कारण रास्ते में पकड़कर बुरी तरह पीटा गया। आरोपियों ने लाठी, सरिया और तमंचे की बट से हमला कर आबिद अली को गंभीर चोटें पहुंचाई। जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। आबिद अली के भाई शाहिद ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया आबिद अली दुकान से सामान लेने जा रहा था। इसी दौरान कासिम पुत्र भुरा और वसीम पुत्र जाहिद ने पुरानी रंजिश के चलते उसे रास्ते में पकड़ लिया और मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने अपने अन्य परिजनों को भी बुला लिया। इनमें बब्बू, भूरा, भोलू, वाहिद तथा रिजवान शामिल हैं। सभी ग्राम सूरजपुर निवासी हैं। उक्त सभी व्यक्ति घर से तमंचा व सरिया लेकर आए और आबिद अली को बुरी तरह पीटने लगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, मचा कोहराम

शाहबाद थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस कर रही जांच, युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

फाइल फोटो मृतक रोहित।

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहबाद। बीती रात शहर के मोहल्ला अफगान में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिसके कारण परिजनों में कोहराम मच गया। देर रात युवक की हालत बिगड़ने पर परिजन उसको आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई।

शाहबाद के मोहल्ला अफगानान निवासी रोहित (21) की रात का खाना खाने के बाद हालत बिगड़ने लगी, उसकी अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजनों द्वारा उपचार के लिए रोहित को शाहबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया, अस्पताल में डॉक्टरों ने रोहित को मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। रोहित की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। रिश्तेदारों और आसपास के लोगों का घर पर तांता लगा रहा। पूरे मोहल्ले में शोक का माहौल है।हर कोई इस घटना को लेकर स्तब्ध है। परिजनों ने बिना किसी कार्रवाई के युवक का अंतिम संस्कार कर दिया।

सामने से आ रहे वाहन को बचाने में पलटी कार, तीनों सवार बाल-बाल बचे

जागरण मोर्चा कार्यालय

सैदनगर। अजीमनगर में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे एक स्विफ्ट डिजायर कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। यह हादसा सामने से आ रहे एक वाहन को साइड देते समय हुआ। कार में सवार तीनों युवक बाल–बाल बच गए और उन्हें कोई चोट नही आई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार नगलिया आकिल की ओर से वापस लौट रही थी। नगलिया से निकलकर थाने से लगभग सौ मीटर पहले, चालक ने सामने से आ रही दूसरी कार को रास्ता देने का प्रयास किया। इसी दौरान कार सड़क से फिसलकर खेत में जा गिरी और पलट गई। कार में बगड़खा अड्डा निवासी नदीम, मुकीम और महेंद्र सवार थे। हादसे के बाद तीनों युवक सुरक्षित बाहर निकल आए। उन्हें किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आई। कार पलटते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। बाद में ग्रामीणों की मदद से एक ट्रैक्टर बुलाया।जिसकी सहायता से पलटी हुई कार को खेत से बाहर निकाला गया। हादसे के बाद कुछ देर तक मौके पर भीड़ बनी रही।

पलटी हुई कार को उठाते युवक –जागरण मोर्चा

बारिश होने से लोगों की मिली गर्मी से राहत, जलभराव

- मंगलवार को तापमान घटकर हुआ 28 डिग्री सेल्सियस

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया। मंगलवार की सुबह तेज बारिश हुई। दिन में बूंदाबांदी, ठंडी हवा ने मौसम को सुहाना बना दिया। बारिश के बाद कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को काफी राहत मिली। मौसम सुहाना होने पर असर जनजीवन पर भी पड़ा।

पिछले कई दिनों से तापमान 40 डिग्री से ऊपर था। मंगलवार को अधिकतम तापमान घटकर 28 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। जबक न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 13 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चली। बीच-बीच में बारिश होने के बाद गर्मी से कुछ निजात मिली। बारिश होने से शहर के कई मोहल्लों में जलभराव की स्थिति बनी रही। जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहर के मोहल्ला में पुराना गंज, बाजार नसरूल्लाह खां, शाहबाद गेट, बिलासपुर गेट, थाना सिविल लाइंस समेत अन्य क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी रही।

बाजार नसरूल्लाह में हुए जलभराव से होकर गुजरते लोग।

पुलिस लाइन परिसर में पांच पुलिसकर्मी हुए सेवानिवृत्त

- 35 से 39 वर्ष की सेवा के बाद हुआ विदाई समारोह

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। पुलिस लाइन परिसर में मंगलवार को उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हुए पांच पुलिसकर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। अधिकारियों ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को फूल माला पहनाकर, स्मृति चिन्ह और उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

सेवानिवृत्त में उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस राम नरेश, मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस वीरेन्द्र सिंह, लीडिंग फायरमैन चन्द्रपाल सिंह, मुख्य आरक्षी चालक अली हसन और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अमर सिंह शामिल हैं। इन सभी ने पुलिस एवं अग्निशमन विभाग में लगभग 35 से 39 वर्ष तक अपनी सेवाएं दीं। अधिकारियों ने सेवानिवृत्त कर्मियों की दीर्घकालीन सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन कर्मियों ने अपने सेवाकाल में पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्य परायणता के साथ जिम्मेदारियों का निर्वाहन किया। उन्हें उत्कृष्ट कार्यों के लिए अनेक नगद पुरस्कार और उत्तम प्रविष्टियां भी प्राप्त हुईं।

पुलिस लाइन में पुलिस कर्मी को विदाई देते अधिकारी।

राजस्व टीम पर हमला करने वाले आरोपी को पकड़ा

सैदनगर। अजीम नगर पुलिस ने राजस्व टीम पर हमला और पुलिस बैरियर तोड़ने वाला एक और आरोपी पकड़ा है। 5 आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।मामला थाना क्षेत्र के खौद चौराहे का था। करीब दो माह पहले राजस्व टीम खनन से भारी वाहनों का चेकिंग कर रही थी। इस दौरान स्वार के ओर से आ रहे खनन से भरे डंपर को टीम ने रोकने की कोशिश की। आरोपियों ने अपने वाहन राजस्व टीम के कर्मचारियों पर चढ़ाने की कोशिश की। गनीमत यह रही कोई भी कर्मचारी चोटिल नहीं हुआ। आरोपी पुलिस बैरियर को तोड़ते हुए अपने वाहन लेकर फरार हो गए थे। पुलिस ने पांच डंपर चालकों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मंगलवार सुबह पुलिस ने एक और आरोपी जलीश पुत्र सफी अहमद निवासी ग्राम सोनकपुर थाना टाण्डा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना अध्यक्ष कर्म सिंह पाल ने बताया पकड़े गए आरोपियों को चौराहों पर लगाए गए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्तार किया है।

आज से बंटेगे फलदार पौधे

जागरण मोर्चा कार्यालय

स्वार। रुस्तम नगर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय के प्रबंधक ख्याली राम लोधी के दिशा-निर्देशन और प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा की देखरेख में संपन्न हुआ।

पर्यावरण प्रमुख आचार्य सुनीता रानी मौर्य के नेतृत्व में आचार्यों और छात्रों ने मिलकर विद्यालय के मुख्य भवन के सामने सड़क किनारे पीला कनेर, लाल पुष्प और सदाबहार के पौधों का रोपण किया। इन पौधों को लगाने का मुख्य उद्देश्य मां सरस्वती और भारत माता की दैनिक वंदना के लिए ताजे पुष्प प्राप्त करना है। वृक्षारोपण में अंजलि मौर्य, पूजा टैगोर, धर्मेंद्र कुमार, ब्रजकिशोर, उमेश कुमार और छात्र शिवम दिवाकर ने सक्रिय सहयोग दिया। इस दौरान रिमझिम बूंदाबांदी होने से मौसम सुहाना हो गया।जिससे लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली।वन विभाग के तत्वावधान में 1 जुलाई से 7 जुलाई तक वन महोत्सव कार्यक्रम मनाया जाएगा। इसके तहत उद्यान विभाग द्वारा पर्यावरण को हरा-भरा और ऑक्सीजन युक्त बनाने के लिए बड़ी संख्या में फलदार एवं छायादार पौधों का वितरण किया जाएगा।ये पौधे विद्यालय के छात्र छात्राओं अभिभावकों, आचार्यों और कर्मचारियों को बांटे जाएंगे।

पौधारोपण करता स्कूल का स्टॉफ।

ऑनलाइन फ्रेंचाइजी और ई-रजिस्ट्री के विरोध में वकीलों की कलमबंद हड़ताल जारी

जागरण मोर्चा कार्यालय

मिलक। ऑनलाइन फ्रेंचाइजी मॉडल एवं ई–रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में 23 जून 2026 से चल रही अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल आज 30 जून को भी जारी रही। हड़ताल के कारण तहसील के न्यायालयों का न्यायिक कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। बार एसोसिएशन, बैनामा लेखक संघ, स्टांप वेंडर संघ एवं मुंशियों ने अध्यक्ष सतीश चंद्र गंगवार एडवोकेट की अध्यक्षता में बैठक कर स्पष्ट निर्णय लिया कि जब तक ऑनलाइन फ्रेंचाइजी मॉडल और ई–रजिस्ट्री व्यवस्था पूरी तरह वापस नहीं ली जाती, तब तक आंदोलन और कलमबंद हड़ताल जारी रहेगी।बैठक के बाद अधिवक्ताओं, बैनामा लेखकों, स्टांप वेंडरों और मुंशियों ने उप निबंधक (सब रजिस्ट्रार) कार्यालय तक जुलूस निकालकर जोरदार नारेबाजी की और धरना–प्रदर्शन किया। अध्यक्ष का कहना था कि सरकार ने केवल लॉलीपॉप दिया है, लेकिन जब तक काला कानून पूरी तरह वापस नहीं होगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं महासचिव ने कहा कि इस व्यवस्था से अधिवक्ताओं, बैनामा लेखकों, मुंशियों, स्टांप वेंडरों सहित हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित होगी और बेरोजगारी बढ़ेगी। इस अवसर पर सुधीर कुमार शुक्ला, अनुज पांडे, दुर्गेश गंगवार, यतेंद्र अत्रि, विजयपाल गंगवार, ओम प्रकाश सक्सेना, अमन गौड़, शेखर रुहेला, देशबीर सिंह, विपिन तिवारी, विवेक गंगवार, देवेंद्र गंगवार, सुरेश चंद्र गंगवार, रमेश चंद मिश्रा, मोहित सक्सेना, वीरपाल आदि उपस्थित रहे।

प्रेमी के घर पहुंची युवती, निकाह की जिद पर अड़ी, चौकी में घंटों चली पंचायत

जागरण मोर्चा कार्यालय

मसवासी। प्रेम प्रसंग के चलते निकाह की जिद लेकर एक युवती सोमवार देर रात अपने प्रेमी के घर पहुंच गई। युवक पक्ष द्वारा निकाह से इनकार किए जाने पर मामला नरपत नगर पुलिस चौकी पहुंच गया, जहां मंगलवार देर शाम तक दोनों पक्षों के बीच समझौते की कोशिशें चलती रहीं, लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी। जानकारी के अनुसार टांडा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती सोमवार देर शाम घर से निकलकर मसवासी चौकी क्षेत्र के गांव खोद शरीफ के मजरा मिलक स्थित अपने प्रेमी के घर पहुंच गई। मंगलवार सुबह से दोनों पक्षों के बीच मान–मनौव्वल का दौर चलता रहा, मगर युवक पक्ष निकाह के लिए तैयार नहीं हुआ। इसके बाद युवती अपने परिजनों के साथ मसवासी पुलिस चौकी पहुंच गई और पुलिस से निकाह कराने की मांग करते हुए कार्रवाई की गुहार लगाई।देर शाम तक पुलिस चौकी में दोनों पक्षों के बीच पंचायत और बातचीत का सिलसिला जारी रहा, लेकिन समाचार लिखे जाने तक कोई सहमति नहीं बन सकी। मसवासी चौकी प्रभारी सोहनपाल सिंह ने बताया कि युवती पक्ष की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश महासचिव के निवास पर पहुंचे राज्यमंत्री, बातचीत

प्रदेश महासचिव से बातचीत करते राज्यमंत्री। –जागरण मोर्चा

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के बाद प्रदेश महासचिव हाजी हसीब अहमद के निवास पर पहुंचे। हाल ही में हज की मुबारक और पाक यात्रा से लौटने पर उन्होंने हाजी हसीब अहमद से मुलाकात की। उन्हें हज की दिल से मुबारकबाद दी। उनका हालचाल जाना।

मुलाकात के दौरान दोनों के बीच किसानों से जुड़े मुद्दों, क्षेत्र के विकास और जनहित के विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। किसानों की समस्याओं के समाधान और उनके हितों से जुड़े विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर हाजी हसीब अहमद ने शाहबाद में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में मंत्री द्वारा दिए गए संबोधन की सराहना करते हुए कहा कि किसानों और आम जनता के हितों से जुड़े मुद्दों को जिस स्पष्टता और गंभीरता से उन्होंने रखा। वह सराहनीय है। उन्होंने मंत्री के जनसेवा के प्रति समर्पण की भी प्रशंसा की।

उर्स | चादरपोशी, गुलपोशी और दस्तारबंदी के बीच सैकड़ों अकीदतमंदों ने की दुआ में शिरकत

आखिरी कुल में उमड़ी अकीदतमंदों की भीड़, दुआओं के संग उर्स का हुआ समापन

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। शाह बगदादी रहमतुल्लाह अलैहि की दरगाह पर चल रहे सालाना उर्स का समापन मंगलवार को आखिरी कुल के साथ अकीदत और रूहानियत के माहौल में हुआ। अंतिम दिन सुबह से देर रात तक दरगाह पर चादरपोशी और गुलपोशी का सिलसिला जारी रहा। आखिरी कुल में बड़ी संख्या में अकीदतमंद उमड़े और मुल्क में अमन, तरक्की व खुशहाली के लिए दुआ की। असर की नमाज के बाद शहर काजी सैयद खुशनूद मियां और सैयद अनस मियां ने आयत-ए-करीमा की तिलावत के बाद हजरत शाह बगदादी रहमतुल्लाह अलैहि की जिंदगी और करामात पर बयान किया। उन्होंने कहा कि हजरत अब्दुल्ला शाह बगदादी इंसानियत, मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम देने वाले बुजुर्ग थे, जिन्हें फरजंद-ए-गौसुल आजम भी कहा जाता है।

उर्स के अवसर पर मदरसा गुलशन-ए-बगदाद के 10 छात्रों की दस्तारबंदी भी की गई। कुल के बाद दुआ कराई गई। इस मौके पर सज्जादानशीन सैयद साजिद मियां, इकबाल मियां, राशिद मियां, चांद मियां, मुस्लिम मुईन कुरैशी, आकिल मुईन कुरैशी, शाकिर मुईन कुरैशी, हसीब अहमद, मौलवी परवेज आलम, मौलवी अब्बास आदि मौजूद रहे।

उर्स के आखिरी दिन तकरीर करते सैयद खुशनूद मिया। –जागरण मोर्चा

जब भी मैं रामपुर आता हूं तो यहां का मौसम शिमला जैसा हो जाता है: सीएम योगी

पहले दंगे प्रदेश की पहचान थे, अब धूमधाम से होती है दिवाली, होली, कावड़ यात्रा और दुर्गा पूजा

- **सीएम योगी सैफई और रामपुर परिवार पर बरसे**

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहबाद। मंगलवार को शाहबाद के चड्ढा फार्म मैदान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जनसभा को संबोधित किया। कहा कि जब भी मैं रामपुर आता हूं, तो यहां का मौसम शिमला जैसा हो जाता है, मै रामपुर की धरती को नमन करता हूं, कहा कि वह जब भी रामपुर आयेंगे तो विकास की योजनाएं जरूर लाएंगे।

2017 से पहले का रामपुर और आज का रामपुर आपके सामने है। एक समय था जब गरीब की जमीन पर कब्जा हो जाता था, दलितों और गरीबों की आवाज को उस वक्त की समाजवादी सत्ता ने बंद कर दिया था, लेकिन 2017 के बाद से जब सत्ता बदली तो रामपुर को नई पहचान भी मिली। रामपुर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन की

शाहबाद में आयोजित कार्यक्रम में बच्चे को दुलारा-पोषाहार खिलाते सीएम।

सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश बीमारु राज्य से निकालकर देश के टॉप 3 राज्यों में गिना जा रहा है।पहले की सरकार में न बेटी सुरक्षित थी, न व्यापारी सुरक्षित था, नौजवानों के लिए रोजगार नहीं था, चाचा भतीजे की जोड़ी ने हर योजना पर अपना हक जमा रखा था। पहली की सपा सरकार में सिर्फ दो ही परिवारों का विकास होता था, एक सैफई परिवार का और एक रामपुर के परिवार का। इन लोगों ने बहन बेटियों को अपमानित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पहले दंगे प्रदेश की पहचान थे,आज होली, दिवाली, विजयदशमी, दुर्गा पूजा और कावड़ यात्रा बहुत ही धूमधाम से होती है। कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में यूपी देश का मॉडल बन रहा है। वोट की खातिर रामभक्तो पर गोलियां चलाने वाले आज आस्था की वकालत कर रहे है, आपकी ताकत से पिछलग्गू बनने को मजबूर है।

कांग्रेस पहले श्रीराम के अस्तित्व को नकारती रही, आज कह रही है कि राम सबके है।

आईआईए के चेयरमैन श्रीष गुप्ता को सम्मानित करते सीएम। -जागरण मोर्चा

सीएम योगी ने पारदर्शी रोजगार, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के आंकड़ों को सामने रखते हुए रामपुर को नए उत्तर प्रदेश की प्रगति का चमकता हुआ केंद्र बताया। मुख्यमंत्री ने रामपुर की धरती को भगवान महाकालेश्वर महादेव, ओम नागेश्वर महादेव, कोसी मंदिर और मां बाला सुंदरी जैसे आस्था केंद्रों से समृद्ध बताया। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या, काशी और महाकुंभ यूपी की नई पहचान बन चुके हैं।प्रदेश में सभी पर्व पूरी शांति और उल्लास के साथ मनाए जा रहे हैं। सरकार के लिए प्रदेश की सुरक्षा सर्वोपरि है।

रामपुर के नौजवान को जब नियुक्ति पत्र मिलता है तो मुझे बहुत खुशी होती है।सीएम योगी ने यह भी कहा कि चाकू जब गलत हाथों में होगा तो डकैती डालेगा, चाकू अब जनता की सुरक्षा के लिए प्रयोग में आ रहा है। हाइवे, पुल, रेलवे बन रहे है। अब विकास रुकने वाला नहीं है। मैं रामपुर वासियों को आश्वस्त करता हूं कि बिना भेदभाव के सभी को योजनाओं का लाभ मिलेगा, सरकार सबका साथ, सबका विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है। आपने अच्छे जनप्रतिनिधि चुने है, इसलिए गरीब का हर सपना साकार हो रहा है, गोरखपुर शामली कोरिडोर रामपुर से होकर गुजरेगा तो यहां के विकास को एक नई उड़ान मिलेगी। सीएम ने अंत में सभी का आभार व्यक्त किया।

यह रहे मौजूद : प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह, राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, एडीजी रमित शर्मा, कमिश्नर आञ्जनेय कुमार सिंह, डीआईजी मुनिराज, क्षेत्रीय विधायक राजबाला सिंह, शहर विधायक आकाश सक्सेना, डीएम अजय कुमार द्विवेदी, एसपी सोमेंद्र मीणा, जिला प्रभारी राजा वर्मा, पूर्व सांसद घनश्याम लोधी, जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार, एमएलसी जयपाल सिंह व्यस्त, हरि सिंह ढिल्लो, दिलीप लोधी, कांशीराम दिवाकर, रविन्द्र रवि, मोहन लोधी, सुभाष भटनागर, सुरेश बाबू गुप्ता आदि रहे।

बीमारू राज्य से निकालकर टॉप तीन में पहुंचा उत्तर प्रदेश

शाहबाद। जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के बाद सत्ता परिवर्तन के बाद डबल इंजन की सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यूपी बीमारू राज्य से निकालकर टॉप तीन में पहुंच गया है, अब प्रदेश में दंगे नहीं होते बल्कि लगातार विकास जारी है और सरकार की योजनाओं का लाभ प्रदेश के 25 करोड़ लोगों को मिल रहा है। हाइवे, पुल, रेलवे, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, फायर स्टेशन बन रहे है। विकास अब रुकने वाला नहीं है।

'पहली की सरकार में चाचा भतीजे के भेंट चढ़ जाती थी योजनाएं'

सपा सरकार पर निशाना साधते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहली की सरकार में नौकरियां चाचा भतीजे की भेंट चढ़ जाती थी, यह दोनों मिलकर योजनाओं को हजम कर लेते थे। पहले की सरकार में विकास सिर्फ दो ही परिवारों का होता था, एक सैफई परिवार का और दूसरा रामपुर परिवार का। आज प्रदेश का एक जैसा विकास हो रहा है, बिजली प्रदेश के सभी जनपदों में आ रही है।

राजभक्तों पर गोलियां चलाने वाले आज आस्था की वकालत कर रहे

चड्ढा फार्म मैदान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज आपके वोट की ही ताकत है कि जो लोग कल तक रामभक्तो पर गोलियां चलवाते थे,वो आज आस्था की वकालत कर रहे हैं। पहले जय श्रीराम बोलने पर लाठी मारते थे, आज आपकी ताकत ने पिछलग्गू बनने पर मजबूर किया। कांग्रेस जो पहले श्रीराम के अस्तित्व को नकारती रही आज कहती है कि राम सबके है। यह आपके वोट की ताकत से ही हो पाया है।

जय श्रीराम के उद्घोष से शुरू हुआ सीएम योगी का संबोधन

जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संबोधन 'जय श्रीराम' के उद्घोष के साथ शुरू हुआ। करीब 38 मिनट तक चले भाषण में मुख्यमंत्रीयोगी आदित्यनाथ ने धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और विकास के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।जिले के प्रमुख शिव मंदिरों काउल्लेख करते हुए जिले की धार्मिक पहचान को रेखांकित किया। साथ ही उन्होंने रामपुर के प्रसिद्ध जरी उद्योग, मैंथा उत्पादन और वायलन कारोबार का जिक्र करते हुए इनके महत्व और संभावनाओं पर अपनी बात रखी।विधायक बलदेव औलख और शाहबाद-मिलक विधायक राजबाला की कई बार प्रशंसा करते हुए उनके विकास कार्यों की सराहना की।

बारिश के बावजूद उत्साहित दिखे ग्रामीण

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। मूसलाधार बारिश के बावजूद ग्रामीणों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर उत्साह नजर आया। अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष काशिफ खां के नेतृत्व में शहर विधान सभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मनकरा, दीनपुर, राजारामपुर और खजुरिया के सेकड़ों लोग बसों, ट्रेक्टर ट्रॉली और निजी वाहनों से शाहबाद पहुंचे। ग्रामीणों

कार्यक्रम के दौरान मौजूद प्रधान एवं ग्रामीण। -जागरण मोर्चा

ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और शहर विधायक आकाश सक्सेना जिंदाबाद के नारों की गूंज के साथ प्रस्थान किया। कई लोग बारिश में भीगते नजर आए, लेकिन कार्यक्रम में शामिल हुए।

मनकरा में कार्यक्रम जाने वालों की इतनी भीड़ एकत्र हो गई कि वाहन भी कम पड़ गए। जिलाध्यक्ष ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जिलेभर के प्रधानों का आभार जताया। इस मौके पर वीडीओ उमर फारूक, अमित भटनागर, प्रधान छत्रपाल यादव, गंगासरन सैनी, दुर्जन सिंह, सलीम अल्वी, विक्रमजीत सिंह, गुलाम साबिर, फूल जहां, धर्मवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

मंच से मेधावियों, लाभार्थियों और उद्यमियों का हुआ सम्मान

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। गरीब कल्याण की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए सीएम ने कहा कि आज ई-पॉस मशीनों के जरिए पारदर्शी तरीके से मुफ्त राशन का वितरण हो रहा है।उज्ज्वला योजना से हर घर तक गैस सिलेंडर पहुंच रहा है। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि जिनके पास 'आयुष्मान कार्ड' नहीं है, वे अपने विधायक के माध्यम से प्रस्ताव भिजवाएं। मुख्यमंत्री राहत कोष से उन्हें गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए तत्काल पूरी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच से जिले की प्रतिभाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों और क्षेत्र के विकास में योगदान देने वाले प्रमुख उद्यमियों को सम्मानित किया। माध्यमिक शिक्षा विभाग की मेधावी सम्मान योजना के अंतर्गत इंटरमीडिएट की जिला टॉपर सेजल आर्य और हाईस्कूल की जिला टॉपर कनिका गंगवार को मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से 21-21 हजार रुपये की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र सौंपकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत शारदा सिंह, अक्षत अग्रवाल और भूमिका यादव को तकनीकी शिक्षा व सहयोग के लिए लैपटॉप वितरित किए गए।राजस्व विभाग की मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत आपदा का शिकार हुए किसान परिवारों को संबल देते हुए शारदा देवी, सीमा देवी और पूरनदेई को उनके पतियों के आकस्मिक निधन पर 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि के चेक प्रदान किए गए। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत अमरीश को सोलर पैनल सर्विस, श्रीमती संतोष कुमारी को आटा चक्की और प्रमोद कुमार को टेंट हाउस व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण राशि के स्वीकृति पत्र सौंपे गए। इसके साथ ही रामपुर में बड़े पैमाने पर स्थानीय लोगों को रोजगार देने, राजस्व बढ़ाने और ओडीओपी जरी-पैचवर्क व मैंथा उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने में उत्कृष्ट योगदान के लिए उद्योग जगत से जुड़े अमर सिंह (रेडिको खेतान), वीरेन्द्र जिन्दल (अम्बिका प्लाईवुड), श्रीष गुप्ता रामपुर हस्तकला, अमृत कपूर नीरू मैंथॉल, राजेश शर्मा गणेशा इको स्फेयर) को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया।इस दौरान मुख्यमंत्री ने जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया और संबंधित विभाग के अधिकारियों से विभागीय स्तर पर किए जा रहे अभिनव कार्यों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया।

फोटो

शाहबाद में आयोजित जनसभा में मौजूद शिक्षक।

संतोष कुमारी को चेक देते सीएम। -जागरण मोर्चा

छात्र को लेपटाप देते सीएम। -जागरण मोर्चा

फोटो गैलरी

जनसभा स्थल पर लगी प्रदर्शनी को देखते सीएम। -जागरण मोर्चा

मेधावी छात्रा को लेपटॉप देते सीएम। -जागरण मोर्चा

मेधावी छात्रा को चेक देते सीएम। -जागरण मोर्चा

शाहबाद में आयोजित में जनसभा को संबोधित करते सीएम। -जागरण मोर्चा

हैलीकाप्टर से उतरकर सभास्थल पर जाते सीएम, राज्यमंत्री, विधायक।

व्यापारी नेता को सम्मानित करते सीएम। -जागरण मोर्चा

कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लगे शिलापट। -जागरण मोर्चा

100 करोड़ की ग्राम सभा भूमि पर फर्जी नामांतरण का आरोप

राजस्व लेखपाल ने थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग

- कई पूर्व अधिकारियों व अन्य लोगों की भूमिका बताई संदिग्ध

जागरण मोर्चा, कार्यालय

सम्भल। जनपद के ग्राम तख्तनुशाईन स्थित लगभग 2.367 हेक्टेयर ग्राम सभा भूमि के कथित फर्जी नामांतरण और अवैध कब्जे का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। राजस्व लेखपाल स्पर्श गुप्ता ने थाना प्रभारी को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि करीब 100 करोड़ रुपये मूल्य की ग्राम सभा भूमि कूटरचित अभिलेखों के आधार पर नामांतरण कराकर कब्जा ली गई। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

तहरीर के अनुसार ग्राम सभा की गाटा संख्या 376, 378, 423, 518, 440 एवं 424 की कुल 2.367 हेक्टेयर भूमि सम्भल-मुरादाबाद मुख्य मार्ग पर स्थित है, जिसका वर्तमान बाजार मूल्य लगभग 100 करोड़ रुपये बताया गया है। आरोप है कि मियां सराय निवासी सईदुल रहमान ने नगर पालिका परिषद से वर्ष 1967 में कथित रूप से फर्जी तरीके से जारी पट्टा अभिलेख के आधार पर वर्ष 2008 में उपसंचालक चकबंदी न्यायालय से नामांतरण आदेश प्राप्त कर लिया और इसके बाद ग्राम सभा की भूमि पर कब्जा कर लिया। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि इस नामांतरण आदेश के विरुद्ध उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की गई थी, लेकिन संबंधित अधिकारियों की कथित मिलीभगत के कारण प्रभावी पैरवी नहीं होने से ग्राम सभा के हित प्रभावित हुए और भूमि भू-माफियाओं के कब्जे में चली गई।

राजस्व लेखपाल ने तत्कालीन उपसंचालक चकबंदी, तत्कालीन अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, तत्कालीन मानचित्रक, पैरोकार, कथित पट्टाधारक, उनके उत्तराधिकारियों, भूमि के क्रेताओं एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। तहरीर में कुछ अज्ञात व्यक्तियों की संलिप्तता की आशंका भी जताई गई है। प्रार्थना-पत्र के साथ उपसंचालक चकबंदी के 27 फरवरी 2026 के आदेश की प्रति भी संलग्न की गई है। पुलिस से पूरे प्रकरण की जांच कर दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

कीटनासक पदार्थ के सेवन से युवक की मौत

चन्दौसी। बनियाठेर थाना क्षेत्र के एक गांव में युवक ने गृह क्लेश के चलते कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ी और मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार की शाम 35 वर्षीय युवक ने गृह क्लेश के चलते कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया। जब युवक की हालत बिगड़ी तो परिजनों को घटना की जानकारी हुई। परिजन युवक को निजी चिकित्सक के यहां लेकर पहुंचे। मगर चिकित्सक ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया और परिजन विलाप करने लगे। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव का अंतिम संस्कार दिया।

दुकान का ताला तोड़कर लाखों का सामान चोरी,जान से मारने की दी धमकी

जागरण मोर्चा, कार्यालय

चन्दौसी। नगर के घंटाघर (छोटी सब्जी मंडी) स्थित एक दुकान पर अवैध रूप से ताला तोड़ने, लाखों रुपये का सामान चोरी करने और विरोध करने पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने एक व्यक्ति ने आरोप लगाया है।

पीड़ित दुकानदार ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पीड़ित दीपम शर्मा ने बताया कि वह घंटाघर (छोटी सब्जी मंडी) स्थित एक दुकान में हरी कार्ड कलेक्शन' के नाम से प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें, कार्ड और स्टेशनरी बेचने का कार्य करता है। यह दुकान उसकी माता स्वर्गीय मीरा शर्मा ने 24 अक्टूबर 1996 को ओम प्रकाश से 1,000 प्रति माह के किराये पर ली थी, जिसका बकायदा पंजीकृत किरायानामा (रेंट एग्रीमेंट) भी मौजूद है। अनुबंध के अनुसार हर 5 साल में 50 किराये की वृद्धि तय थी। नवंबर 2019 तक का किराया 1,200 की दर से ओम प्रकाश को चुकाया भी जा चुका है।वर्ष 2019 में मां के निधन के बाद दीपम शर्मा उनके विधिक उत्तराधिकारी के रूप में इस दुकान पर लगातार अपना व्यवसाय चला रहे हैं। उन्होंने वर्तमान मकान मालिक को 3 लाख रुपये) अग्रिम किराये के रूप में भी दे रखे हैं। लेकिन फिर भी मकान स्वामी ने कुछ अन्य अज्ञात लोगों के साथ मिलकर सोमवार को उनकी दुकान का ताला जबरन तोड़ दिया और दुकान के अंदर रखा इन्वर्टर, बैटरी, स्टेशनरी और किताबें जिनकी कीमत 1 लाख 50 हजार है उनको चोरी कर लिया।जब पीड़ित को इसकी भनक लगी और उन्होंने मौके पर पहुंचकर इसका विरोध किया, तो आरोपी मकान स्वामी और उनके साथ आए अज्ञात लोगों ने उसके साथ जमकर मारपीट की। इतना ही नहीं, आरोपियों ने पीड़ित को भविष्य में दुकान की तरफ आने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संत कुमार ने कहा कि मामला चोरी का नहीं किराएदार व मकान स्वामी के बीच का है और पहले भी हो चुका है। इसके साथ मामला कोर्ट में विचाराधीन है। इसलिए मामले की जांच की जा रही है।

मोहम्मद साहब पर टिप्पणी करने वाली महिला पर कार्रवाई की मांग

जागरण मोर्चा, कार्यालय

चन्दौसी। ऑल इंडिया उलेमा व मशएख बोर्ड के सदस्यों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। जिसमें नाजिया इलाही द्वारा मोहम्मद साहब पर की गई टिप्पणी पर रोष व्यक्त कर उस पर कार्रवाई की मांग की। कहा कि सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में नाजिया इलाही नामक महिला द्वारा इस्लाम के पैगंबर के संबंध में दिए गए बयान से मुस्लिम धार्मिक भावनाएं आहत हुई है। जिससे पूरे देश में रोष व असंतोष का वातावरण बना हुआ है। ऐसे बयान आपसी सौहार्द भाईचारा और कानून व्यवस्था के लिए प्रतिकूल सिद्ध हो सकता है। संगठनों को सदस्यों ने राष्ट्रपति से मांग करते हुए बोर्ड के सदस्यों ने कहा कि मांमले की जांच कर भारतीय न्याय संहिता एवं कानूनी प्रावधानों के तहत नाजिया इलाही के विरुद्ध जांच करके सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो हटाए जाने की भी मांग की। इस अवसर पर शाह आलम मंसूरी, हाफिज मतीन अशरफी, गुलाम साबिर, नजर मोहम्मद, रियाज अहमद, शफीक एडवोकेट आदि मौजूद रहे।

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते बोर्ड के सदस्य।

छात्र-छात्राओं ने किया वृद्धाश्रम का भ्रमण

मुरादाबाद। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुरादाबाद सै0 माऊज़ बिन आसिम के मार्गदर्शन में संचालित इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत आज विधि छात्र-छात्राओं को वृद्धाश्रम, मिलन विहार का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं ने वृद्धाश्रम में उपलब्ध आवास, भोजन, चिकित्सा, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन किया। साथ ही वृद्धजनों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं दैनिक जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर प्राधिकरण की सचिव तपस्या त्रिपाठी द्वारा विधि छात्र-छात्राओं को वरिष्ठ नागरिकों के संवैधानिक एवं वैधानिक अधिकारों, माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007, निःशुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

ई-रजिस्ट्री : मांगों को लेकर जारी रहेगा आंदोलन

जागरण मोर्चा, कार्यालय

चन्दौसी। उपनिबंधक कार्यालय परिसर में ई-रजिस्ट्री व्यवस्था एवं अधिवक्ताओं, बैनामा लेखकों, स्टांप विक्रेताओं तथा अन्य संबंधित वर्गों की आजीविका पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव के विरोध में तहसील अधिवक्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे है। मंगलवार को धरना-प्रदर्शन लगातार नौवें दिन भी जारी रहा। पूर्व की भांति बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने धरना स्थल पर उपस्थित होकर अपने विचार व्यक्त किए तथा सरकार की उदासीनता पर गहरा रोष प्रकट किया।

वक्ताओं ने कहा कि उनकी मांगें पूर्णतः न्यायोचित एवं जनहित से जुड़ी हुई हैं, किन्तु शासन द्वारा अब तक इस विषय पर कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश अथवा सकारात्मक पहल नहीं की गई है। अधिवक्ताओं का आरोप है कि आंदोलन के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि वास्तविक समस्याओं के समाधान की ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। शासन की इस उदासीनता के कारण अधिवक्ताओं एवं संबंधित वर्गों में आक्रोश निरंतर बढ़ता जा रहा है। धरने के दौरान अधिवक्ताओं ने रत्नेश भारती एडवोकेट के साथ हुई मारपीट एवं छिनैती की घटना पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। वक्ताओं ने कहा कि सोमवार को हुई घटना में रत्नेश भारती एडवोकेट से लगभग 28,000 की नकदी छीन ली गई थी।

पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया तथा उनके पास से नकदी एवं डायरी भी बरामद कर ली गई, इसके बावजूद अभी तक प्राथमिकी दर्ज न किया जाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता हैअधिवक्ताओं ने इस मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। अंत में सभी अधिवक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा तथा आवश्यकता पड़ने पर इसे और व्यापक एवं प्रभावी रूप दिया जाएगा।

धरने की अध्यक्षता कल्याण सिंह तोमर ने की तथा संचालन दिलीप यादव ने किया। इस दौरान बाबूलाल एडवोकेट, बलवंत शर्मा, अमर सिंह यादव, पिंटू शर्मा, रामसेवक, छोटेलाल, मनवीर सिंह, रत्नेश भारती , सुबोध यादव, निर्देश यादव, शाकिर अली, संतोष कुमार, सतबीर सिंह सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे।

विरोध प्रदर्शन करते अधिवक्ता। -जागरण मोर्चा

छोटे एवं मध्यम कोचिंग संस्थानों के हित में राष्ट्रीय छात्र परिषद मुरादाबाद ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

जागरण मोर्चा, कार्यालय

मुरादाबाद। राष्ट्रीय छात्र परिषद, महानगर मुरादाबाद द्वारा छोटे एवं मध्यम कोचिंग संस्थानों पर की जा रही सीलिंग एवं दंडात्मक कार्यवाही के विरोध में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन प्रेषित किया गया। ज्ञापन में मांग की गई कि छोटे कोचिंग संस्थानों को बड़े संस्थानों के समान कठोर मानकों के दायरे में न लाया जाए तथा उनके लिए अलग और सरल नियम निर्धारित किए जाएं।

ज्ञापन में कहा गया कि लखनऊ में हुई दुखद घटना अत्यंत पीड़ादायक है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा मानकों का पालन आवश्यक है, किंतु इसके नाम पर छोटे एवं मध्यम कोचिंग संस्थानों पर बिना भेदभाव के की जा रही सीलिंग कार्यवाही से हजारों शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के भविष्य पर संकट उत्पन्न हो गया है। राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रांत अध्यक्ष श्री रोहन सक्सेना ने कहा कि, "शिक्षा व्यवस्था को सुरक्षित और सुदृढ़ बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है, लेकिन छोटे कोचिंग संस्थानों पर कठोर एवं एकतरफा कार्रवाई करना उचित नहीं है। सरकार को ऐसे संस्थानों के लिए सरल एवं व्यवहारिक नियम लागू करने चाहिए, जिससे विद्यार्थियों की शिक्षा और हजारों लोगों का रोजगार सुरक्षित रह सके। राष्ट्रीय बजरंग दल छोटे कोचिंग संचालकों एवं विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए सदैव उनके साथ खड़ा है।"

राष्ट्रीय छात्र परिषद के महानगर अध्यक्ष श्री अर्पित सक्सेना ने कहा कि, "राष्ट्रीय छात्र परिषद का उद्देश्य किसी भी प्रकार के सुरक्षा मानकों का विरोध करना नहीं है, बल्कि छोटे एवं मध्यम कोचिंग संस्थानों के लिए न्यायपूर्ण और व्यवहारिक व्यवस्था सुनिश्चित करना है। तथा कोचिंग संचालकों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित किया जाए। राष्ट्रीय छात्र परिषद ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि छोटे एवं बड़े कोचिंग संस्थानों के लिए अलग-अलग मानक निर्धारित किए जाएं, छोटे कोचिंग सेंटरों के लिए सरल पंजीकरण प्रणाली लागू की जाए तथा किसी भी कार्रवाई से पूर्व संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श कर उचित निर्णय लिया जाए। ज्ञापन देने वालों में सुरेश कुमार गुप्ता महानगर अध्यक्ष, गोविंद सिंह,विजय शर्मा महानगर महामंत्री, अभिषेक श्रीवास्तव, इशांक भारद्वाज,गंगा राणा,हर्षल सक्सेना ,अंकित कुमार ,प्रतीक जी, गौरव कुमार, राम बहादुर जी ,श्याम अरोड़ा ,करण सिंह ,अभिषेक अवस्थी जी सुनील कुमार जी ,पुनीत कुमार थापर ,वरुण कुमार दुबे, करण सिंह आदि शामिल रहे।

इमाम हुसैन की कुर्बानी और हजरत अली की शिक्षाओं को किया याद

- मोहर्रम पर राहत कदा में हुई 'ज़िक्र-ए-शहीदाने करबला' मजलिस

जागरण मोर्चा, कार्यालय

मुरादाबाद। मोहर्रम के अवसर पर मुरादाबाद के मोहल्ला डेहरिया स्थित राहत कदा में 'ज़िक्र-ए-शहीदाने करबला' मजलिस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करबला के शहीदों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया तथा उनके त्याग, बलिदान और इंसानियत के संदेश पर प्रकाश डाला गया।

यह मजलिस हर वर्ष की तरह पूर्व विधायक स्वर्गीय राहत मोलाई के आवास राहत कदा में आयोजित की गई, जिसमें शहर के अनेक धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने भाग लिया।

मजलिस को संबोधित करते हुए मौलाना डॉ. कौसर मुस्तफा अमरोही ने हजरत इमाम हसन और हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए कहा कि करबला केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि सत्य, न्याय, धैर्य और इंसानियत की रक्षा का अमर संदेश है।

उन्होंने हजरत मौला अली के व्यक्तित्व, ज्ञान और जीवन मूल्यों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हजरत अली को 'मुश्किल कुशा' कहा जाता है और उनका जीवन मानवता, न्याय तथा ज्ञान का अनुपम उदाहरण है।

मौलाना ने कहा कि करबला का संदेश हर दौर में प्रासंगिक है और इंसान को अन्याय के विरुद्ध डटकर खड़े होने की प्रेरणा देता है। मजलिस में मशहूर शायर मंसूर उस्मानी ने अपने कलाम पेश कर करबला के शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा ख्याल मुरादाबादी और कशिश वारसी ने भी अपने कलाम के माध्यम से करबला के गम और उसके संदेश को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के आयोजक वरिष्ठ सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता असद मोलाई ने सभी अतिथियों, उलेमा, शायरों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी मजलिसें नई पीढ़ी को करबला के आदर्शों और इंसानियत की शिक्षा से जोड़ने का कार्य करती हैं।

मजलिस में शकील सरवर हाशमी, एडवोकेट अमीरुल हसन जाफरी, एडवोकेट अरशद परवेज, मास्टर नदीम हैदर, पार्षद नदीमउद्दीन, हसनैन अख्तर, मोहसिन खान, अली हसनैन, सज्जादानशीन अहमद कमाल उर्फ गुल्लू मियां, खालिद नईम चिश्ती, सफदर नियाज़ी, सुहैल अहमद रिज़वी, ताजदार उस्मानी, दानिश रिज़वी, नदीम कादरी, जकारिया कुरैशी, नवाज़ हाशमी, एडवोकेट मोहम्मद मोलाई, मोहसिन रईस सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

लापरवाही बहजोई–सम्भल मार्ग पर यातायात व्यवस्था बेपटरी, जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे सवाल

हाईवे बना खलिहान, सड़क पर बिछी मक्का से हर पल हादसे का खतरा

जागरण मोर्चा, कार्यालय

बहजोई। बहजोई-सम्भल मार्ग पर इन दिनों हाईवे मानो खलिहान में तब्दील हो गया है। किसानों द्वारा सड़क पर मक्का सुखाए जाने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग मूकदर्शक बना हुआ है। सड़क के बड़े हिस्से पर फैली मक्का के बीच से वाहन चालक जान जोखिम में डालकर गुजरने को मजबूर हैं।

कई स्थानों पर सड़क की आधी चौड़ाई तक मक्का बिछा दी गई है। ऐसे में दोपहिया और चारपहिया वाहनों को निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आमने-सामने से आने वाले वाहनों को एक-दूसरे को रास्ता देने के लिए रुकना पड़ता है, जिससे जाम जैसी स्थिति भी बन रही है। तेज रफ्तार वाहनों के बीच सड़क पर फैली फसल किसी बड़े हादसे को खुला निमंत्रण देती दिखाई दे रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है, फिर भी न तो प्रशासन ने प्रभावी कार्रवाई की और न ही यातायात पुलिस ने सड़क को अतिक्रमण और अव्यवस्था से मुक्त कराने की गंभीर पहल की। सवाल उठ रहे हैं कि जब मुख्य मार्ग पर खुलेआम फसल सुखाई जा रही है तो जिम्मेदार विभाग की निगरानी आखिर कहां है।राहगीरों और वाहन चालकों का कहना है कि सड़कें आवागमन के लिए होती हैं, खेती-बाड़ी के लिए नहीं। यदि समय रहते सड़क पर मक्का सुखाने पर रोक नहीं लगाई गई तो किसी भी दिन बड़ा सड़क हादसा हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी तय करना भी प्रशासन के लिए चुनौती बन जाएगा।

बहजोई-संभल मार्ग पर सड़क पर सूखती मक्का। -जागरण मोर्चा

गुरु हरि गोविंद का प्रकाशोत्सव मनाया

चन्दौसी। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में सिखों के छठे गुरु हरि गोविंद का प्रकाश पर्व बड़ी श्रद्धा भावना व धूमधाम से मनाया गया। बताया कि इन गुरु से पहले जो पांच गुरु हुए हैं, उनके पास पंच प्याले थे, सच, दया, धर्म, संतोष व सहनशीलता। पिछले पांचों गुरु साहिबान ने इन्हीं पांचों गुणों को पूर्णतय अपना कर धार्मिक जीवन जीया। परन्तु अब समय पूर्णतय सहनशीलता का नहीं रहा। अब जबर का सामना सबर संतोष से नहीं बल्कि शस्त्र से करना पड़ सकता है। इसीलिए इन छठें गुरु साहिब ने गद्दी पर बैठते समय दो तलवारें धारण की। एक पीरी व दूसरी मीरी थी। गुरु हरि गोविंद ने कहा था कि हम परमात्मा के पीर है, परन्तु अगर जरुरत पड़ी तो यह दूसरी मीरी की तलवार निकल सकती हैं। उन्होंने चार युद्ध लड़े और चारों में विजय प्राप्त की। सभी युद्ध उस समय के मुगल सम्राटों से हुए थे। गुरुद्वारे में सबद कीर्तन व गुरुवाणी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोपाल सिंह, चरन सिंह, अवतार सिंह, महिंद्र पाल सिंह, गुरुबक्श सिंह, अविनाश सिंह, चरन सिंह आदि मौजूद रहे।

गुरुद्वारे में सबद कीर्तन करता रागी जत्था। -जागरण मोर्चा

वीरांगना ऊदा देवी पासी के साहस से युवा पीढ़ी ले प्रेरणाः असगर अली अंसारी

जागरण मोर्चा, कार्यालय

बहजोई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर मंगलवार को जिला सपा कार्यालय में 1857 की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके शौर्य और बलिदान को नमन किया गया।

जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी 1857 की क्रांति की ऐसी अमर योद्धा थीं, जिनकी वीरता ने अंग्रेजी हुकूमत को भी हैरान कर दिया था। उन्होंने बताया कि लखनऊ के निकट उजरियांव गांव में जन्मी ऊदा देवी बेगम हजरत महल की महिला सैनिक टुकड़ी का हिस्सा थीं। पति मक्का पासी के शहीद होने के बाद उन्होंने अंग्रेजों से संघर्ष का संकल्प लिया और 16 नवंबर 1857 को सिकंदर बाग के युद्ध में पुरुष वेश धारण कर पीपल के पेड़ पर चढ़कर अंग्रेज सैनिकों पर गोलियां बरसाईं। उन्होंने अकेले ही 30 से अधिक ब्रिटिश सैनिकों को मार गिराया और अंततः युद्धभूमि में वीरगति प्राप्त की।

बैठक में जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर, विधानसभा अध्यक्ष ताहिर उल्ला खान, जिला उपाध्यक्ष शोभित कुमार काका, निसार अहमद, नगर अध्यक्ष सद्दाम कुरैशी, व्यापार सभा के नगर अध्यक्ष चेतन गुप्ता, अशोक गुप्ता, आसिफ मोहम्मद, चेतन राणा, राजू खड़कवंशी, मोहम्मद शाहबाज खान, एपी यादव, ओमवीर खड़कवंशी, अशोक राणा, पप्पू शर्मा, मुर्शिद खान, नजाकत अली, एसपी बिलाल, मोबीन सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती मनाते सपाई।

अखिलेश ने मुंह मोड़ा तो हाईकमान ने मांग लिया इस्तीफा

- **कमाल अख्तर के मुख्य सचेतक पद छोड़ने के पीछे क्या है सियासी कहानी**

जागरण मोर्चा कार्यालय

उमेश लव/ मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और कांठ विधायक कमाल अख्तर के विधानसभा में मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) पद से इस्तीफा देने के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई चर्चाओं ने जन्म ले लिया है। पार्टी की ओर से अभी तक इस्तीफे के कारणों पर आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे लंबे समय से चल रहे अंदरूनी मतभेदों से जोड़कर देखा जा रहा है।

सूत्रों और सार्वजनिक रूप से सामने आई राजनीतिक घटनाओं के क्रम पर नजर डालें तो पिछले कुछ समय से कमाल अख्तर पर पार्टी के भीतर गुटबाजी के आरोप लग रहे थे। सबसे अधिक चर्चा मुरादाबाद की सांसद रुचि वीरा और कमाल अख्तर के बीच बढ़ी राजनीतिक दूरी की रही।

बताया जाता है कि जून में मुरादाबाद में आयोजित पीडीए सम्मान सम्मेलन के बाद विवाद खुलकर सामने आया था। कार्यक्रम में सांसद रुचि वीरा की कथित उपेक्षा को लेकर नाराजगी बढ़ी और मामला समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव तक पहुंचा। इसके बाद लखनऊ में अखिलेश यादव ने सांसद रुचि वीरा, कमाल अख्तर समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर विवाद सुलझाने की कोशिश की थी।

बैठक के बाद यह माना जा रहा था कि मामला शांत हो गया है, लेकिन अब कमाल अख्तर के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफे ने एक बार फिर राजनीतिक अटकलों को हवा दे दी है।

हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि समाजवादी पार्टी ने अभी तक यह आधिकारिक रूप से नहीं कहा है कि इस्तीफा गुटबाजी के आरोपों या सांसद रुचि वीरा से विवाद के कारण स्वीकार किया गया। इसलिए इन पहलुओं को राजनीतिक चर्चाओं और अटकलों के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

मुख्य सचेतक का पद क्यों अहम?

विधानसभा में मुख्य सचेतक का दायित्व पार्टी के विधायकों के बीच समन्वय बनाए रखना, महत्वपूर्ण मतदान के समय उपस्थिति सुनिश्चित करना और पार्टी लाइन का पालन कराना होता है। ऐसे महत्वपूर्ण पद से किसी नेता का हटना स्वाभाविक रूप से राजनीतिक महत्व रखता है।

क्या अखिलेश यादव ने बनाई दूरी

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि पार्टी नेतृत्व पूरी तरह कमाल अख्तर के साथ खड़ा होता तो मुख्य सचेतक जैसे महत्वपूर्ण पद से उनका इस्तीफा शायद टल सकता था। ऐसे में यह चर्चा तेज है कि अखिलेश यादव ने संगठनात्मक अनुशासन को प्राथमिकता देते हुए इस्तीफा स्वीकार करने का रास्ता चुना।

अब आगे क्या होगा..?

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि समाजवादी पार्टी विधानसभा में मुख्य सचेतक की जिम्मेदारी किसे सौंपेगी और क्या कमाल अख्तर को संगठन में कोई नई भूमिका मिलेगी या नहीं। साथ ही यह भी देखने वाली बात होगी कि मुरादाबाद की सियासत में कमाल अख्तर और सांसद रुचि वीरा के बीच चली आ रही राजनीतिक खींचतान पर पार्टी किस तरह विराम लगाती है।

कार रोककर दी जान से मारने की धमकी, बोला: 'तुझे वकालत करना भुला दूंगा'

पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है

जागरण मोर्चा कार्यालय

मुरादाबाद। मूंढापांडे थानाक्षेत्र में एक अधिवक्ता की कार रोककर गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी देने और तमंचा दिखाकर डराने का मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि परिजनों के समझाने पर उसने तत्काल रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई, लेकिन आरोपियों के हौसले इतने बुलंद हो गए कि वे लगातार उसका और उसके भाई का पीछा करने लगे। इसके बाद उसने पुलिस में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। मूंढापांडे पुलिस ने एफआईआर संख्या 198/2026 दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एफआईआर के अनुसार पीड़ित राजेन्द्र कुमार एडवोकेट, पुत्र स्व. लक्ष्मण सिंह, निवासी ग्राम लालपुर तीतरी, थाना मूंढापांडे, जनपद मुरादाबाद हैं। वह मुरादाबाद कचहरी में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत हैं। शिकायत में कहा गया है कि 28 मई 2026 की रात करीब 9:30 बजे वह अपने पुत्र प्रिंस कुमार के साथ कार (टाटा पंच) से घर लौट रहे थे। गांव में भरतपाल मास्टर के मकान के सामने पहुंचने पर गांव के ही बंटी पुत्र ओमवीर सिंह तथा विजय उर्फ अनन्त पुत्र ओमवीर सिंह, निवासी ग्राम लालपुर तीतरी, थाना मूंढापांडे, मुरादाबाद ने उनकी कार रोक ली। आरोप है कि दोनों ने गाली-गलौज करते हुए धमकी दी कि "तुझे वकालत करना भुला दूंगा।

एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि पीड़ित के साथ मौजूद तेजवीर ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और बंटी ने अपनी पैंट की बेल्ट से तमंचा निकाल लिया। तमंचा देखकर पीड़ित वहां से कार लेकर मुरादाबाद चला गया।

शिकायत के अनुसार उसी रात आरोपी घर पहुंचे और पीड़ित तथा उसके भाई सतेंद्र सिंह को जान से मारने की धमकी दी। इस घटना का वीडियो भी पीड़ित पक्ष के पास होने का दावा किया गया है।

पीड़ित का कहना है कि परिवार के लोगों ने समझौते की उम्मीद में तत्काल पुलिस में शिकायत दर्ज कराने से मना कर दिया था। लेकिन बाद में आरोपी लगातार उसका और उसके भाई का पीछा करने लगे तथा जान से मारने की योजना बनाने की आशंका पैदा हो गई। इसके बाद मजबूर होकर उसने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई।

महिलाओं को किया जागरूक

रामपुर ।मिशन शक्ति फेस – 5 .0 अभियान के द्वितीय चरण अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जनपद स्तरीय महिला सुरक्षा दल एवं जनपद रामपुर के समस्त थानो से महिला सुरक्षा दल द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया । महिला सुरक्षा एवं आत्मरक्षा से जुड़े आवश्यक उपाय, कानूनी अधिकार, नारी सम्मान से संबंधित प्रावधान एवं हेल्पलाइन सेवाओं 1090 (महिला शक्ति हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन),112 (आपातकालीन सेवा),1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता तथा घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, ऑनलाइन उत्पीड़न तथा इनके विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की प्रक्रिया आदि । मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओ/ बालिकाओ को पंपलेट, कॉमिक्स एवं जागरूकता सामग्री वितरित की गई, ताकि वे अपने अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों को आसानी से समझ सकें ।क

टीएमयू का बड़ा उपहार, अब मुरादाबाद में भी मिलेगी एनीमेशन में मास्टर डिग्री

जागरण मोर्चा कार्यालय

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यू निवर्सिटी, मुरादाबाद ने एनीमेशन एवम् डिजिटल मीडिया स्टुडेंट्स के लिए बड़ा उपहार दिया है। कॉलेज ऑफ कम्प्यूटिंग साइंसेज़ एंड इन्फॉर्मेशन टे क्नोलॉजी- सीसीएसआईटी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से एमएससी-एनीमेशन कार्यक्रम का शुभारम्भ हो गया है। ख़ास बात यह है, एमएससी-एनीमेशन में प्रवेश के लिए किसी भी स्ट्रीम के यूजी पासआउट आमंत्रित हैं। यह नया पीजी प्रोग्राम टीएमयू के चांसलर श्री सुरेश जैन की दूरदर्शी सोच का प्रतिफल है। ग्रुप वाइस चेयरमैन श्री मनीष जैन, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री अक्षत जैन बोले, टीएमयू युवाओं के सपनों में रंग भरने के प्रति संकल्पित है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य स्टुडेंट्स को एनीमेशन, डिजिटल मीडिया और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में उच्च स्तरीय शिक्षा के संग-संग विशेषज्ञता प्रदान करना है। उल्लेखनीय है कि सीसीएसआईटी ने वर्ष 2011 में बीएससी-एनीमेशन कार्यक्रम की शुरुआत की थी। एनीमेशन प्रोग्राम लगभग शत-प्रतिशत प्लेसमेंट रिकॉर्ड के लिए जाना जाता है। एनीमेशन, गेमिंग, मल्टीमीडिया, विजुअल इफेक्ट्स, ग्राफिक डिज़ाइन और डिजिटल मीडिया उद्योगों में टीएमयू के सैकड़ों स्टुडेंट्स अपने हुनर दिखा रहे हैं। कुलपति प्रो. वीके जैन और डीन एकेडमिक्स प्रो. मंजुला जैन ने उम्मीद जताई, एमएससी-एनीमेशन कार्यक्रम से रोजगार और करियर की असीम संभावनाएं खुल जाएंगी।

वर्तमान समय में एनीमेशन विश्व के सबसे तेजी से विकसित होने वाले उद्योगों में से एक है। फिल्म निर्माण, ओटीटी प्लेटफॉर्म, टेलीविजन, विज्ञापन, गेमिंग, डिजिटल मार्केटिंग, ई-लर्निंग, स्वास्थ्य सेवाओं तथा कॉर्पोरेट प्रशिक्षण जैसे अनेक क्षेत्रों में एनीमेशन और विजुअल इफेक्ट्स का व्यापक उपयोग हो रहा है।

ख़ास बातें

- नया पीजी प्रोग्राम टीएमयू के कुलाधिपति श्री सुरेश जैन की दूरदर्शी सोच का प्रतिफल
- जीवीसी श्री मनीष जैन और ईडी श्री अक्षत जैन बोले, युवाओं के सपनों में भरेंगे रंग
- सीओई डीन प्रो . आरके द्विवेदी बोले, टीएमयू बनेगा एनीमेशन में उच्च शिक्षा का केंद्र
- सीसीएसआईटी ने वर्ष 2011 में की थी बीएससी-एनीमेशन कार्यक्रम की शुरुआत

छुट्टा सांड के हमले में वृद्ध किसान की मौत, परिवार में मचा कोहराम

जागरण मोर्चा कार्यालय

हसनपुर । कोतवाली क्षेत्र के गाव में मंगलवार की दोपहर एक छुट्टा सांड ने खेत पर काम कर रहे वृद्ध किसान पर अचानक जानलेवा हमला बोल दिया। सांड के हमले में 65 वर्षीय किसान की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के गांव रामपुर भूड़ निवासी खेमसिंह पुत्र रूसी सिंह 65 वर्षीय मंगलवार की सुबह गांव से करीब एक किलोमीटर दूर पश्चिम दिशा में स्थित अपने खेत पर काम करने गए थे। इसी दौरान एक छुट्टा सांड ने उन पर अचानक हमला कर दिया। घर न पहुंचने पर खेत की तरफ गए उनके बेटे रमेश ने जब पिता को लहूलुहान हालत में खेत पर पड़ा देखा, तो उसने शोर मचाया। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण व परिजन मौके पर एकत्र हो गए।

सीएचसी में जानकारी करती पुलिस व इनसेट में मृतक किसान का फाइल फोटो।

परिजनों के द्वारा गंभीर हालत में खेमसिंह को तुरंत नगर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजन उन्हें लेकर नगर के सीएससी पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।किसान की मौत की खबर मिलते ही पत्नी इंद्रवती, बेटे रमेश और दो बेटियों सहित पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना पाकर मनौटा चौकी प्रभारी प्रमोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्रामीणों ने रोष जताते हुए कहा कि क्षेत्र में एक माह के भीतर छुट्टा पशुओं के हमले से यह दूसरी मौत है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इन आवारा पशुओं को जल्द से जल्द पकड़वाने की मांग की है।

अलग-अलग सड़क हादसों में बालक व युवक की मौत, परिवारों में मचा कोहराम

भगतपुर । थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसों में पांच वर्षीय बालक और एक युवक की मौत हो गई । एक हादसे में बाइक की टक्कर से घायल बालक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि दूसरे हादसे में तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की जान चली गई । दोनों घटनाओं के बाद परिवारों में कोहराम मचा हुआ है । पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।

पहला हादसा थाना क्षेत्र के भाऊपुरा घोसीपुरा गांव में हुआ । गांव निवासी भागवती रविवार शाम करीब सात बजे अपने पांच वर्षीय बेटे माधव को साथ लेकर खेतों की ओर जा रही थीं। आरोप है कि इसी दौरान सामने से आ रहे ग्राम जालपुर निवासी रोहित ने बाइक से माधव को टक्कर मार दी। हादसे में बालक गंभीर रूप से घायल हो गया । परिजन उसे उपचार के लिए मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई । माधव की मौत से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है । बालक की मां भागवती ने थाना भगतपुर में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है । पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है ।

दूसरा हादसा काशीपुर-दलपतपुर मार्ग पर विलावाला गांव के निकट मंगलवार सुबह हुआ । उदावाला गांव निवासी अर्पित (22) उत्तराखंड के काशीपुर क्षेत्र के महुआखेड़ा गंज स्थित एक निजी फैक्टरी में मजदूरी करता था । वह रोजाना की तरह मंगलवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे बाइक से ड्यूटी पर जाने के लिए घर से निकला था । बताया गया कि विलावाला गांव के पास पहुंचते ही तेज गति से आ रहे डंपर ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी । टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अर्पित गंभीर रूप से घायल हो गया । घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए । घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठाकुरद्वारा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया । अर्पित पांच भाई-बहनों में सबसे छोटा था । थाना प्रभारी राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि दोनों मामलों में शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है । संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है ।

आयोजन 'यदि 50 बार भी बिजली चली जाए, तो भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश कम नहीं होगा'

प्रभारी मंत्री गुलाब देवी ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, भाषण के बीच 10 मिनट गुल रही बत्ती

जागरण मोर्चा कार्यालय

हसनपुर । मंगलवार को नगर के एक बैंक्विट हॉल में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण पखवाड़ा के तहत भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री गुलाब देवी ने विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने मंच से 'मोदी-योगी है तो मुमकिन है' का जोरदार नारा बुलंद किया। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि आज हर राज्य में उनकी सराहना हो रही है,मुख्यमंत्री हो तो ऐसा, जिसके राज में बेटियां अकेले बाहर जाने में भी सुरक्षित महसूस करती हैं। भाषण के दौरान गुलाबो देवी ने राहुल गांधी को 'पप्पू और बावला' बताते हुए कहा कि वह देश के खिलाफ बात करते हैं और विदेशों में भारत की छवि धूमिल करने का प्रयास करते हैं। वहीं, राम मंदिर में कथित चोरी व धांधली के सवाल पर उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कठोर कानूनी कार्रवाई होगी।

प्रभारी मंत्री का स्वागत करते जिला अध्यक्ष एवं अन्य। -जागरण मोर्चा

बिजली गोल होने से छाया अंधेरा। -जागरण मोर्चा

प्रभारी मंत्री के संबोधन के दौरान अचानक बैंक्विट हॉल की बत्ती गुल हो गई और करीब 10 मिनट तक बिजली गायब रही। इस अव्यवस्था पर तंज कसते हुए मंत्री ने कहा, "यदि 50 बार भी बिजली चली जाए, तो भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश कम नहीं होगा।" इसके बाद उन्होंने बिना लाइट और माइक के ही अपना भाषण जारी रखा। वही प्रभारी मंत्री के कार्यक्रम में बिजली गुल होने से आयोजकों के होश उड़ गए।इस बिजली कटौती के मामले में जब बिजली विभाग के एसडीओ मिथिलेश कुमार से बात की गई, तो उन्होंने हैरान करने वाला खुलासा करते हुए बताया कि जिस बैंक्विट हॉल में कार्यक्रम चल रहा था, वहां विद्युत विभाग का कनेक्शन ही नहीं है। इस दौरान भारी संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सार संक्षेप

बाबा खाटू श्याम मंदिर की स्थापना दिवस पर हुआ भंडारा

हसनपुर ।बाबा खाटू श्याम मंदिर के स्थापना दिवस के अवसर पर श्याम भक्तों के द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया,भंडारे में हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया ।नगर के श्री झारखंड महादेव शिवाला मंदिर प्रांगण में स्थित बाबा खाटू श्याम मंदिर के चौथे स्थापना दिवस पर श्री श्याम मित्र मंडल सेवा ट्रस्ट के तत्वाधान में शिवाला मंदिर प्रांगण में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, भंडारा प्रारंभ होने से पूर्व भक्तों द्वारा बाबा का भोग लगाया गया । भंडारे में हजारों की संख्या में भक्तों के द्वारा प्रसाद ग्रहण कर बाबा खाटू श्याम का आशीर्वाद प्राप्त किया गया । बाबा का भंडारा प्रात : 11 बजे प्रारंभ होकर देर शाम तक चलता रहा ।इस मौके पर संदीप अग्रवाल,गौरव अग्रवाल, हिरदेश अग्रवाल, आशु चौहान,मोहित चौहान,अंकित गर्ग, अंकित गुप्ता,महेश प्रजापति,राहुल अग्रवाल सहित काफी संख्या में भक्त मौजूद रहे ।

श्याम बाबा के भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते भक्त ।

नगर पालिका अध्यक्ष का जन्मदिन मनाते समर्थक ।

चेयरमैन राजपाल सैनी के जन्मदिन पर समर्थकों ने केक काटकर दी बधाई

हसनपुर ।नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी के जन्मदिन के अवसर पर उनके समर्थकों ने कैंप कार्यालय पर पहुंचकर केक काट कर उन्हें बधाई देते हुए लंबी उम्र की कामना की । मंगलवार को नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजपाल सैनी के जन्मदिन के अवसर पर उनके कैंप कार्यालय पर व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान 74/22 एवं श्री राम सेवा समिति के पदाधिकारी एकत्र हुए और चेयरमैन के जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर बधाई दी, इसी के साथ सभी समर्थकों के द्वारा चेयरमैन राजपाल सैनी को फूल माला भी बनाई गई । व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के प्रदेश महामंत्री मुकेश गुप्ता द्वारा कहा गया कि जब से राजपाल सैनी नगर पालिका अध्यक्ष की कुर्सी पर विराजमान हुए हैं जब से नगर में हर तरफ विकास कराया जा रहा है । श्री राम सेवा समिति के अध्यक्ष पंकज भटनागर द्वारा भी जन्मदिन के अवसर पर चेयरमैन राजपाल सैनी को बधाई दी गई । इस मौके पर चंद्रपाल खड़गवंशी, भाजपा रुखालू मंडल अध्यक्ष हुकुम सिंह, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष उषा शर्मा, मुकेश गुप्ता,पंकज भटनागर,सचिन गुप्ता, विक्रांत शर्मा,रानू रस्तोगी, सुशील रस्तोगी,दीपू गुप्ता,संजय सहदेव, अमरीश ठाकुर, धर्मवीर सिंह सैनी, लोकेश अग्रवाल, सुशील भगत जी, विशाल वर्मा, मिंटू सागर आदि समर्थक मौजूद रहे ।

जमीन पैमाइश के दौरान लेखपाल व पुलिस के सामने चले लाठी-डंडे, दो घायल

हसनपुर ।मंगलवार की सुबह जमीन की पैमाइश को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जब लेखपाल और पुलिस टीम के सामने ही एक परिवार के सदस्य आपस में भिड़ गए ।घटना में लाठी-डंडों के हमले में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए ।जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के गांव मछरई निवासी अरबाज पुत्र बब्बन और उसके सगे मामा के बीच जमीन की नापतोल को लेकर पुराना विवाद चल रहा है । मंगलवार को पैमाइश के लिए मौके पर कोतवाली पुलिस और हल्का लेखपाल पहुंचे थे । नापतोल की प्रक्रिया के दौरान ही अचानक कहासुनी शुरू हो गई और देखते ही देखते मामा ने अपने सगे बहनोई बब्बन और भांजे अरबाज पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया ।अचानक हुए इस हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई । सरकारी कर्मचारियों की मौजूदगी में हुई मारपीट से हड़कंप मच गया । घायल हालत में दोनों पीड़ितों को उपचार के लिए नगर के सीएससी में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है । पुलिस ने मामले को गंभीरता से देखते हुए जांच शुरू कर दी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है ।

मारपीट के दौरान घायल ।

भीम आर्मी-जय भीम संगठन ने विभिन्न मांगों को लेकर उप जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

हसनपुर ।भीम आर्मी-जय भीम संगठन द्वारा दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और आदिवासी वर्गों के अधिकारों व विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा ।संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत सिंह नौटियाल एवं जिला अध्यक्ष सोनू जाटव के नेतृत्व में दिए गए इस ज्ञापन में देश के शोषितों व वंचितों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु कई मुख्य मांगें उठाई गई हैं । संगठन की मुख्य मांगों में लोकतंत्र के चारों स्तंभों विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, पत्रकारिता के साथ-साथ निजी उद्योगों में भी आबादी के अनुपात में आरक्षण लागू करना, पदोन्नति में आरक्षण और बैकलॉग को तुरंत भरना शामिल है । इसके अलावा जातिगत जनगणना कराने, लेटरल एंट्री बंद करने, भूमिहीन गरीबों को कृषि हेतु पट्टे आवंटित करने और मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर एक हजार रुपये प्रतिदिन करने की मांग की गई है ।सभी स्कूलों कॉलेजों व यूनिवर्सिटी में संविधान को पढ़ना अनिवार्य किया जाए ।सभी जनपदों में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर हॉस्टल बनाया जाए । गोकशी के झूठे केस एवं फर्जी एनकाउंटर की सीबीआई जांच हो एवं गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित कर दिया जाए, जिससे कि इन घटनाओं पर रोक लगाई जा सके । देश के सभी नगर निगम,नगर पंचायत एवं नगर पालिका में कार्य कर रहे प्राइवेट कर्मचारियों को सरकारी किया जाए, ठेका प्रथा को बंद किया जाए । इस दौरान कुलदीप सम्राट जिला अध्यक्ष, सोनू जाटव, राजू, अनुज, प्रेम सिंह, कोमल कुमार, विजेंद्र सिंह, जतिन कुमार, अनिल गौतम, अक्षय कुमार, और अंकुर गौतम आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे ।

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए ।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की मौत, परिवार में कोहराम

मूसाझाग के गांव महरौली के रहने वाले वजीरगंज में रहकर करते मेहनत मजदूरी

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। वजीरगंज थाना क्षेत्र में एक अधेड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मूसाझाग थाना क्षेत्र के गांव महरौली निवासी प्रदीप शर्मा (46) पुत्र गंगा प्रसाद वजीरगंज में रहकर मेहनत मजदूरी करते थे। परिजनों ने बताया कि वह 2-3 वर्ष पहले वजीरगंज में आकर एक किराए के मकान में रहने लगे थे। मंगलवार सुबह वह अचानक कमरे में गिर गए। जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। आनन-फानन में मकान मालिक उनको लेकर सीएचसी पहुंचे,जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। अधेड़ की मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

उच्च न्यायालय के निर्देश पर बदायूं में चला विशेष रेस्क्यू अभियान, निराश्रितों को दिलाई जा रही नई जिंदगी

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्देशों के अनुपालन में जनपद बदायूं में निराश्रित, असहाय एवं दयनीय स्थिति में जीवन यापन कर रहे लोगों के पुनर्वासन हेतु जिला प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जनहित याचिका संख्या 571/2024 (ज्योति राजपूत बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य) में पारित आदेशों के शत-प्रतिशत अनुपालन के तहत मंगलवार को जिला प्रोबेशन अधिकारी के नेतृत्व में शहर के विभिन्न स्थानों पर रेस्क्यू ड्राइव चलाकर जरूरतमंदों को चिन्हित किया गया।

जिलाधिकारी के निर्देश पर गठित जिला स्तरीय टीम—जिसमें चाइल्ड हेल्पलाइन, वन स्टॉप सेंटर एवं थाना कोतवाली की संयुक्त टीम शामिल रही—ने लालपुल तिराहा, बालाजी मंदिर नौसेरा, मथुरिया चौक सहित कई सार्वजनिक स्थलों पर अभियान चलाया। टीम ने सड़कों पर रह रहे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को रेस्क्यू कर उन्हें संरक्षण एवं पुनर्वास की प्रक्रिया से जोड़ने का कार्य किया।

जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े इन असहाय लोगों के अधिकारों की रक्षा और उनका पुनर्वास प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि कहीं भी कोई बच्चा, महिला या बुजुर्ग लावारिस अथवा दयनीय अवस्था में दिखे तो तुरंत महिला कल्याण विभाग को सूचना दें या टोल फ्री नंबर 112, 181 अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर संपर्क करें।

अभियान के दौरान प्रतीक्षा मिश्रा, वन स्टॉप सेंटर की टीम, उपनिरीक्षक कंचनलता, चाइल्ड हेल्पलाइन के मुन्तजिम, सुनील कुमार एवं महिला आरक्षी इंदु पवार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के औचक अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

सार संक्षेप

बदायूं में बारिश ने दिलाई भीषण गर्मी से राहत

बदायूं। सोमवार रात झमाझम बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार सुबह मौसम सुहावना हो गया। पिछले कई दिनों से तेज धूप और उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया था। बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत दिलाई। बारिश के दौरान शहर के प्रमुख मार्गों और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई, जिस वजह से आवागमन में दिक्कत हुई। रात होने की वजह से लोगों पर इसका ज्यादा असर दिखाई नहीं दिया। हालांकि बारिश रुकने के बाद में धीरे-धीरे पानी निकलना शुरू हो गया। सुबह जब लोग घरों से निकले तो जलभराव की स्थिति लगभग खत्म हो गई। वहीं, बारिश होने के बाद में मौसम में ठंडक हो गई। सुबह लोग सड़कों पर ठंडी हवा लेने के लिए निकले। वहीं आईएमडी के अनुसार अब मौसम ऐसा ही बना रहेगा। आने वाले दिनों में और बारिश की संभावना है।

संगठन को मिलेगी नई धार, सोमेश प्रताप को मिली लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी

बिसौली। समाजवादी पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में एक और अहम कदम उठाते हुए लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष राम करन निर्मल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर परसिया गांव निवासी सोमेश प्रताप को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस मनोनयन से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। पार्टी लगातार अपने सहयोगी संगठनों में ऊर्जावान और सक्रिय चेहरों को आगे बढ़ा रही है, जिससे संगठन की पकड़ और मजबूत हो सके। जिम्मेदारी मिलने पर सोमेश प्रताप ने कहा कि वह संगठन के विस्तार और मजबूती के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। एड. राहुल यादव भीष्म ने कहा कि सोमेश प्रताप के नेतृत्व में लोहिया वाहिनी जनपद में नई ऊर्जा के साथ कार्य करेगी। इस मौके पर जयपाल सिंह, कल्यान सिंह यादव, एड. राजीव यादव, विपिन यादव, शिवम यादव, दक्ष यादव, उदय प्रताप, नवीन सिंह और मोहित यादव सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की।

पीड़िता के बयान से दुष्कर्म की पुष्टि, इस्लामनगर मामले में सख्त धाराएं लागू

बदायूं। इस्लामनगर थाना क्षेत्र में दर्ज एक गंभीर मामले में नया मोड़ सामने आया है। पीड़िता द्वारा न्यायालय में दिए गए बयानों के बाद पुलिस ने मुकदमे में और कड़ी धाराएं जोड़ते हुए कार्रवाई तेज कर दी है। बताया गया कि 26 जून को पीड़िता की दादी की शिकायत पर गजेन्द्र व एक अज्ञात के खिलाफ धारा 75(1)(i)/351(3) बीएनएस एवं 7/8 पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। 30 जून को पीड़िता ने न्यायालय में धारा 183 बीएनएसएस के अंतर्गत अपने बयान दर्ज कराए, जिनमें दुष्कर्म की पुष्टि होने पर पुलिस ने केस को और गंभीर मानते हुए धाराओं में बदलाव किया। अब मामले में धारा 70(2) बीएनएस व 5G/6 पोक्सो एक्ट की वृद्धि की गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले की जांच तेज कर दी गई है।

साइड को लेकर कहासुनी के बाद झगड़ा, कई धाराओं में मुकदमा दर्ज

बदायूं। थाना इस्लामनगर क्षेत्र के ग्राम कपरौल में बाइक व ई-रिक्शा की साइड को लेकर हुई कहासुनी ने विवाद का रूप ले लिया। मामले में पुलिस ने विभिन्न धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम कपरौल मजरा चन्दोई निवासी अतर सिंह पुत्र जालिम सिंह ने थाना इस्लामनगर में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि 28 जून 2026 को ग्राम सिठौली निवासी राजेश कुमार पुत्र महाराज सिंह समेत अन्य लोगों ने साइड को लेकर उनके साथ कहासुनी कर ली, जो बाद में झगड़े में बदल गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

राव फार्म हाउस कार्यक्रम से लौटते समय हुई हत्या का किया खुलासा

पुलिस ने मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार, हत्या में प्रयुक्त बोलेरो और रॉड बरामद

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। थाना जरीफनगर पुलिस ने 26 जून को हुई हत्या की घटना का सफल अनावरण करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त लोहे की रॉड और बोलेरो गाड़ी भी बरामद की है।

जानकारी के अनुसार, थाना जरीफनगर क्षेत्र के राव फार्म हाउस पर 26 जून को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें शामिल होने ग्राम अल्लीपुर टप्पा हवेली (थाना सहसवान) निवासी भूरे सिंह अपने साथी राकेश के साथ पहुंचे थे। कार्यक्रम के बाद दोनों दांदरा होते हुए अपने गांव लौट रहे थे, तभी दांदरा-करियावेन मार्ग पर रात में उनके साथ घटना घटित हुई।

घटना में गंभीर रूप से घायल भूरे सिंह को परिजन सीएचसी सहसवान ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल राकेश को मेडिकल कॉलेज बदायूं रेफर किया गया।

मामले में मृतक के पुत्र राजाबाबू की तहरीर पर थाना जरीफनगर में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की गई थीं।

अपराधिक इतिहास

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी सहसवान और जरीफनगर थानों में विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

गिरफ्तारी टीम

थानाध्यक्ष जरीफनगर सुमित कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

इसी क्रम में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को मुख्य आरोपी कप्तान सिंह पुत्र डाल सिंह निवासी ग्राम अल्लीपुर टप्पा हवेली को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त महिंद्रा बोलेरो (UP 25 DA 4573) और लोहे की सब्बलनुमा रॉड बरामद की गई। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया है।

बरीपुरा इटौआ में अधूरा जल जीवन मिशन बना ग्रामीणों के लिए मुसीबत

जागरण मोर्चा कार्यालय

बगरैन (बदायूं)। विकासखंड वजीरगंज के ग्राम पंचायत बरीपुरा इटौआ में सरकारी विभागों की उदासीनता के चलते ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। गांव में पेयजल व्यवस्था सुधारने के नाम पर शुरू किया गया जल जीवन मिशन का कार्य अब ग्रामीणों के लिए जी का जंजाल बन चुका है।

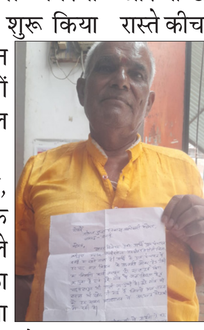

ग्रामीणों के अनुसार, जल जीवन मिशन के तहत कई वर्ष पहले पाइपलाइन डालने का कार्य शुरू किया गया था, लेकिन इसे अधूरा छोड़ दिया गया। पाइपलाइन बिछाने के दौरान गांव की मुख्य सड़क और गलियों को तोड़ दिया गया, जो आज तक ठीक नहीं कराई गई हैं। स्थिति यह है कि न तो पाइपलाइन से पानी की आपूर्ति शुरू हो सकी है और न ही घरों में कनेक्शन दिए गए हैं।

टूटी सड़कों के कारण ग्रामीणों का आवागमन बेहद मुश्किल हो गया है। खासकर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में हालात और भी खराब हो जाते हैं, जिससे रास्ते कीचड़ में तब्दील हो जाते हैं।

जागरण मोर्चा से बातचीत में ग्रामीणों ने बताया कि पिछले दो वर्षों से सड़कें इसी हालत में पड़ी हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ठेकेदार द्वारा कार्य अधूरा छोड़ दिया गया और संबंधित विभाग भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

ग्रामीणों में इस लापरवाही को लेकर भारी रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही कार्य दोबारा शुरू कर सड़क और पेयजल व्यवस्था को ठीक नहीं किया गया, तो वे जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

डॉ. उर्मिलेश अमृत महोत्सव: पांच जुलाई को होगा विराट कवि सम्मेलन

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। राष्ट्रीय गीतकार एवं जनपद के गौरव डॉ. उर्मिलेश की 75वीं जन्म जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में डॉ. उर्मिलेश अमृत महोत्सव के तहत 5 और 6 जुलाई को साहित्यिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह आयोजन डॉ. उर्मिलेश जनचेतना समिति के तत्वावधान में वर्षभर चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा होंगे।

बदायूं क्लब के सचिव डॉक्टर अक्षत अशेष ने बताया कि पांच जुलाई को जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर इस्लामनगर स्थित डी.आर.पी. रिसोर्ट में शाम 7 बजे विराट कवि सम्मेलन आयोजित होगा। इसमें जयपुर के बनज कुमार बनज, रायबरेली के पंकज प्रसून, लखनऊ के मुकुल महान, अंबेडकरनगर के अभय निर्भीक सहित बदायूं के वरिष्ठ कवि नरेन्द्र गरल, डॉ. शैलेन्द्र कबीर, डॉ. उपदेश शंखधार, डॉ. सोनरूपा विशाल और डॉ. अक्षत अशेष अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। कार्यक्रम का संयोजन हितेन्द्र शंखधार कर रहे हैं। आयोजन समिति के सदस्य संतोष गुप्ता, संजीव गुप्ता, राकेश गुप्ता, गौरीश गुप्ता, भुवनेश शर्मा, वीरेन्द्र बॉबी, पीयूष पाठक, शिखर गोयल, अनुभव शंखधार, कौशिक शर्मा, डॉ. आलोक पाठक एवं डॉ. विष्णु हरि उपाध्याय सहित अन्य सदस्य तैयारियों में जुटे हैं। अमृत महोत्सव की संयोजक डॉ. सोनरूपा विशाल ने बताया कि छह जुलाई को सुबह 10 बजे बदायूं क्लब में श्रीराम मूर्ति इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बरेली के सहयोग से विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया जाएगा। शिविर में नेत्र, कान-नाक-गला, हृदय, त्वचा तथा मेडिसिन विशेषज्ञ चिकित्सक आमजन का स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे। इसी अवसर पर डॉ. उर्मिलेश की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर वृहद पौधारोपण भी किया जाएगा। इसके अलावा छह जुलाई को ही समाजसेवी राजन मेंहदीरत्ता के सहयोग से मेडिकल कॉलेज में प्रातः 10 बजे से डॉ. उर्मिलेश की स्मृति में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। समिति के सचिव डॉ. अक्षत अशेष ने बताया कि सभी कार्यक्रमों की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं तथा समिति के सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. उर्मिलेश का व्यक्तित्व साहित्य, संस्कृति, समाजसेवा और शिक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में प्रेरणास्रोत रहा है। इन्हीं आयामों को ध्यान में रखते हुए पूरे वर्ष विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

चूना मंडी में मिला युवक का शव,इलाके में सनसनी

- कोतवाली क्षेत्र के जोशी मोहल्ला का रहने वाला

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। कोतवाली क्षेत्र में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। मंगलवार को कोतवाली इलाके के मोहल्ला चूना मंडी में एक युवक का शव पड़ा मिला। शव मिलने के बाद मौके पर भारी भीड़ एकत्र हो गई। लोगों ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से शव की पहचान करने को कहा। लेकिन शव की पहचान न हो सकी। कुछ देर बाद युवक खोजते परिजन पहुंचे और शव की शिनाख्त टिंकू (22) पुत्र रोशनलाल निवासी

मृतक टिंकू के परिजन।-जागरण मोर्चा

जोशी मोहल्ला थाना कोतवाली के रुप में की। परिजनों ने बताया कि युवक नशे का आदी था। वह कई तरह के नशे करता था। वह चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर का था। शिनाख्त के बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

क्षतिग्रस्त केबल नहीं बदलने पर भड़के ग्रामीण, एक्सईएन कार्यालय का किया घेराव

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। उझानी क्षेत्र के अब्दुल्लागंज में बिजली की केबल क्षतिग्रस्त होने के बाद भी नहीं बदलवाए जाने से ग्रामीणों का धैर्य टूट गया। मंगलवार दोपहर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) के कार्यालय का घेराव किया। नारेबाजी करते हुए ग्रामीण अधिकारियों से वार्ता होने तक परिसर में ही डटे रहे। उन्होंने केबल जलने से बिजली आपूर्ति ठप होने की भी शिकायत की।

ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से बिजली उपकेंद्र परिसर स्थित एक्सईएन ऑफिस के बाहर जुटे ग्रामीणों में महेंद्रपाल शर्मा और हरीशंकर साहू ने बताया कि केबल काफी पुरानी हो जाने से वह लोड नहीं ले रही है। केबल जलकर टूट जाती है। पिछले दिनों हादसा होने से भी बच गया। इसकी शिकायत उसी दिन अवर अभियंता समेत लाइनमैन से की गई, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। केबल जल जाने पर उसे ठीक करने के नाम पर ग्रामीणों का आर्थिक शोषण किया जाता है। इसी वजह से कभी दो- तीन दिनों तक बिजली नसीब नहीं हो पाती।

ग्रामीण उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी भी की। आरोप है कि केबल बदलवाने के नाम पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है। काफी देर तक हंगामा के बाद अधिकारियों ने ग्रामीणों में कुछ लोगों को ऑफिस में बुलाकर वार्ता की। उन्हें जल्द ही कार्रवाई करने का भरोसा भी दिलाया। अधिकारियों के आश्वासन पर ग्रामीण उपकेंद्र परिसर से हटने को राजी हुए। धरना प्रदर्शन की दी चेतावनी उन्होंने उपकेंद्र से जाते समय चेतावनी दी कि अगर केबल बदलवाने में ज्यादा समय लगा तो वह धरना देने को मजबूर होंगे। प्रदर्शनकारियों में देवेंद्र मिश्रा, सब्बन शाह, अब्दुल खालिद, बलवंत मौर्य, भगवान सिंह और प्रेम मिश्रा आदि आदि शामिल थे। वहीं, एसडीओ प्रशांत वार्ष्णेय ने बताया कि अब्दुल्लागंज के ग्रामीण दोपहर में उपकेंद्र पर आए थे। केबल को लेकर दिक्कत बताई। अवर अभियंता को मौके पर भेजकर सच्चाई का पता लगाया गया है। केबल मंगवाने के लिए स्थानीय स्तर से प्रस्ताव भेजा है। नई केबल मिलते ही उसे खिंचवाया जाएगा।

भाजपा का जिला सम्मेलन आज, प्रभारी मंत्री डॉ. सक्सेना करेंगे शिरकत

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती स्मरण पखवाड़ा के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी द्वारा बुधवार को जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम आर.के. रिजॉर्ट, कृष्णा लॉन में अपराह्न 4 बजे शुरू होगा।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार के वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व बदायूँ के प्रभारी मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सम्मेलन के दौरान पार्टी संगठन को मजबूत करने, विभिन्न अभियानों की समीक्षा तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी। इस अवसर पर भाजपा के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार यह कार्यक्रम कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करेगा और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने में सहायक सिद्ध होगा।

मुलाकात बदायूं के विकास और कांवड़ यात्रा तैयारियों पर हुई चर्चा

सीएम योगी से मिले भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव गुप्ता

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। बरेली सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने शिष्टाचार भेंट कर जनपद बदायूँ के समग्र विकास, स्वास्थ्य सेवाओं और आगामी सावन माह में होने वाली कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को बदायूँ आगमन का सादर आमंत्रण भी दिया।

भेंट के दौरान राजीव कुमार गुप्ता ने जनपद में चल रहे विकास कार्यों और प्रस्तावित परियोजनाओं को गति देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बदायूँ मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं और जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि मरीजों को बेहतर उपचार, पर्याप्त चिकित्सकीय सुविधाएं और विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

इसके साथ ही आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासनिक तैयारियों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने निर्बाध यातायात व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को लेकर सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और यात्रा मार्गों पर सभी आवश्यक सुविधाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि ऐसी यातायात व्यवस्था बनाई जाए जिससे आमजन का दैनिक आवागमन प्रभावित न हो। संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, नियमित निगरानी और व्यवस्थाओं की सतत समीक्षा सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। अंत में जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में बदायूँ के विकास कार्यों और स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री आवास के नाम पर लाखों की कथित ठगी में जांच की मांग

जागरण मोर्चा कार्यालय

फैजगंज बेहटा। प्रधानमंत्री आवास योजना, मोबाइल टावर एवं अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की कथित ठगी के मामले में नया मोड़ सामने आया है। पीड़ितों द्वारा थाना प्रभारी फैजगंज बेहटा को दिए गए शिकायती पत्र में आरोपी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि मुख्य आरोपी ने स्वयं को सरकारी अधिकारियों का करीबी बताकर लोगों से लाखों रुपये वसूले। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने कथित रूप से लोगों का विश्वास जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अजहर अली को भरोसेमंद व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया, जिससे कई लोग उसके झांसे में आ गए। पीड़ितों ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि आरोपियों के बैंक खातों, कॉल डिटेल और वित्तीय लेन-देन की जांच कर पूरे मामले का खुलासा किया जाना चाहिए।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इस पूरे प्रकरण में उनकी भूमिका की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। पीड़ितों ने पुलिस से मांग की है कि आरोपियों के साथ जो लोग भी संलिप्त हैं उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो सभी दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। समाचार लिखे जाने तक पुलिस की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। मामले की जांच के बाद ही आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

सम्पादकीय

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी? किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

मुक्त व्यापार और हमारी बदलती कूटनीति

इक्कीसवीं सदी का विश्व केवल सैन्य शक्ति से संचालित नहीं होता, बल्कि आर्थिक सामर्थ्य, व्यापारिक नेटवर्क और कूटनीतिक प्रभाव उसकी दिशा तय करते हैं। आज किसी राष्ट्र की वैश्विक प्रतिष्ठा इस बात से भी निर्धारित होती है कि वह विश्व अर्थव्यवस्था के साथ किस प्रकार जुड़ा है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था में उसकी भूमिका कितनी प्रभावशाली है। भारत ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार अपनी विदेश नीति और आर्थिक नीति के बीच एक सशक्त समन्वय स्थापित किया है, वह इसी परिवर्तन का संकेत है। यह वह भारत नहीं है जो कभी वैश्विक व्यापारिक व्यवस्थाओं को संदेह की दृष्टि से देखता था, बल्कि यह वह भारत है जो अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित करने की क्षमता अर्जित कर रहा है।

प्रतिभा झा

भारत और ब्रिटेन के बीच संपन्न मुक्त व्यापार समझौता इसी बदलती भारतीय आर्थिक कूटनीति का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह केवल दो देशों के बीच व्यापार बढ़ाने का समझौता नहीं, बल्कि उस व्यापक दृष्टि का प्रतीक है जिसके माध्यम से भारत स्वयं को वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह समझौता दर्शाता है कि भारत अब विश्व अर्थव्यवस्था में एक निष्क्रिय सहभागी नहीं, बल्कि नियमों और अवसरों को आकार देने वाला सक्रिय पक्ष बनना चाहता है।

स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक भारत की आर्थिक सोच आत्मनिर्भरता की ऐसी व्याख्या से प्रभावित रही जिसमें बाहरी व्यापार और वैश्विक आर्थिक साझेदारियों को सीमित दृष्टि से देखा जाता था। परिणामस्वरूप भारत अपनी विशाल जनसंख्या और संसाधनों के बावजूद विश्व व्यापार में वह स्थान प्राप्त नहीं कर सका जिसका वह स्वाभाविक रूप से अधिकारी था। 1991 के आर्थिक सुधारों ने एक नई दिशा अवश्य प्रदान की, किंतु पिछले दशक में आर्थिक कूटनीति को राष्ट्रीय शक्ति के एक प्रमुख साधन के रूप में जिस गंभीरता से अपनाया गया है, उसने भारत की भूमिका को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

आज भारत एक साथ अनेक देशों और क्षेत्रों के साथ व्यापारिक समझौतों की दिशा में कार्य कर रहा है। संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन तथा यूरोप के साथ बढ़ते आर्थिक संबंध यह संकेत देते हैं कि भारत अपनी विकास यात्रा को वैश्विक अवसरों से जोड़ना चाहता है। इस प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि भारत अब किसी भी समझौते में केवल बाजार उपलब्ध कराने वाले देश की भूमिका तक सीमित नहीं रहना चाहता। वह अपने उद्योग, कृषि, सेवा क्षेत्र और श्रमशक्ति के हितों को केंद्र में रखकर संतुलित समझौतों की ओर बढ़ रहा है।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह ऐसे समय में सामने आया है जब विश्व अर्थव्यवस्था अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है। कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन संघर्ष, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और बढ़ते संरक्षणवाद ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित किया है। ऐसे समय में भारत और ब्रिटेन का यह समझौता वैश्विक अर्थव्यवस्था में विश्वास और सहयोग का नया संदेश देता है। यह संकेत है कि आर्थिक विकास का मार्ग बंद सीमाओं से नहीं, बल्कि संतुलित और न्यायसंगत साझेदारियों से होकर जाता है।

इस समझौते से भारतीय निर्यातकों को व्यापक अवसर प्राप्त होंगे। वस्त्र उद्योग, चमड़ा उद्योग, इंजीनियरिंग उत्पाद, समुद्री उत्पाद, कृषि प्रसंस्करण और सेवा क्षेत्र को ब्रिटिश बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति मिलेगी। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को भी नई गति मिलेगी। भारत के युवा उद्यमियों और स्टार्टअप क्षेत्र के लिए भी यह अवसरों का नया द्वार खोल सकता है।

हालाँकि इस समझौते का महत्व केवल आर्थिक आँकड़ों तक सीमित नहीं है। इसके पीछे एक व्यापक रणनीतिक दृष्टि भी कार्य कर रही है। ब्रेक्जिट के बाद ब्रिटेन नई व्यापारिक साझेदारियों की तलाश में है, जबकि भारत वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर अपनी उपस्थिति को और मजबूत करना चाहता है। ऐसे में दोनों देशों के हितों का यह मेल केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक महत्व भी रखता है। यह भारत की उस क्षमता का प्रमाण है जिसके माध्यम से वह बदलती वैश्विक परिस्थितियों में अपने लिए नए अवसर निर्मित कर रहा है।

भारतीय आर्थिक कूटनीति की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने आर्थिक हितों और राष्ट्रीय हितों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया है। लंबे समय तक यह धारणा रही कि वैश्वीकरण और राष्ट्रीय हित परस्पर विरोधी अवधारणाएँ हैं, किंतु भारत ने यह दिखाने का प्रयास किया है कि यदि नीति स्पष्ट हो और राष्ट्रीय प्राथमिकताएँ केंद्र में हों, तो वैश्विक सहभागिता राष्ट्रीय शक्ति को कमजोर नहीं बल्कि सुदृढ़ कर सकती है। यही कारण है कि आत्मनिर्भर भारत और वैश्विक व्यापारिक विस्तार एक-दूसरे के पूरक के रूप में प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

भारत की वर्तमान आर्थिक कूटनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि वह केवल पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं है। एक ओर भारत अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप के साथ आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ कर रहा है, तो दूसरी ओर वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भी अपने संबंधों का विस्तार कर रहा है। इससे भारत को एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है जो विभिन्न आर्थिक और राजनीतिक ध्रुवों के बीच संवाद स्थापित करने की क्षमता रखता है। यही संतुलन भविष्य में भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक शक्ति बन सकता है।

विश्व व्यवस्था वर्तमान समय में परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। आर्थिक शक्ति का केंद्र धीरे-धीरे एशिया की ओर स्थानांतरित हो रहा है और भारत इस परिवर्तन का एक प्रमुख घटक बनकर उभर रहा है। विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ भारत को केवल एक विशाल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि एक विश्वसनीय साझेदार, उत्पादन केंद्र और निवेश गंतव्य के रूप में देख रही हैं। यह स्थिति स्वतः नहीं बनी है, बल्कि इसके पीछे दीर्घकालिक नीति, आधारभूत संरचना के विस्तार, डिजिटल क्रांति और आर्थिक सुधारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मुक्त व्यापार समझौते इसी व्यापक परिवर्तन की अभिव्यक्ति हैं। वे केवल शुल्क घटाने के दस्तावेज नहीं, बल्कि विश्वास, साझेदारी और साझा विकास की नई संभावनाओं के प्रतीक हैं। भारत यदि आने वाले वर्षों में इसी संतुलित और आत्मविश्वासपूर्ण दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ता है, तो वह न केवल अपनी आर्थिक शक्ति को सुदृढ़ करेगा बल्कि वैश्विक नीति-निर्माण में भी अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाने में सक्षम होगा। आज आवश्यकता केवल अधिक व्यापार करने की नहीं है, बल्कि ऐसी आर्थिक व्यवस्था निर्मित करने की है जो भारत के विकास, रोजगार, नवाचार और राष्ट्रीय हितों को सशक्त बनाए। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता इसी दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। यह उस नए भारत का परिचायक है जो अवसरों से भयभीत नहीं होता, बल्कि उन्हें अपनी शक्ति में परिवर्तित करने का सामर्थ्य रखता है।

आर्थिक इतिहास के निर्णायक मोड़ों पर कुछ निर्णय केवल तत्काल लाभ के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा निर्धारित करने के लिए लिए जाते हैं। भारत की वर्तमान आर्थिक कूटनीति भी ऐसे ही एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है। यदि बीती शताब्दी राजनीतिक स्वतंत्रता की थी, तो यह शताब्दी आर्थिक नेतृत्व की हो सकती है। प्रश्न केवल इतना है कि क्या भारत इस अवसर को पहचानकर उसे स्थायी राष्ट्रीय शक्ति में बदल पाता है। अब तक की यात्रा यह संकेत देती है कि भारत केवल वैश्विक व्यवस्था का सहभागी बनने से संतुष्ट नहीं है; वह उसे प्रभावित करने और नई दिशा देने की तैयारी में है।

(लेखिका दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की शोधार्थी हैं)

उजड़े को बसाने वाले, बसे हुए को उजाड़ने वाले

मंगल वार्ता

स्वयं के शरीर में उत्पन्न हुई पीड़ा के शमन हेतु निदान स्वरूप भक्त कवि गोस्वामी तुलसीदास जी ने 'हनुमान बाहुक' नामक ग्रंथ की रचना की।'हनुमान बाहुक' में वन्दना से अधिक उलाहना के स्वर सुनाई पड़ते हैं। उलाहने के माध्यम से आराधक आराध्य के सामर्थ्य का उसे अभास कराता है। इस उलाहने में भक्त का एक निहितार्थ समाहित रहता है जो स्वामी को उद्वेलित करके उसके निहितार्थ की पूर्ति कराता है। सामर्थ्यवान का संरक्षण प्राप्त व्यक्ति मारा जाये या प्रताड़ित किये जाये तो यह सामर्थ्यवान के लिए चिंतनीय बात है। यही बात हनुमान जी को याद कराते हुए गोस्वामी जी कहते हैं-

मायापति मिश्र

साहेब समर्थ तोसों तुलसी के माथे पर;
सोऊ अपराध बिनु बीर, बाधि मारिये।

- हनुमान बाहुक 22, 1-2

हे वीर! तुलसी के माथे पर (मन मस्तिष्क में) आपके समान समर्थ स्वामी के विद्यमान रहते हुए भी वह बाँध कर मारा जाता है। हनुमान जी की छवि अपने भक्तों के मध्य कल्पतरू के समान है जो सारे इच्छित फल प्रदान कर सकता है। लेकिन इसके लिए हनुमान का भक्त राम का भी सेवक होना चाहिए-

राम के गुलामनि को कामतरू रामदूत,
मोसे दीन दूबरे को तकिया तिहारिये।

- हनुमान बाहुक -22,4-5

हे रामदूत हनुमान! रामचंद्र जी के सेवकों के लिए आप कल्पवृक्ष हैं और मुझे जैसे दीन दुर्बल के लिए आप ही सहारा हैं। हनुमान जी का सहारा पाने के लिए तुलसीदास जी राम जी के प्रति अपना विश्वास और भरोसा प्रकट करते हैं।

राम भरोसो रामबल राम नाम विश्वास।
सुमिरत सुभ मंगल कुसल माँगत तुलसीदास।।

तुलसीदास जी को ज्ञात था कि रामभक्त हनुमान राम के सेवकों को बसाते हैं भले ही वे उजड़ गये हों जैसा कि उन्होंने सुग्रीव एवं विभीषण जैसे उजड़े को श्रीराम से मिलवा कर राजा बनवाया। और श्रीराम से शत्रुता रखने वाले चक्रवर्ती सम्राट रावण को उजाड़ दिया। इन्हीं दृष्टातों को दृष्टिपथ में रखते हुए तुलसी दास जी ने घोषणा की है कि -

उथपे थपनथिर
- उजड़े को बसाने वाले और
थपे उथपनहार
- बसे हुए को उजाड़ने वाले।

- हनुमान बाहुक-22-1

इसी परिप्रेक्ष्य में एक बात और ध्यातव्य है कि यदि किसी को हनुमान जी ने उजाड़ा तो फिर उसे भगवान शंकर भी नहीं बसाते हैं। शिव के परम भक्त रावण के परिप्रेक्ष्य में इस प्रसंग को प्रतिफलित होते देखा जा सकता है-

तेरे थपे उथपै न महेस
थपै थिरको कपि जे घर घाले

- हनुमान बाहुक 17-1

अर्थात : आपके बसाये हुए को शंकर भगवान भी नहीं उजाड़ सकते और जिस घर को आपने नष्ट कर दिया उसको कौन बसा सकता है। ऐसा इस लिए सम्भव है क्योंकि ब्रह्मा-विष्णु, महेश, कर्म काल और संसार का समूह जाल सभी हनुमान जी की आज्ञा को मानते हैं। कोई भी उनके विपरीत नहीं जाता -

करतार,भरतार, हरतार, कर्म, काल
को है जगजाल जो न मानत इताति है।

- हनुमान बाहुक -30, 5-6

इतना ही नहीं बल्कि सृष्टि के समस्त जड़ चेतन जीव के साथ-साथ देवी, देवता, दैत्य, मनुष्य, सिद्ध और नाग आदि छोटे बड़े समस्त जीव तथा पूतना पिशाचिनी, राक्षसी -राक्षस एवं जितने भी अन्य कुटील प्राणी हैं वे सभी रामदूत पवनकुमार की आज्ञा शिरोधार्य करके मानते हैं-

देवी देव दनुज मनुज मुनि सिद्ध नाग
छोटे बड़े जीव जेते चेतन-अचेत हैं।
पूतना पिचासी जातुधानी जातुधान बाम
रामदूत की रजाइ माथे मानि लेत हैं।

- हनुमान बाहुक 32, 1-4

रामदूत पवनपुत्र शंकर सुवन केसरी नंदन हनुमान जी की शक्ति एवं सामर्थ्य को सभी देवी-देवता स्वीकार करते हैं इसीलिए वे जो भी चाहें वह कर सकते हैं। यही भाव उनका भक्तों के प्रति भी बना रहता है। भक्त कहते हैं-

सब सुख लहै तुम्हारी सरना

हनुमान जी अष्ट सिद्धियों एवं नव निधियों के दाता हैं अतः उनके लिए कुछ भी असम्भव नहीं है। उनकी अनन्त शक्तियों को देखते हुए एक स्थान पर उन्हें ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश के संयुक्त रूप में बताया गया है -

रचिबे को विधि जैसे, पालिबो को हरि, हर,
मीच मारिबेको, ज्याइबेको सुधापान भो

- हनुमान बाहुक -11, 1-2

आप सृष्टि रचना के लिए ब्रह्मा, पालन करने को विष्णु, मारने को रुद्र और जिलाने के लिए अमृतपान के समान हुए।

(लेखक इतिहास संकलन समिति, मध्य भारत के बौद्धिक प्रमुख हैं)

कविता में डूबती-उतराती कस्बे की याद

यादों की भी एक नदी होती है। उसके किनारे बैठकर समय की लहरों को गिनना भला सा लगता है। खुद के भीतर कहीं छूट गये खुद को पाने की फितरत। अतीत की भटकी हुई गलियों से कोई पुकारता है और समय की परछाइयों में अपने अक्स खोजने का सिलसिला शुरू हो जाता है। इस बावरी-बेचैन सी कामना को कभी कृष्ण के हवाले से सूरदास ने कहा था- 'ज्यों जहाज का पंछी उड़ि-उड़ि पुनि जहाज पे आए'। सरज़मी के छूट जाने की अनेक रुंआसी कहानियाँ वक्त के सीने में धड़कती रही हैं पर मिट्टी में गहरे तक फैल गयी जड़ों की नमी जब-जब रगों में उतरती है, महकते से मंजरों में कुछ किरदार, कुछ अफसाने आबाद होने लगते हैं। ये किताब भी सरगोशियों की एक ऐसी ही सुनहरी दुनिया के कपाट खोलती है।

विनय उपाध्याय

आवरण पर चस्पा शीर्षक ही मजमून बयां कर देता है - 'सुद में हरसूद'। तरक्की के नाम बांध की बलि चढ़ गये कस्बे का नाम है - हरसूद, जिसकी सरहदों में इंसानी जीवन ने कभी इस उम्मीद में साँसों का सफर शुरू किया था कि रवायत की रोशनी में उनकी पीढ़ियाँ भी अपना भविष्य सँवारेंगी। पुरखों की विरासत का मान रखते हुए उनका पुरुषार्थ एक गौरवशाली इतिहास लिखेगा। लेकिन हरसूद की किस्मत में तो मृत्यु लिखी थी। 30 जून की तारीख अब जल समाधि ले चुके खामोश हरसूद पर स्मृति की एक झीनी सी चादर है।

जाने कितने संदर्भ हरे हो उठते हैं जब इस कस्बे के वाशिंदे वसंत सकरगाए की भीगी कलम इस किताब के पन्नों पर स्मृतियों के रेखाचित्र उकेरती है। ये वहीं वसंत हैं जिन्होंने हिंदी के आधुनिक परिसर में एक प्रयोगधर्मी प्रखर-मुखर कवि की पहचान पायी है। करीब डेढ़ दशक की उनकी लगातार सक्रियता में उनकी कई कविताओं ने उन्हें वादी, विवादी और संवादी बनाया है। साहित्यिक कुचक्रों के मौजूदा दौर में यह सब नया और चौंकाने वाला भी नहीं। बहरहाल, वसंत अपनी लेखनी में अविचल रहे। गौर करने की बात ये कि इस किताब में उनकी कलम ने गद्य रचा है। यह एक कवि का गद्य है। स्वाभाविक ही काव्यात्मक सघनता यहाँ भी है। स्मृतियों की हरी दूब पर टहलते हुए भीतर का राग-अनुराग कविता-सा ही छलकता है। सो हरसूद के छंद भी वहाँ के जनपदीय जीवन की ऐसी ही लालिमा से लकदक हैं। एक सौ चालीस पृष्ठों के इस वितान में वसंत अपने वतन से जुड़ी किंवदंतियों, कहावतों, धारणाओं, घटना-प्रसंगों और चरित्रों की गाथा सुनाते हैं। किस्सा-दर-किस्सा एक कस्बा अपनी स्मृतियों में जाग उठता है। वाणी, वेश और परिवेश ही नहीं, उन वृत्तियों पर भी लेखक का आवेश उजागर होता है जहाँ मानवीय संवेदना और दुनियावी दाँव-पेंच का असली चेहरा नमूदार होता है। बेहद रोचक और रम्य शैली में वसंत का हरसूद हम पर तारी होता चलता है। यहाँ कथ्य के साथ कहन का भी सम्मोहन है और कहने की कला में भाषा सबसे महत्वपूर्ण जरिया है।

वसंत की कविता हो या यह गद्य, जिस भाषा को वसंत ने अपने सृजन में बरता है वह उनका मौलिक अर्जन है। अपनी धरती की धूल में लिपटी जिस भाषा से उनकी सोहबत हुई वही जीवन, संस्कार और अभिव्यक्ति में भी चली आई। जिस परिष्कार और पांडित्य की छाप लिए अकादेमिक आचार्यों ने साहित्य का अरण्य रचा उस दर्जे में दाखिल होने का अवसर और आग्रह कभी भी वसंत के हिस्से न आया। 'सुद में हरसूद' को नापते हुए वसंत की भाषा अपनी देशज सुन्दरता और सुगंध की छाप तो छोड़ती ही है, कस्बाई जन-जीवन के संवाद और संवेदना का रस भी छलकाती है। यहाँ खुशियाँ हैं, खरोंचे हैं। मटियारे सुख हैं तो अपनी जमीनी अरमानों के लुट जाने का मलाल भी है। आनंद और अवसाद की जुगलबंदी में बहती हरसूद की यह तथा-कथा हमारे समय में विस्थापन का सबसे दर्दनाक और ज्वलंत विमर्श सामने लाती है। वसंत घटनाओं का विवरण देते हुए कभी भावुक होते हैं, कभी अभिमान और गर्व से उनकी छाती चौड़ी हो जाती है, कभी किरदारों के मन की ग्रंथी खोलते हुए उनका मिजाज मसखरा होता है तो कभी सियासत और सत्ता की चतुर चालों पर चुटकी लेते लेते कलम का सिरा 30 जून के आसपास मंडराती हरसूद की आसन्न मृत्यु के पास पहुँचता है।

प्रसंगवश यह जिक्र जरूरी कि प्रेमशंकर रघुवंशी, श्रीराम परिहार, राजेश जोशी, रघुवीर शर्मा, निरंजन श्रोत्रिय, दिनेश प्रभात, अशोक दुबे और विजय मनोहर तिवारी जैसे लेखकों ने भी हरसूद की त्रासदी को कलमबद्ध किया है। उनके संदर्भ, सवाल और शैलियाँ भिन्न हैं। खुद वसंत ने पहले कविता संग्रह में भी हरसूद के कुछ बिंब सिरजे हैं लेकिन इस किताब में हरसूद अपनी मासूम यादों में जिस तरह महक रहा है वह उसकी सौंधी मिट्टी की कमाई है। विस्मय होता है कि लगभग आधी सदी पुरानी स्मृतियाँ ज्यों की त्यों इस लेखक ने दस्तावेज़ की तरह सहेज रखी। यह लेखा-जोखा एक तरह से जन्म और मृत्यु के बीच धड़कते एक भरे-पूरे कस्बाई जीवन की कहानी है। वो जीवन, जो तमन्नाओं के बहलावे में आता है। कभी चोट खाता है, कभी मुस्कुराता है। हरसूद की भाग्य। की लकीरों में मुस्कान और मातम की ऐसी ही इबारतों को पढ़ा जा सकता है।

जनश्रुति कहती है कि मध्यकाल से भी बहुत पहले हरसूद अपने वजूद में आ गया था। लेकिन उसके उजड़ जाने की पटकथा 1956 में लिखी गयी। आजाद भारत ने जब तरक्की के नए सपने देखना शुरू किया तो पंचवर्षीय योजना बनी। पानी से बिजली बनाने की वैज्ञानिक तकनीक के साथ इंदिरा सागर बांध परियोजना ने पाँव पसारना शुरू किया जो हरसूद की हद तक चले आए लगभग 250 गाँवों को लीलती इस परियोजना ने लाखों लोगों के सपनों पर पानी फेर दिया। नए आशियानों और अरमानों को पाने नये हरसूद ने अंगड़ाई लेना शुरू किया लेकिन छोड़ आए हम वो गलियाँ... की टेर आज भी पुराने हरसूद की वादियों में सुनी जा सकती है। वसंत सकरगाए ने उन्हीं आवाजों को इन सफहों पर उतारा है। कुछ याद रहा, कुछ भूल गये की तर्ज पर वे सविनय पेश आए हैं। यह जान लेना यहाँ गैरजरूरी नहीं कि यह किताब हरसूद के इतिहास, पुरातत्व , संस्कृति, भूगोल और समाज पर आधिकारिक सर्वेक्षण नहीं है और न ही इसका दावा लेखक ने किया है लेकिन किस्सागोई करते हुए उन्होंने जिन घटनाओं और पात्रों का वर्णन किया है उनकी तस्दीक आज भी लेखक के समकालीन हरसूद वासी करते हैं।

किताब के शुरूआती पृष्ठों पर वसंत हरसूद की तलाश में लिखते हैं - 'किंवदंती व इतिहास बन चुके हरसूद का कोई लिखित अतीत नहीं है। श्रुतियाँ ही इसका इतिहास और लेखा-जोखा रहा है। किसी ने राजा हर्षवर्धन की बसाई नगरी बताया तो किसी ने इसे राजा हरिश्चंद्र का अनुग्रह। हरसूद का प्रामाणिक इतिहास न बनने के पीछे यह वजह भी हो सकती है कि सत्ताएं आती-जाती रहीं और हर साल पुराने निशानों को मिटाकर खुद की तारीखी कायम रखने की कोशिशें करती रहीं। पर सत्ताएँ कब कायम रहीं!

इस प्रवाह में वे आगे जोड़ते हैं- 'यह क्यों माना जाए कि हरसूद हर्षवर्धन अथवा हरिश्चंद्र का जाया है!' इस पर अग्रज बताते हैं- 'बात उन्नीस सौ इक्कावन की है। सरस्वती-कुण्ड को विस्तार देने के लिए नाले की खुदाई का काम चल रहा था। पन्द्रह-बीस हाथ की खुदाई ही हो पाई थी कि मजदूरों की सब्बलें पत्थरों से टकराकर टन-टन बजने लगीं। पत्थरों के आजूबाजू खुदाई की गई और फावड़ों से मिट्टी को उलीचा गया तो एक-एककर विभिन्न देवी-देवताओं की छोटी-बड़ी लगभग तीन दर्जन मूर्तियाँ निकलीं। बाद में उन मूर्तियों को किसी संग्रहालय को सौंप दिया गया। इससे यह बात साबित होती है कि हरसूद इन्हीं में से किसी नरेश की बसाई नगरी है।'

इस पुस्तक को - शिवना प्रकाशन, सीहोर ने छापा है लेकिन अशुद्धियों को नजरअंदाज करते हुए। पाठ के दौरान ये खरोचें, आनंद और आस्वाद दोनों को खलल पहुँचाती हैं। हरसूद के दुर्दांत विस्थापन पर हुंकार भरने वाली मेधा पाटकर को समर्पित है यह किताब।

(लेखक कला समीक्षक एवं उद्घोषक हैं)

नागरिकता के दस्तावेजों पर इतना भ्रम ठीक नहीं..

पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नही है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे। भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करे। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूंकि नैरेटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आएंगी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैरेटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा।

पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है।

दो जुलाई से होगी तीन दिन चलने वाली यूपी टेट परीक्षा

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेवारत शिक्षकों के लिए एक विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) का आयोजन करने की घोषणा की है। इससे प्रदेश के करीब 1.80 शिक्षकों को राहत मिलेगी। इसका आयोजन उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग करेगा। सीएम ने मंगलवार को आगामी 2 जुलाई से 4 जुलाई तक 60 जिलों में आयोजित होने वाली टीईटी परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा के दौरान कहा कि यह परीक्षा लाखों युवाओं की आकांक्षाओं से जुड़ी है। इसकी निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। लिहाजा परीक्षा ड्यूटी में केवल स्वच्छ छवि वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ही तैनाती हो।

सीएम ने कहा कि गोपनीय परीक्षा सामग्री के भंडारण, परिवहन तथा परीक्षा के बाद आयोग तक उसे सुरक्षित भेजने की पूरी प्रक्रिया उच्च सुरक्षा मानकों के मुताबिक होनी चाहिए। सोशल मीडिया तथा अन्य माध्यमों पर अफवाह, भ्रामक अथवा गलत सूचनाएं प्रसारित करने वालों पर तत्काल कार्रवाई करें। परीक्षा का संचालन केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के प्रति सरकार की जवाबदेही का विषय है।

किसी भी अभ्यर्थी को आवागमन, प्रवास, सुरक्षा आदि में कठिनाई न हो। परीक्षा देने बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अन्य राज्यों से भी आएंगे, ऐसे में उनकी सहायता की जाए। उन्हें अतिरिक्त परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। तीनों दिन प्रभावी यातायात प्रबंधन किया जाए। खाद्य एवं पेय पदार्थों के मूल्य अनावश्यक रूप से न बढ़ने पाएं। सभी केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन तंत्र और जिलों के कंट्रोल रूम सक्रिय रहे। किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई हो। डीएम एक दिन पूर्व सभी व्यवस्थाओं का पूर्वाभ्यास कराएं।

पांच पालियों में होगा परीक्षा का आयोजन

- परीक्षा का आयोजन 60 जिलों के 955 परीक्षा केंद्रों पर कुल 5 पालियों में होगा
- 2 जुलाई को उच्च प्राथमिक स्तर, 3 जुलाई को प्रथम पाली में उच्च प्राथमिक तथा द्वितीय पाली में प्राथमिक स्तर तथा 4 जुलाई को प्रथम पाली में प्राथमिक स्तर की परीक्षा होगी
- परीक्षा में कुल 19,94,661 अभ्यर्थी शामिल होंगे, इनमें 17,67,180 अभ्यर्थी यूपी के, जबकि 2,27,481 अभ्यर्थी अन्य राज्यों के हैं
- परीक्षा में 1,85,791 सेवारत शिक्षक तथा 18,08,870 नए अभ्यर्थी शामिल होंगे
- प्राथमिक स्तर के लिए 3,88,179, उच्च प्राथमिक स्तर के लिए 8,16,436 तथा दोनों स्तरों के लिए 3,95,023 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है
- सर्वाधिक परीक्षा केंद्र एवं अभ्यर्थियों वाले जिलों में वाराणसी, प्रयागराज, लखनऊ, गोरखपुर, कानपुर नगर, मेरठ, मऊ, मुरादाबाद, आगरा तथा जौनपुर शाामिल हैं।

सार संक्षेप

आईटीआई प्रवेश आवेदन तिथि अब 10 जुलाई

खटीमा। महाराणा प्रताप जनजाति राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में नए सत्र के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा 30 जून से बढ़ाकर अब 10 जुलाई तक कर दी गयी हैं। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के अधीक्षक वीरेंद्र कुमार ने बताया कि प्रवेश के लिए निर्धारित कुल 156 सीटों में 30 प्रतिशत सिटें छात्राओं के लिए आरक्षित हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित थी अब फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 10 जुलाई निर्धारित कर दी गई है अधीक्षक सिंह ने ईच्छुक अभ्यर्थीयों से 10 जुलाई से पूर्व पंजीकरण कराने की अपील की है।

ऑपरेशन 'दहन' में 1.18 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ नष्ट, 344.87 किलो ड्रग्स का सुरक्षित निस्तारण

लखनऊ। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई को तेज करते हुए लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने सोमवार को 'ऑपरेशन दहन' के तहत बड़ी कार्रवाई की। न्यायालय और सक्षम प्राधिकारी के आदेश पर जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी की निगरानी में 344 .8738 किलोग्राम जब्त मादक पदार्थों का सुरक्षित निस्तारण कराया गया। पुलिस के अनुसार, नष्ट किए गए मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1 .18 करोड़ रुपये है। एडीसीपी क्राइम एवं ऑपरेशन दहन की नोडल अधिकारी किरन यादव ने बताया कि जब्त मादक पदार्थों को पर्यावरणीय मानकों का पालन करते हुए अधिकृत इन्सिनरेटर में नष्ट किया गया। इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जब्त किए गए ड्रग्स का दोबारा अवैध उपयोग या तस्करी न हो सके। पूरी कार्रवाई जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी की निगरानी में संपन्न हुई और इसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई। इस दौरान 319 .650 किलोग्राम पोस्ता, 23 .400 किलोग्राम गांजा, 1 .1368 किलोग्राम हेरोइन/मार्फीन, 87 ग्राम डायजेपाम और 300 ग्राम चरस का निस्तारण किया गया। इनमें सबसे अधिक कीमत हेरोइन/मार्फीन की बताई गई, जिसकी अनुमानित अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत करीब 1 .13 करोड़ रुपये आंकी गई है।

पहली जुलाई से लौटाई जाएगी स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर वसूली गई रकम, 3.53 लाख उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ

लखनऊ। पावर कार्पोरेशन ने नए कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं से 10 सितंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 के बीच सिंगल फेज मीटर की कीमत 6,016 तथा थ्री फेज मीटर की कीमत11,341 रुपये वसूला लिया था। अब उन्हें यह राशि लौटाई जाएगी। नया कनेक्शन लेने पर जिन उपभोक्ताओं से स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर ज्यादा रकम वसूली गई थी, उन्हें एक जुलाई से जारी होने वाली बिजली बिल में लौटाया जाएगा। इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसका फायदा करीब 3 .53 लाख नए कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं को मिलेगा। प्रदेश में नए बिजली कनेक्शन पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर अनिवार्य कर दिया था। पावर कार्पोरेशन ने नए कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं से 10 सितंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 के बीच सिंगल फेज मीटर की कीमत 6,016 तथा थ्री फेज मीटर की कीमत11,341 रुपये वसूला लिया था। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने याचिका लगाई। लंबी लड़ाई के बाद नियामक आयोग ने सिंगल फेज मीटर का मूल्य 2,800 तथा थ्री फेज मीटर का मूल्य 4,100 रुपया तय किया। मूल्य तय होने के बाद राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने नियामक आयोग से मांग की कि उपभोक्ताओं से ली गई अतिरिक्त राशि उन्हें लौटाया जाए। इसके लिए भी नियामक आयोग में लोक महत्व प्रस्ताव दाखिल किया।

प्रदेश में मानसून ने दी दस्तक कई जिलों में झमाझम बारिश

सात डिग्री तक गिरा पारा, मौसम सुहाना होने से लोगों को भीषण गर्मी से मिली राहत

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। यूपी में मानसून का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। प्रदेश में मानसून ने दस्तक दे दी है। मंगलवार को उत्तर प्रदेश के तराई इलाकों में मूसलाधार बारिश दर्ज की गई है, जिससे भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत मिली है। इस झमाझम बारिश के चलते प्रदेश के कई जिलों में तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जहां पारा करीब 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया है। मौसम में आए इस अचानक बदलाव से आम आदमी को उबलती हुई गर्मी से राहत मिली। दूसरी तरफ बल्कि कृषि क्षेत्र में भी नई उम्मीदें जाग उठी हैं, जिससे खरीफ की फसलों की बुआई में तेजी आने की उम्मीद है।

मौसम विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, इस मानसूनी बारिश के दौरान बरेली जिले में सर्वाधिक 157 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई है, जबकि बुंदेलखंड क्षेत्र के ललितपुर में भी 106 मीमी की भारी बारिश दर्ज हुई। इसके अलावा लखीमपुर खीरी, अयोध्या, गोंडा और अंबेडकर नगर समेत आसपास के तमाम जिलों में भी अच्छी और संतोषजनक बारिश देखने को मिली है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगले 2 से 3 दिनों के भीतर यह पूरे उत्तर प्रदेश को अपनी आगोश में ले लेगा, जिससे आने वाले दिनों में राज्य के शेष हिस्सों में भी व्यापक वर्षा होने की पूरी संभावना है।

मौसम विभाग ने 30 जून को उत्तर प्रदेश में जून माह के दौरान हुई बारिश के आंकड़े जारी किए हैं। आंकड़ों के अनुसार, पूरे प्रदेश में सामान्य से 54 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश में सामान्य से 58 प्रतिशत और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 47 प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड की गई। जून में प्रदेश के कई जिलों में सामान्य से कम वर्षा होने के कारण सूखे जैसे हालात बनने लगे थे।

इन 28 जिलों में 20 से 59 प्रतिशत तक बारिश

वहीं, 28 जिलों में 20 से 59 प्रतिशत तक कम वर्षा दर्ज की गई। इस श्रेणी में अयोध्या, आजमगढ़, बहराइच, बलिया, बलरामपुर, बस्ती, फर्रुखाबाद, गाजीपुर, गोरखपुर, हरदोई, कानपुर नगर, खीरी, रायबरेली, संतकबीरनगर, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, औरैया, बदायूं, बागपत, बरेली, इटावा, हमीरपुर, हापुड़, कासगंज, ललितपुर, मेरठ, मुरादाबाद और रामपुर शामिल रहे।

800 ओपीडी वाले उप जिला चिकित्सालय के 13 में से सात चिकित्सकों का स्थानांतरण

जागरण मोर्चा कार्यालय

खटीमा। उप जिला चिकित्सालय से एक साथ सीएमएस सहित सात चिकित्सकों के स्थानांतरण से 100 शैय्या वाले अस्पताल की व्यवस्था मजाक बनकर रह गई है। प्रतिदिन लगभग 800 ओपीडी वाले उप जिला चिकित्सालय में आम रोगियों की सुविधा के लिए एक सर्जन, फुल टाइम फिजिशियन, ईएनटी सर्जन, नेत्र रोग, डेंटल सर्जन की मांग लंबे समय से चल रही थी। लेकिन स्वास्थ्य विभाग द्वारा उप जिला चिकित्सालय में रोगियों की सुविधा के लिए चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने के बजाय यहां तैनात 13 चिकित्सकों में से सात चिकित्सकों को अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया है।

इधर ग्रामीण जनप्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई पर चिंता व्यक्त करते हुए अस्पताल के रिक्त पदों को तत्काल भरने की मांग की है । ग्राम प्रधान संघ के पदाधिकारियों ने उप सचिव अनूप कुमार मिश्रा उत्तराखंड शासन चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अनुभाग एक देहरादून की कार्रवाई पर चिंता व्यक्ति की है । ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र समिति सदस्यों ने कहा है कि 100 शैय्या वाले अस्पताल में सर्जन, फिजिशियन सहित अन्य महत्वपूर्ण चिकित्सकों के पद रिक्त होने से अस्पताल महज रैफर सेंटर बन चुका था। वहीं 13 चिकित्सकों में से सात चिकित्सकों को अन्यत्र स्थानांतरित करने का मामला दुर्भाग्यपूर्ण है।

इधर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य एवं नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सहित संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर चिकित्सकों के मामले को उठाकर समाधान कराने की बात की है। दोनों प्रतिनिधियों ने उप जिला चिकित्सालय में सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। वरिष्ठ भाजपा नेता ललित बोरा झनकट ने ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष मनजीत राणा सहित ग्राम प्रधान झनकट रीता बोरा, संध्या बोरा, अशोक कुमार, सोनू, मनविंदर सिंह राणा, पिंटू राणा आदि से वार्ता कर चिकित्सकों के स्थानांतरण का मामला प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के समक्ष उठाने का निर्णय लिया है।

बारिश बनी वरदान: झमाझम बरसात से खिल उठे किसानों के चेहरे, धान की रोपाई ने पकड़ी रफ्तार

जागरण मोर्चा कार्यालय

बारिश ने जगाई उम्मीद, खेतों में फिर लौटे किसान। -जागरण मोर्चा

खटीमा। कई दिनों से भीषण गर्मी, लू और गिरते भू-जल स्तर की मार झेल रहे खटीमा क्षेत्र के किसानों को आखिरकार राहत मिल गई। मंगलवार तड़के शुरू हुई झमाझम बारिश ने सूखती फसलों में नई जान फूंक दी और किसानों के चेहरों पर फिर से मुस्कान लौटा दी। वहीं आम लोगों को भी उमस और गर्मी से बड़ी राहत मिली।

पिछले कई दिनों से क्षेत्र में लगातार पड़ रही तेज धूप के कारण खेतों में दरारें पड़ गई थीं। धान की फसल सूखने लगी थी और जल स्तर लगातार नीचे जाने से हैंडपंप व ट्यूबवेल भी जवाब देने लगे थे। पानी की कमी से कई काश्तकार धान की रोपाई शुरू नहीं कर पा रहे थे, जिससे उनकी चिंता लगातार बढ़ रही थी। मंगलवार तड़के करीब रात्री 4 बजे मौसम ने अचानक करवट ली और मध्यम से तेज बारिश शुरू हो गई। दिनभर रुक-रुक कर हुई बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी आ गई। खेतों की दरारें पानी से भर गईं और धान की फसल को नया जीवन मिला। बारिश के साथ ही काश्तकारो ने खेतों में हल चलाना और धान की रोपाई का कार्य तेज कर दिया। गांवों में खेतों की ओर लौटती रौनक साफ दिखाई देने लगी। बारिश का लाभ केवल किसानों तक ही सीमित नहीं रहा। कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस से परेशान आम नागरिकों ने भी राहत की सांस ली।

खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को मौसम में आई ठंडक से काफी आराम मिला। हालांकि राहत के बीच मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए सावधानी बरतने की सलाह भी दी है। विभाग के अनुसार क्षेत्र में अगले छह दिनों तक रुक-रुक कर बारिश की संभावना बनी रहेगी। फिलहाल, इस बरसात ने सूखती फसलों को जीवनदान देने के साथ किसानों में नई उम्मीद जगा दी है। लंबे इंतजार के बाद आई यह बारिश खेती-किसानी के लिए किसी वरदान से कम नहीं मानी जा रही है।

यूपी में सस्ती हुई बिजली, जुलाई के बिलों में दिखेगा इसका बड़ा असर

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं को जुलाई माह में बिजली बिलों में बड़ी राहत मिलेगी। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के निर्देशों के अनुपालन में एफपीपीसीए के तहत जुलाई के लिए 4.43 प्रतिशत की दर से राहत लागू कर दी है। यह पिछले 14 माह का सबसे बड़ा एफपीपीसीए लाभ माना जा रहा है, जिससे प्रदेश के उपभोक्ताओं को कुल 358.31 करोड़ रुपये का फायदा होगा।

उपभोक्ता परिषद के अनुसार आयोग की ओर से तय 4.94 रुपये प्रति यूनिट की तुलना में अप्रैल-26 में वास्तविक बिजली खरीद लागत 4.78 रुपये प्रति यूनिट रही, जिसके चलते उपभोक्ताओं को यह राहत मिली है। परिषद का कहना है कि एफपीपीसीए प्रक्रिया में पारदर्शिता और नियमों के पालन को लेकर आयोग के सख्त रुख का यह सकारात्मक परिणाम है।

परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि आयोग ने 23 जून-26 के आदेश में साफ किया है कि एफपीपीसीए की गणना केवल संबंधित माह की वास्तविक बिजली खरीद लागत और ट्रांसमिशन शुल्क के आधार पर होगी। उन्होंने इसे उपभोक्ताओं की कानूनी लड़ाई की बड़ी जीत बताते हुए कहा कि परिषद पिछले 14 माह में कथित 2,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वसूली वापस कराने के लिए भी आयोग में मामला उठा चुकी है

लायंस इंटरनेशनल में जितेंद्र पारुथी बने रीजन चेयरपर्सन

जागरण मोर्चा कार्यालय

लायंस इंटरनेशनल में रीजन चेयरपर्सन का दायित्व लायन जितेंद्र पारुथी को।

खटीमा। लायंस क्लब खटीमा सेवा के चार्टर प्रेसिडेंट लायन जितेंद्र पारुथी को लायंस इंटरनेशनल में रीजन चेयरपर्सन का दायित्व सौंपा गया है। उनके अधीन लखनऊ के प्रमुख क्लबों—लखनऊ एक परिवार, लखनऊ शाने अवध गोल्ड, लखनऊ विराट, लखनऊ प्रीमियर, लखनऊ प्रकाश, लखनऊ अनुभव, लखनऊ शालीमार डायमंड तथा लखनऊ शालीमार गोल्ड का दायित्व रहेगा। लखनऊ स्थित आनंदा रिसोर्ट में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन परमजीत सिंह ने उन्हें यह दायित्व सौंपते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह लायंस इंटरनेशनल के सेवा, सहयोग और समर्पण के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर लायन जितेंद्र पारुथी ने डिस्ट्रिक्ट गवर्नर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ समाजसेवा का एक बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा कि वह सभी क्लबों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर मानव सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने बताया कि लायंस संगठन का प्रमुख उद्देश्य जरूरतमंद, पीड़ित एवं वंचित लोगों की सहायता करना है। आगामी कार्यकाल में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, नेत्र चिकित्सा, रक्तदान, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक जागरूकता से जुड़े सेवा प्रकल्पों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा। जितेंद्र पारुथी को रीजन चेयरपर्सन की जिम्मेदारी मिलने पर लायंस क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

चढ़ावा चोरी पर मायावती बोलीं, 'दोषी बख्शे न जाएं, लेकिन राजनीतिकरण गलत

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की चोरी, गबन और हेराफेरी की खबरों को "अति-गंभीर व चिंतनीय" बताया है। उन्होंने कहा कि इस मामले के दोषी लोग क़तई भी बख़्शे नहीं जाने चाहिये, लेकिन इस मामले का राजनीतिकरण करना भी ठीक नहीं।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर से चढ़ावे की हुई चोरी, ग़बन व हेराफेरी आदि की मीडिया में आए दिन क़िस्म-क़िस्म की आ रही ख़बरें अति-गंभीर व चिंतनीय हैं।"उन्होंने पोस्ट में आगे कहा, "ऐसे लोग क़तई भी बख़्शे नहीं जाने चाहिये, लेकिन इस मामले का राजनीतिकरण करना भी ठीक नहीं है।" इसके साथ ही उन्होंने यह अपेक्षा भी की कि "अब यहां मंदिर में श्रद्धा के चढ़ावे आदि में आगे कोई भी शिकायत ना आये।"

अन्य विख्यात मंदिरों की व्यवस्था लागू करने का सुझाव मायावती ने इस प्रकरण को सुलझाने के लिए एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया। उन्होंने कहा, "इसके लिए देश के दूसरे विख्यात व प्रसिद्ध मंदिरों में चढ़ावे आदि के हिसाब-किताब के लिए जो व्यवस्था है, यहां अयोध्या में भी उसका अनुसरण करके इस प्रकरण को जल्दी ही सुलझाना चाहिये। यही उचित होगा।"

कार्यक्रम | घोषित पार्टी प्रत्याशी को मनोयोग से चुनाव लड़ने का संकल्प, कांग्रेस के बाद अब भाजपा के कुशासन पर चर्चा

उत्तराखंड क्रांति दल की मासिक बैठक

जागरण मोर्चा कार्यालय

उक्रांद की मासिक बैठक में सम्मिलित पदाधिकारी एवं पार्टी कार्यकर्ता। -जागरण मोर्चा

खटीमा। उत्तराखंड क्रांति दल की मासिक बैठक में वक्ताओं ने पार्टी संगठन की मजबूती एवं दूर दराज क्षेत्र के लोगों से मिलकर पार्टी की नीति रीतियों से अवगत कराने का निर्णय लिया। बैठक में पार्टी द्वारा घोषित प्रत्याशी को आगामी विधानसभा चुनाव में पूरे मनोयोग से लड़ाकर विजय बनाने का भी संकल्प लिया।

सितारगंज रोड स्थित पार्टी के जिला कार्यालय पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष हरेन्द्र प्रसाद उत्तराखंडी ने डबल इंजन की सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर स्वीकृत बजट का लगभग 70 प्रतिशत कमिशनखोरी आदि में खर्च होता है। जबकि मौके पर मात्र 30 प्रतिशत की खर्च हो पता है। इसकी वजह से निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी की जाती है। जिलाध्यक्ष उत्तराखंडी ने कार्यकर्ताओं से संगठित होकर संगठित उक्रांद प्रत्याशी को चुनाव लड़ाकर जीत दिलाने की अपील की। उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष शिव शंकर भाटिया ने कहा कि राष्ट्रीय दलों द्वारा की जा रही वोटों की राजनीति के तहत उत्तराखंड का विकास अवरुद्ध पड़ा है। वोट के नाम पर लोगों को नशेड़ी बनाया जा रहा है। देश का युवा वर्ग बेरोजगारी की स्थिति में है। पार्टी कार्यकर्ता लकड़ी, पत्थर, मिट्टी, खनन एवं नशे के कारोबार में आकंठ डूब चुके हैं। आम जनता की कोई सुध लेवा नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं के संपन्न होने से पहले ही पूर्व पेपर लीक हो रहे हैं। वक्ताओं ने कहा कि देश एवं प्रदेश की जनता कांग्रेस के बाद अब भारतीय जनता पार्टी के कुशासन से त्रस्त तीसरे विकल्प के तौर पर उत्तराखंड क्रांति दल से उम्मीद कर रही है। बैठक में सैनिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कैप्टन धन बहादुर चंद, केंद्रीय संगठन मंत्री कैलाश भट्ट, पंकज सिंह मनोला, मदन पंथ, योगेश बोरा, गोविंद जोशी, दुर्गा सिंह सामंत, शहाबुद्दीन अंसारी, पार्वती विश्वास, सोनी यादव, उषा चौहान, हेमलता राणा कमल राणा आदि मौजूद थे।

लखनऊ अग्निकांड: एसआईटी रिपोर्ट ने किया घोर लापरवाही का इशारा

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। लखनऊ के गेमिंग जोन में आग लगने से 15 लोगों की मौत के मामले की जांच कर रही एसआईटी अपने निष्कर्ष पर पहुंचने वाली है।

लखनऊ के अलीगंज के गेमिंग जोन में आग लगने से 15 लोगों की मौत के मामले की जांच कर रही एसआईटी अपने निष्कर्ष पर पहुंचने वाली है। जांच में सामने आया है कि जिस इमारत में गेमिंग जोन और पेट शॉप का संचालन हो रहा था, उसके हर कोने में अवैध निर्माण था। एसआईटी को मंगलवार को अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपनी थी, जिसमें अभी एक-दो दिन और लग सकते हैं। रिपोर्ट में लखनऊ विकास प्राधिकरण और विद्युत सुरक्षा निदेशालय द्वारा बरती गई लापरवाही से जुड़े तथ्यों के आधार कड़ी कार्रवाई की सिफारिश करने की तैयारी है।

सूत्रों के मुताबिक एसआईटी की अब तक की जांच में सामने आया है कि जिस बिल्डिंग में आग लगी थी, उसका बिजली का स्वीकृत लोड 20 किलोवाट था, जबकि इस्तेमाल करीब 35 किलोवाट हो रहा था। बेतरतीब अवैध निर्माण और अधिक लोड की वजह से इमारत में आग लगने के बाद वह विकराल होती गई और लोग बाहर नहीं निकल सके।

बायोमीट्रिक डोर लगा होने और दूसरा रास्ता नहीं होने से भी उनका बच पाना नामुमकिन हो गया। यह भी सामने आया है कि इमारत के मालिक ने अवैध मंजिल का निर्माण कराने के बाद दूसरे रास्ते के लिए लोहे की सीढ़ियां नहीं लगाई। इसकी जगह वहां लिफ्ट लगवा दी। इतना ही नहीं, सीढ़ियों के रास्ते पर तमाम एयर कंडीशन की आउटर यूनिट लगी होने से आग भड़कने से वह भी बंद हो गया। वहीं अधिक बिजली लोड के बावजूद ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने कोई सुध नहीं ली।

जिलाधिकारी ने ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का किया निरीक्षण

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण करते डीएम। -जागरण मोर्चा

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने जिला निर्वाचन कार्यालय परिसर स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन की स्थिति, अग्निशमन उपकरणों, सुरक्षा व्यवस्था, गार्ड रूम, सीसीटीवी निगरानी और साफ-सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को वेयरहाउस की सुरक्षा और रखरखाव में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यक व्यवस्थाओं को समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित करने के लिए भी कहा। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रसून द्विवेदी, प्रभारी अधिकारी ईवीएम, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी तथा जिला निर्वाचन कार्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

मूसलाधार बारिश से खिले किसानों के चेहरे

धान की रोपाई ने पकड़ी रफ्तार, खेतों में भर गया पानी

जागरण मोर्चा कार्यालय

धान की रोपाई करते मजदूर। -जागरण मोर्चा

पूरनपुर। मंगलवार सुबह पूरनपुर क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश ने किसानों के चेहरों पर मुस्कान ला दी। पिछले कई दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों को आखिरकार राहत मिली। तेज बारिश से खेतों में पर्याप्त पानी भर गया, जिससे धान की रोपाई का काम तेजी से शुरू हो गया।

बारिश के बाद खेतों में किसानों और मजदूरों की चहल-पहल बढ़ गई। पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में उमस भरी गर्मी और बादलों की आवाजाही के बावजूद पर्याप्त बारिश नहीं हो रही थी। इससे धान की नर्सरी तैयार होने के बावजूद किसान रोपाई शुरू नहीं कर पा रहे थे। कई किसान निजी संसाधनों से सिंचाई कर खेत तैयार करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन लगातार बढ़ रहे खर्च ने उनकी चिंता बढ़ा दी थी। मंगलवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली और तेज गरज के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। करीब काफी देर तक हुई बारिश से खेतों में पानी भर गया और धान की रोपाई के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गईं।

बारिश थमते ही किसान अपने परिवार और मजदूरों के साथ खेतों में पहुंच गए। कई गांवों में महिलाएं और पुरुष धान की रोपाई करते नजर आए। किसानों का कहना है कि समय पर हुई यह बारिश धान की फसल के लिए बेहद लाभदायक है। इससे न केवल रोपाई का कार्य तेजी से पूरा होगा, बल्कि फसल की शुरुआती बढ़वार भी बेहतर होगी। किसानों को उम्मीद है कि यदि आगे भी मौसम इसी तरह साथ देता रहा तो इस वर्ष धान की अच्छी पैदावार होने की संभावना है। बारिश से जहां किसानों को राहत मिली, वहीं मौसम भी सुहावना हो गया। तेज गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली तथा सुबह के समय सड़कों और बाजारों में भी मौसम का असर साफ दिखाई दिया।

बारिश के बाद गोमती का त्रिवेणी घाट जलमग्न

पूरनपुर। मंगलवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश के बाद गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से घाटमपुर का त्रिवेणी घाट जलमग्न हो गया। गोमती की धारा पूरे वेग से बहती नजर आई। लंबे समय बाद नदी में आए इस बदलाव से घाट का दृश्य आकर्षक हो गया। गोमती नदी की अतिक्रमण और साफ सफाई ना होने से अविरल धारा नही वहे पा रही थी। गोमती नदी की अविरल धारा बह सके इसको लेकर एक माह तक डीएम के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। जिसके तहत साफ सफाई का कार्य तेजी के साथ गोमती नदी त्रिवेणी घाट पर चल रहा है। वर्षा नहीं होने के कारण गोमती नदी का जलस्तर काफी नीचे चला गया था। नदी की धारा कमजोर पड़ने से त्रिवेणी घाट पर पानी कम दिखाई दे रहा था। मंगलवार सुबह मानसून सक्रिय होने के साथ हुई तेज बारिश से आसपास के क्षेत्रों का वर्षा जल नदी में पहुंचा ।जिससे गोमती का जलस्तर तेजी से बढ़ गया।

सार संक्षेप

सपा कार्यकर्ताओं ने वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती पर श्रद्धांजलि पेश करते सपाई।

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर मंगलवार को नकटादाना स्थित केजीएन-2 सपा कैंप कार्यालय में वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके साहस, वीरता और बलिदान को नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में ऊदा देवी पासी ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका जीवन सामाजिक न्याय, समानता, राष्ट्रभक्ति और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनके आदर्शों पर चलने तथा समाज के कमजोर, वंचित और शोषित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में हाजी अकबर अहमद अंसारी, एडवोकेट धनपति वर्मा, गुरविंदर सिंह गिल, महेश कुमार वर्मा, सतीश वर्मा, राजीव कश्यप, अरमान अली सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

व्यापारी कल्याण दिवस पर भामाशाह को किया नमन, दस बड़े करदाता सम्मानित

व्यापारी कल्याण दिवस पर करदाताओं को सम्मानित किया गया।

पीलीभीत। दानवीर भामाशाह की जयंती की पूर्व संध्या पर राज्य कर एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में अग्रवाल सभा में व्यापारी कल्याण दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भामाशाह के जीवन और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान मुख्यमंत्री के व्यापारी कल्याण दिवस संबंधी संबोधन का सजीव प्रसारण प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया। विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जबकि संस्कृति विभाग की टीम ने राष्ट्रगीत और लोकगीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष दलजीत कौर, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर तथा राज्य कर विभाग के अधिकारियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर जनपद के दस सर्वाधिक करदाताओं को उत्कृष्ट कर योगदान के लिए भामाशाह पुरस्कार से सम्मानित किया गया। व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी, अधिवक्ता और बड़ी संख्या में व्यापारी भी मौजूद रहे।

सड़क हादसे के बाद बवाल, मारपीट कर कार में तोड़फोड़, विवाद के बीच महिला के कुंडल निकालने का आरोप

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। पूरनपुर-धनाराघाट रोड पर हुए एक सड़क हादसे के बाद दो पक्षों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के साथ मारपीट की, उनकी कार में जमकर तोड़फोड़ की और बीच-बचाव करने पहुंची महिला के कानों से कुंडल भी निकाल लिए। पुलिस को तहरीर दी गई है। कोतवाली क्षेत्र के गांव भीमपुर निवासी जगदीप सिंह अपनी पत्नी, पुत्र और रिस्तेदारों के साथ सोमवार देर शाम वह अपनी ससुराल जा रहा था। उसके आगे उसके रिस्तेदार वाइक से चल रहे थे। पूरनपुर-धनाराघाट रोड पर दो वाहनों के बीच हादसा हो गया। हादसे के बाद दोनों पक्षों के लोग मौके पर एकत्र हो गए। शुरुआत में मामला बातचीत के जरिए सुलझाने का प्रयास किया गया। लेकिन कुछ ही देर में कहासुनी बढ़ गई और दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक होने लगी। आरोप है कि इसी दौरान एक पक्ष के कई लोगों ने दूसरे पक्ष पर हमला बोल दिया और लाठी-डंडों तथा लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मारपीट के दौरान उनकी कार को चारों ओर से घेर लिया और उसमें तोड़फोड़ की गई। जब परिवार की एक महिला ने बीच-बचाव का प्रयास किया तो उसके साथ भी अभद्रता की गई। आरोप है कि धक्का-मुक्की के दौरान उसके कानों से सोने के कुंडल निकाल लिए गए, घटना के बाद महिला और परिवार के अन्य सदस्य दहशत में आ गए। मारपीट और तोड़फोड़ की सूचना मिलने पर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। कुछ लोगों ने दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास किया, जिसके बाद मामला कुछ हद तक शांत हुआ। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। इसके बाद पीड़ित पक्ष थाने पहुंचा और पूरे घटनाक्रम की लिखित तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने बताया कि मामले की तहरीर मिली है। जिसकी जांच की जा रही है।

कांग्रेस ने चलाया हस्ताक्षर और मिस्ड कॉल अभियान

पीलीभीत। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव सुधा प्रसाद के नेतृत्व में ग्राम बूंदी भूड़ में नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत हस्ताक्षर एवं मिस्ड कॉल अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम में महिलाओं को संगठन से जोड़ने के साथ नारी शक्ति वंदन अधिनियम को जल्द लागू करने की मांग उठाई गई। सुधा प्रसाद ने कहा कि महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए यह कानून शीघ्र लागू होना चाहिए। वहीं जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरप्रीत सिंह चब्बा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं और आम जनता के अधिकारों की लड़ाई में उनके साथ खड़ी रही है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

तहसीलदार से वार्ता के बाद भाकियू का धरना समाप्त

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। जमीन पर किसानों को कब्जा न मिलने के विरोध में भाकियू भानू का 24 जून से चल रहा धरना-प्रदर्शन और भूख हड़ताल सोमवार की देर शाम तहसीलदार से वार्ता के बाद समाप्त हो गई। समस्या का समाधान न होने पर फिर आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी गई।

कोतवाली क्षेत्र की जेठापुर ग्राम पंचायत के गांव मुड़िया में जमीन पर किसानों को कब्जा न मिलने के विरोध में भाकियू (भानू) की ओर से 24 जून से तहसील परिसर में बेमियादी धरना शुरू किया था। शनिवार से धरना स्थल पर क्रमिक भूख हड़ताल शुरू हुई। धरना स्थल पर दो दिन से भूख हड़ताल पर बैठी रेशमा देवी की सोमवार को हालत खराब हो गई। उनके बेहोश होने की सूचना पर सीएचसी से पहुंचे डॉ. हरमन सिंह ने जांच की। प्राथमिक उपचार के बाद रेशमा को जिला अस्पताल रेफर करने की तैयारी पर प्रदर्शनकारियों ने विरोध कर धरना स्थल पर ही इलाज करने का तर्क दिया। हालांकि बाद में रेशमा को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सोमवार को धरना स्थल पर रामबेटी, विद्या देवी, राखी देवी, खुशबू देवी, सुमन ने भूख हड़ताल शुरू की। उनके समर्थन में कई कार्यकर्ताओं ने धरना दिया। सोमवार की देर शाम तहसीलदार आशीष गुप्ता से हुई वार्ता के बाद बेमियादी धरना प्रदर्शन, भूख हड़ताल समाप्त कर दी गई।

पूर्व राज्य मंत्री हेमराज वर्मा का भाजपा सरकार पर हमला

गौवंश, बिजली संकट और कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

जागरण मोर्चा कार्यालय

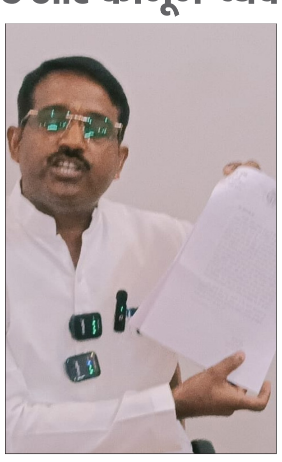

हेमराज वर्मा। -जागरण मोर्चा

पीलीभीत। पूर्व राज्य मंत्री हेमराज वर्मा ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए प्रदेश की कानून-व्यवस्था, बिजली संकट, आवारा गौवंश, जर्जर सड़कों और विकास कार्यों को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता की बुनियादी समस्याओं के समाधान में पूरी तरह विफल साबित हुई है।

हेमराज वर्मा ने कहा कि प्रदेश में आवारा गौवंश किसानों के लिए बड़ी परेशानी बने हुए हैं, जबकि भीषण गर्मी के बीच लगातार बिजली कटौती से आम लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने जिले की बदहाल सड़कों और बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। उन्होंने मांग की कि बंगाली समाज को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) का दर्जा दिया जाए। साथ ही जनपद में मेडिकल कॉलेज की स्थापना और रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए औद्योगिक हब विकसित किए जाने की आवश्यकता बताई।

पूर्व राज्य मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की प्रस्तावित यात्रा में प्रशासन द्वारा बाधाएं उत्पन्न की गईं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि जनता इन सभी मुद्दों को देख रही है और आने वाले चुनाव में भाजपा को इसका जवाब देगी। हेमराज वर्मा ने सरकार से जनहित के मुद्दों पर गंभीरता से काम करने और विकास तथा सुशासन के दावों को धरातल पर उतारने की मांग की।

चूका पर्यटन सत्र समाप्त, 56,783 पर्यटकों ने किया भ्रमण

पीलीभीत। टाइगर रिजर्व के अंतर्गत चूका बीच पर्यटन स्थल का वर्ष 2025-26 का पर्यटन सत्र 30 जून को समाप्त हो गया। 1 नवंबर 2025 से शुरू हुए इस सत्र में 56,783 पर्यटक पहुंचे, जिनमें 56,567 भारतीय और 216 विदेशी पर्यटक शामिल रहे। पर्यटन से विभाग को 1 करोड़ 62 लाख 2 हजार 707 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष से अधिक रहा। इस दौरान कई जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और न्यायपालिका से जुड़े लोगों ने भी टाइगर रिजर्व का भ्रमण किया। दिव्यांग बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए विशेष भ्रमण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। पर्यटकों की सुविधा के लिए चूका में थारू हट, बांस हट, ट्री हट, कैंटीन, सुवेनियर शॉप, चार वॉच टावर, 110 टूरिस्ट गाइड, शारदा सागर डैम में मोटर बोट सफारी, प्रकृति व्याख्या केंद्र और सेल्फी प्वाइंट जैसी व्यवस्थाएं उपलब्ध रहीं। विभाग के अनुसार वर्ष 2024-25 में 56,289 पर्यटक आए थे, जबकि इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 56,783 हो गई, जिससे चूका पर्यटन की लोकप्रियता में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई।

गोरक्षनाथ पीठ के समर्थक ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की यात्रा पर उठाए सवाल, शास्त्रार्थ की दी चुनौती

प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की यात्रा की आलोचना करते गौरक्षक पीठ के समर्थक।

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। एक प्रेस नोट जारी कर गोरक्षनाथ परंपरा के समर्थक ने एक जुलाई को प्रस्तावित स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गौ-धर्म यात्रा पर सवाल उठाए हैं। प्रेस नोट में यात्रा को विभाजनकारी और राजनीतिक महत्वाकांक्षा से प्रेरित बताया गया है। साथ ही स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को गौ संरक्षण के मुद्दे पर सार्वजनिक शास्त्रार्थ की चुनौती दी गई है। जारी बयान में दावा किया गया है कि पिछले नौ वर्षों में गौ संरक्षण के क्षेत्र में हुए कार्यों पर खुली चर्चा होनी चाहिए। प्रेस नोट में यह भी कहा गया है कि यदि शास्त्रार्थ स्वीकार नहीं किया जाता तो स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को पीलीभीत में प्रवेश किए बिना लौट जाना चाहिए। इसके अलावा यात्रा के आयोजकों से भी प्रेस वार्ता में आकर यात्रा की आवश्यकता और उद्देश्य स्पष्ट करने की अपील की गई है।

अल नीनो के मद्देनजर खरीफ की तैयारी तेज, किसानों को कम पानी वाली फसलों की सलाह

पीलीभीत। संभावित अल नीनो के प्रभाव को देखते हुए कृषि विभाग ने खरीफ मौसम की तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने तथा कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों की बुवाई करने की सलाह दी गई है। विभाग ने श्रीअन्न (मोटा अनाज), दलहन और तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के साथ जल संरक्षण, खेत तालाब, मेड़बंदी और वर्षा जल संचयन पर विशेष जोर दिया है। किसानों से संतुलित उर्वरकों का प्रयोग, मृदा परीक्षण और मल्चिंग अपनाने की अपील की गई है। विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत श्रीअन्न, दलहन एवं तिलहन फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज मिनीकिट निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। किसानों से समय रहते ऑनलाइन बुकिंग कर निकटतम राजकीय कृषि बीज भंडार से बीज प्राप्त करने की अपील की गई है।

पत्रकार लोकेश त्रिवेदी का निधन, लोगों ने जताया दुख

पूरनपुर/घुंघचाई। कस्बा घुंघचाई निवासी वरिष्ठ पत्रकार लोकेश त्रिवेदी का आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई, परिजनों, मित्रों, पत्रकार साथियों और स्थानीय लोगों ने उनके निधन को क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया। लोकेश त्रिवेदी ने पत्रकारिता के क्षेत्र में लंबे समय तक सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने अपने करियर के दौरान प्रतिष्ठित समाचार पत्र हिन्दुस्तान और दैनिक जागरण में कार्य किया और अपनी निष्पक्ष, सटीक तथा जमीनी रिपोर्टिंग के लिए विशेष पहचान बनाई। उनकी लेखनी में सादगी के साथ-साथ सच्चाई को सामने लाने की स्पष्टता दिखाई देती थी। जिसके कारण वे क्षेत्र में एक भरोसेमंद पत्रकार के रूप में जाने जाते थे।

दुखद दूसरे ही दिन वृद्ध किसान ने दुनिया को कहा अलविदा

भूमिधरी अधिकार मिलने का सपना पूरे होते ही किसान का निधन

जागरण मोर्चा कार्यालय

सोमवार को मुख्यमंत्री से प्रमाण पत्र लेते मृतक रामचंद्र। -जागरण मोर्चा

पूरनपुर। हजारा क्षेत्र से एक भावुक कर देने वाला मामला सामने आया है। वर्षों तक अपनी भूमि पर मालिकाना हक पाने का इंतजार करने वाले वृद्ध किसान का सपना तो पूरा हो गया। लेकिन उस खुशी का आनंद वह अधिक समय तक नहीं ले सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों भूमिधरी अधिकार का प्रमाणपत्र प्राप्त करने के दूसरे ही दिन उनका निधन हो गया। परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

हजारा क्षेत्र के गांव रामनगर निवासी वृद्ध किसान रामचंद्र लंबे समय से अपनी भूमि पर मालिकाना हक मिलने का इंतजार कर रहे थे। सोमवार को बरखेड़ा (जनपद पीलीभीत) में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें भूमिधरी अधिकार एवं मालिकाना हक का प्रमाणपत्र प्रदान किया। मंच से प्रमाणपत्र प्राप्त करते समय रामचंद्र के चेहरे पर वर्षों के संघर्ष के बाद मिली सफलता की खुशी साफ झलक रही थी। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह प्रमाणपत्र लेकर अपने गांव लौटे। घर पहुंचने पर परिजनों और ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। बताया जाता है कि उन्होंने बड़ी खुशी के साथ अपने परिवार और आसपास के लोगों को प्रमाणपत्र दिखाया।

वर्षों से जिस जमीन पर मालिकाना हक मिलने की उम्मीद थी। उसके पूरे होने पर परिवार भी बेहद खुश था। ग्रामीणों के अनुसार रामचंद्र बार-बार यही कहते थे कि अब उन्हें अपनी जमीन का कानूनी अधिकार मिल गया है और उनकी वर्षों पुरानी इच्छा पूरी हो गई। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। मंगलवार सुबह अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने उन्हें संभालने का प्रयास किया। लेकिन कुछ ही देर में उनका निधन हो गया।

वृद्ध किसान के निधन की सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। रिश्तेदारों और ग्रामीणों की भीड़ उनके घर पर जुट गई। गांव में शोक की लहर दौड़ गई और पूरे क्षेत्र में घटना की चर्चा होने लगी। गांव के लोगों का कहना है कि रामचंद्र सरल स्वभाव के व्यक्ति थे और खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके निधन से गांव में शोक का माहौल है। अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण उनके घर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया।

जनसुनवाई में दिव्यांग की समस्या का तत्काल किय ागया समाधान

जनसुनवाई करते जिलाधिकारी। -जागरण मोर्चा

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने आमजन की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। ग्राम रूपपुर सैजना चक मुस्तकिल निवासी दिव्यांग दुर्गाप्रसाद की ऋण प्रविष्टि हटाने और साइकिल चोरी की शिकायत पर डीएम ने उपजिलाधिकारी सदर को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी को बुलाकर शिकायतकर्ता को तत्काल श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया तथा नई साइकिल उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी शुरू कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, पारदर्शी और संवेदनशील समाधान सुनिश्चित करना है।

रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आकर 52 वर्षीय व्यक्ति की दर्दनाक मौत

जागरण मोर्चा कार्यालय

न्यूरिया। रेलवे लाइन पार करते समय एक दर्दनाक हादसा हो गया। ट्रेन की चपेट में आने से 52 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान ग्राम सरपुडा निवासी दयाशंकर (52), पुत्र खेम करण के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दयाशंकर किसी काम से रेलवे लाइन पार कर रहे थे। इसी दौरान टनकपुर से पीलीभीत की ओर आ रही पैसेंजर ट्रेन संख्या 55324 की चपेट में आ गए। ट्रेन की रफ्तार अधिक होने के कारण उन्हें संभलने का अवसर नहीं मिला और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर न्यूरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

उमरसिया गांव में पुरानी रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीड़ित पक्ष ने लगाया जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने का आरोप

बरेली। थाना कैंट क्षेत्र अंतर्गत उमरसिया गांव में पुरानी रंजिश के चलते एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला कर दिया गया। आरोप है कि हमलावरों ने पीड़ित को जातिसूचक गालियां दीं और लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है।

ड़ित की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कैंट के उमरसिया निवासी अशोका ने पुलिस को बताया कि उनके पति सुरेश का गांव के ही श्याम सुंदर उर्फ सुंदरलाल के परिवार से पुराना विवाद चल रहा है। करीब दो साल पहले दोनों परिवारों के नाबालिग बच्चों के एक साथ चले जाने के बाद यह रंजिश और बढ़ गई थी। बाद में बाल कल्याण समिति द्वारा लड़की को बालिग घोषित किए जाने के बाद वह अपनी मर्जी से सुरेश के बेटे के साथ रह रही है। इसी बात को लेकर विपक्षी परिवार नाराज था।

आरोप है कि सोमवार शाम करीब 4:30 बजे सुरेश ठेला लेकर शराब भट्टी के पास से गुजर रहे थे, तभी श्याम सुंदर, उसकी पत्नी आरती, फूल सिंह पुत्र नवल किशोर और अन्य अज्ञात लोगों ने उन्हें घेर लिया और मारपीट की। सिर में गंभीर चोट आने के साथ जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस संबंध में इंस्पेक्टर कैंट संजय कुमार धीर ने बताया कि एससी/एसटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच की जा रही है। तथ्य सामने आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डॉक्टर्स डे विशेष

जब सेवा बन जाए धर्मः मरीजों की दुआओं में बसता है इस डॉक्टर दंपत्ति का जीवन

आधी रात की पुकार हो या दर्द से कराहती मां-हर आहट पर खड़े मिलते हैं डॉ. गजेंद्र और डॉ. आकांक्षा

बदायूं। रात के सन्नाटे में जब अचानक किसी मरीज की हालत बिगड़ती है और परिजन घबराए हुए अस्पताल की ओर दौड़ते हैं, तब उन्हें सबसे पहले जिस चेहरे पर भरोसा होता है, वह होता है डॉक्टर का। जिले के डॉ. गजेंद्र सिंह और उनकी पत्नी डॉ. आकांक्षा यादव वर्मा ऐसे ही चेहरे हैं, जो न जाने कितने लोगों के लिए उम्मीद की किरण बन चुके हैं। जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में तैनात डॉ. गजेंद्र सिंह के लिए समय जैसे ठहर सा गया है। न दिन की थकान उन्हें रोक पाती है, न रात की नींद। हर गंभीर मरीज के साथ उनकी जद्दोजहद केवल इलाज तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह उसे नई जिंदगी देने की कोशिश होती है। कई बार हालात इतने कठिन होते हैं कि हर पल एक चुनौती बन जाता है, लेकिन उनके चेहरे पर धैर्य और आंखों में आत्मविश्वास साफ झलकता है। वहीं, महिला अस्पताल में डॉ. आकांक्षा यादव वर्मा के लिए हर मरीज सिर्फ एक केस नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी होती है। प्रसव पीड़ा से कराहती मां का हाथ थामकर उसे हौसला देना, उसकी आंखों में भरोसा जगाना—यह उनके काम का हिस्सा ही नहीं, बल्कि उनका स्वभाव बन चुका है। जब कोई नवजात सुरक्षित जन्म लेता है, तो उस पल की मुस्कान उनके चेहरे पर भी साफ दिखाई देती है। डॉक्टर्स डे पर यह दंपत्ति कहता है कि चिकित्सा उनके लिए नौकरी नहीं, बल्कि एक ऐसी साधना है, जिसमें हर दिन नई परीक्षा होती है। मरीजों की दुआएं और उनका विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। जिले के लोग मानते हैं कि यह डॉक्टर दंपत्ति केवल इलाज नहीं करता, बल्कि टूटती उम्मीदों को संबल देता है। उनकी सेवा और समर्पण ने उन्हें लोगों के दिलों में एक खास जगह दिला दी है—जहां वे सिर्फ डॉक्टर नहीं, बल्कि सच्चे मायनों में 'जीवनदाता' बन चुके हैं।

जब मरीजों की मुस्कान बन जाती है सबसे बड़ा इनाम

डॉक्टर एस एम कमल।

बदायूं। अस्पताल की गलियों में अक्सर एक खामोश डर पसरा रहता है—बीमारी का डर, अनिश्चित भविष्य का डर। लेकिन इन्हीं गलियारों में कुछ चेहरे ऐसे भी होते हैं, जो उम्मीद की रोशनी बनकर मरीजों के जीवन में नई सुबह लेकर आते हैं। ऐसे ही एक नाम हैं डॉ. एसएम कमल, जिनके लिए डॉक्टरी सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि मरीजों के दर्द को अपना मानकर उसे कम करने की एक सतत कोशिश है। हेपेटाइटिस बी और सी जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज जब पहली बार डॉ. कमल के पास पहुंचते हैं, तो उनके चेहरे पर चिंता साफ झलकती है। लेकिन इलाज के साथ-साथ डॉक्टर का अपनापन, उनका भरोसा और संवेदनशील व्यवहार धीरे-धीरे उस डर को उम्मीद में बदल देता है। शायद यही वजह है कि हर साल 2000 से अधिक मरीज उनके उपचार से स्वस्थ होकर सामान्य जीवन की ओर लौटते हैं। जिले में इस समय 4000 से अधिक मरीज हेपेटाइटिस बी और सी का उपचार ले रहे हैं। ऐसे में डॉ. कमल की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने इस बीमारी के इलाज के लिए विशेष ट्रेनिंग हासिल की है, जिससे वे जटिल से जटिल मामलों में भी बेहतर परिणाम दे पा रहे हैं। डॉ. कमल कहते हैं, "हेपेटाइटिस एक ऐसी बीमारी है जो चुपचाप शरीर को नुकसान पहुंचाती है। लेकिन समय पर जांच और सही इलाज से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। सबसे जरूरी है जागरूकता और धैर्य।" मरीजों के लिए वे सिर्फ डॉक्टर नहीं, बल्कि एक सहारा हैं। कई ऐसे मरीज, जो कभी इस बीमारी से टूट चुके थे, आज स्वस्थ होकर अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन जी रहे हैं। उनके चेहरों की मुस्कान ही डॉ. कमल के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। डॉक्टर्स डे के इस खास मौके पर डॉ. एसएम कमल जैसे चिकित्सक हमें यह याद दिलाते हैं कि चिकित्सा केवल विज्ञान नहीं, बल्कि संवेदनाओं और सेवा का सबसे सुंदर रूप भी है—जहां हर ठीक होता मरीज एक नई उम्मीद की कहानी लिखता है।

मुख्यमंत्री के दौरे से पहले 'दिखावे' की तैयारी, गौ-रक्षा और गरीबों पर भारी पड़ा प्रशासन

तो क्या गौ-वंश के झुण्ड की काले झंडे दिखाने की थी योजना जो उन्हें कर दिया कैद, डेलापीर मंडी में लावारिस गौवंश को कैद करने और ठेला कारोबारियों को उजाड़ने पर उठे गंभीर सवाल

जागरण मोर्चा कार्यालय

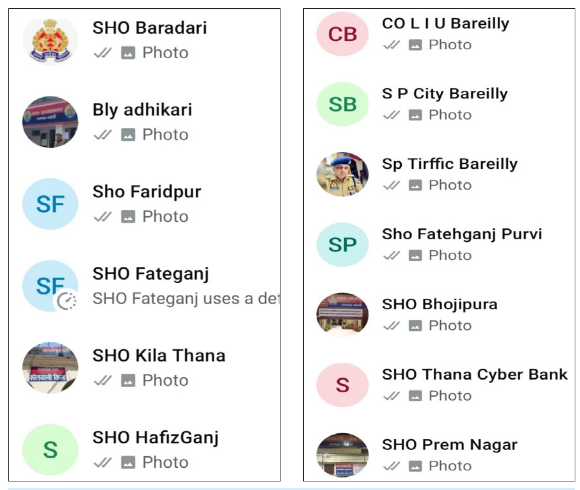

बरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जहां एक ओर प्रदेशभर में गौ-रक्षा और गौ-सुरक्षा को लेकर लगातार अभियान चला रहे हैं और अधिकारियों को सख्त निर्देश दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके प्रस्तावित आगमन से पहले बरेली में कुछ अधिकारियों की कार्यशैली ने इन दावों पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री के आगमन कार्यक्रम के मद्देनज़र डेलापीर सब्जी मंडी के बाहर घूमने वाले दर्जन भर से अधिक लावारिस गौवंश को मंडी के अंदर बंद कर दिया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि वास्तव में गौवंश की चिंता थी तो उन्हें नजदीकी गौशाला पहुंचाया जाना चाहिए था। मंडी के भीतर इस तरह गौवंश को कैद करना न केवल अमानवीय है, बल्कि गौ-कल्याण की भावना के भी विपरीत माना जा रहा है। लोगों का आरोप है कि ऐसा प्रतीत हुआ मानो ये बेजुबान पशु किसी अपराध के आरोपी हों, जिन्हें केवल इसलिए नजरों से ओझल किया गया ताकि मुख्यमंत्री के काफिले के दौरान वास्तविक स्थिति सामने न आ सके। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या गौ-रक्षा की चिंता केवल वीवीआईपी दौरे तक ही सीमित रह गई है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री के तय मार्ग पर पड़ने वाले गड्ढों को आनन-फानन में दुरुस्त किया गया, जबकि लंबे समय से यही सड़कें बदहाल स्थिति में थीं। वहीं दूसरी ओर सब्जी मंडी के बाहर, सर्किट हाउस के आसपास और बटलर प्लाजा क्षेत्र में सैकड़ों ठेला कारोबारियों को हटा दिया गया। इससे छोटे दुकानदारों और दिहाड़ी पर निर्भर परिवारों की रोजी-रोटी पर सीधा असर पड़ा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रदेश के मुखिया के आगमन की सूचना भर से अधिकारी हफ्तों पहले से तमाम जख्मों पर अस्थायी मरहम लगाना शुरू कर देते हैं, ताकि बरेली की वास्तविक समस्याएं ऊपर तक न पहुंच सकें। लोगों का यह भी कहना है कि यदि कभी मुख्यमंत्री तयशुदा मार्ग से हटकर किसी दूसरे रास्ते से गुजरें, तो शहर की असली तस्वीर स्वतः सामने आ जाएगी। कुल मिलाकर, मुख्यमंत्री के दौरे से पहले की यह प्रशासनिक सक्रियता अब "दिखावे की व्यवस्था" के रूप में देखी जा रही है, जिसमें न तो गौवंश की स्थायी सुरक्षा दिख रही है और न ही आम नागरिकों व छोटे कारोबारियों के प्रति संवेदनशीलता। लगातार बिजली व्यवस्था भी कई दिनों से ठप है शायद इन दो दिंनो बिजली कीव्यवस्था सूचरू रहे। यह मामला अब शासन-प्रशासन की नीयत और कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

> ऐसा हो नहीं सकता की किसी नें गौ-वंश को बंद किया हो फिर भी अगर आप कह रहे है तो मैं दिखवाता हूँ।
>
> –संतोष यादव, मंडी सचिव

तमाम अधिकारिओं नें लगा रखी है व्हाट्सअप पर प्राइवेसी

जहां एक तरफ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया हुआ है कि वह हर व्यक्ति की समस्या को सुनें एवं उसका निस्तारण करें। साथ ही जनता में ताल मेल बनाकर रखें फिर भी तमाम अधिकारियों ने व्हाट्सएप पर प्राइवेसी लगा रखी है जिससे वह मैसेज रीड कर लेते हैं परंतु डबल टिक होने के बाद किसी को रीड का नीला निशान दिखाई नहीं देता जिस की जनता गुमराह हो सके कि उनका मैसेज देखा भी गया है या नहीं। हो सकता है मुख्यमंत्री के आगमन पर एक दिन के लिए यह प्राइवेसी हट जाय।आखिर जब तमाम अधिकारी ऐसी प्राइवेसी रखेंगे तो जनता से ताल मेल बिठाना तो बहुत दूर की बात है कुछ छायाचित्र यह भी प्रकाशित कर रहे हैं।

स्कूली वाहनों की सुरक्षा के लिए "मिशन: सेफ फ्यूचर" अभियान 1 से 15 जुलाई तक

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा जनपद बदायूं में "मिशनः सेफ फ्यूचर" अभियान 01 जुलाई से 15 जुलाई 2026 तक चलाया जाएगा। यह अभियान परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देश पर प्रदेशभर में एक साथ संचालित होगा, जिसमें स्कूली वाहनों की शत-प्रतिशत फिटनेस, वैध परमिट और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

अभियान के तहत सभी स्कूल वाहनों की जांच कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उनमें आवश्यक सुरक्षा उपकरण जैसे फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशामक यंत्र, स्पीड गवर्नर, जीपीएस, सीट बेल्ट, इमरजेंसी एग्जिट, रेड/येलो लाइट और रिफ्लेक्टर टेप आदि मौजूद हों। विभाग ने बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अभियान को गंभीरता और पारदर्शिता के साथ लागू करने की बात कही है। दो चरणों में चलेगा अभियान अभियान के पहले चरण (01 से 07 जुलाई) में विद्यालय प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों और वाहन स्वामियों को जागरूक किया जाएगा। इस दौरान स्कूलों का भौतिक निरीक्षण कर वाहनों की वास्तविक स्थिति का सत्यापन भी किया जाएगा। दूसरे चरण (08 से 15 जुलाई) में परिवहन विभाग, पुलिस और शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। बिना फिटनेस, परमिट या सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर उनके संचालन पर रोक भी लगाई जाएगी। बैठक और सख्त निर्देश अभियान के प्रथम सप्ताह में जिला विद्यालय वाहन सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे और प्रगति की समीक्षा की जाएगी। विद्यालयों को चेतावनी परिवहन विभाग ने सभी विद्यालय प्रबंधकों और वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे अपने वाहनों के सभी अभिलेख जैसे फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र, टैक्स और ड्राइविंग लाइसेंस को तत्काल अपडेट कर लें। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई वाहन बिना वैध दस्तावेज या सुरक्षा मानकों के संचालन में पाया गया और उससे कोई दुर्घटना होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय प्रबंधन और वाहन स्वामी की होगी। ऐसे मामलों में कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आईसीआईसीआई बैंक मैनेजर की ड्यूटी जाते समय ऑटो में मौत

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। जनपद के थाना सीबीगंज क्षेत्र में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब घर से ड्यूटी के लिए निकले शाखा प्रबंधक की ऑटो में ही मौत हो गई। लोग इस घटना को कार्डियक अरेस्ट से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि परिजनों ने पोस्टमार्टम नहीं कराया और अंतिम संस्कार कर दिया।

स्लीपर रोड, स्टेट बैंक गली निवासी 45 वर्षीय मनीष गुप्ता हल्द्वानी स्थित आईसीआईसीआई बैंक शाखा में मैनेजर थे। वह रोजाना सीबीगंज से हल्द्वानी के लिए ट्रेन से अप-डाउन करते थे। सोमवार सुबह भी वह नियमित रूप से ऑटो में बैठकर इज्जतनगर रेलवे स्टेशन पहुंचे। स्टेशन पर जब ऑटो चालक ने उन्हें उतरने को कहा तो उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। चालक ने हिलाकर देखा तो वह एक ओर लुढ़क गए। आसपास मौजूद लोगों ने देखा तो उनकी मौत की पुष्टि हुई इसके बाद ऑटो चालक शव को लेकर सीबीगंज पहुंचा और मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों से पहचान कराई। सूचना मिलने पर पिता नरेश गुप्ता को घटना की जानकारी दी गई। परिजनों के अनुसार मनीष का तलाक हो चुका था और उनकी नौ वर्षीय बेटी पीहू परिवार के साथ रहती है। हृदय रोग विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना के बाद कार्डियक अरेस्ट के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

जाति पूछकर नाबालिग से किया गैंगरेप

जागरण मोर्चा कार्यालय

- पुलिस ने मुकदमें में गैंगरेप व पाक्सों की धाराएं बढ़ाई
- पहले छेड़छाड़ की धाराओं में किया था मुकदमा दर्ज
- थाना प्रभारी पर तहरीर बदलवाने का आरोप

बदायूं। जाति पूछने के बाद नाबालिग किशोरी से मक्का के खेत में गैंगरेप मामले में पुलिस ने पीड़िता के बयानों के आधार पर गैंगरेप व पॉक्सो एक्ट की धाराओं में बढ़ोत्तरी की है। इससे पहले पुलिस ने मामला छेड़छाड़ की धाराओं में दर्ज किया था। वहीं, परिजनों ने प्रभारी निरीक्षक पर तहरीर बदलवाने का आरोप भी लगाया था।

मामला इस्लामनगर थाना क्षेत्र का है। क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 13 वर्षीय किशोरी 26 जून को साइकिल से धान कुटवाने पड़ोसी गांव भवीपुर गई थी। रास्ते में भवीपुर में रहने वाला गजेंद्र उसे मिला। उसने किशोरी से पूछा कि वह किस जाति की है। जिस पर किशोरी ने बताया कि वह शर्मा है। लौटते समय गजेंद्र ने अपने साथियों की मदद से उसे पकड़ लिया और खींचकर मक्का के खेत में ले गया,जहां उसके साथ गैंगरेप किया गया। किशोरी के शोर मचाने पर आरोपितों ने उसके साथ मारपीट की। शोर सुनकर आरोपित मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को देखकर आरोपित वहां से भाग निकले।

मामला थाने पहुंचा तो पुलिस ने छेड़छाड़ की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। परिजनों का आरोप है कि थाना प्रभारी ने दुष्कर्म की तहरीर लेकर रख ली और अपने मन मुताबिक दूसरी तहरीर लिखवा ली और मुकदमा दर्ज कर लिया। उधर, सोमवार को एक वीडियो सामने आया था,जिसमें पीड़िता रो-रोकर घटना के बारे में बता रही थी। वीडियो घटनास्थल का बताया जा रहा है।

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस ने बुधवार को किशोरी के कोर्ट में बयान दर्ज कराए।जिसमें उसके द्धारा कोर्ट में गैंगरेप करने की बात कहना बताया जा रहा है। इस मामले में एसएसपी अंकिता शर्मा ने बताया कि मुकदमें में गैंगरेप व पॉक्सों एक्ट की धाराओं की बढ़ोत्तरी की गई है। आरोपितों की तलाश की जा रही है। जल्द आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

सरकारी स्कूल में चोरों का धावा, खिड़की तोड़कर लाउडस्पीकर, ब्लूटूथ स्पीकर और पंखा ले उड़े

जागरण मोर्चा कार्यालय

वजीरगंज। थाना वजीरगंज क्षेत्र के ग्राम हतरा स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में चोरों ने सरकारी स्कूल को निशाना बनाते हुए कमरे की खिड़की तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखा लाउडस्पीकर, ब्लूटूथ स्पीकर और पंखा चोरी कर ले गए। साथ ही अलमारी में रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज कमरे में बिखेर दिए।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह विद्यालय पहुंचीं इंचार्ज प्रधानाध्यापिका वसुधा मिश्रा ने सफाई के लिए पुरानी बिल्डिंग का कमरा खोला तो खिड़की टूटी हुई मिली। कमरे के अंदर अलमारी का ताला टूटा पड़ा था और उसमें रखा सामान गायब था। वहीं जरूरी कागजात कमरे में इधर-उधर फटे और बिखरे पड़े थे। घटना की जानकारी मिलते ही प्रधानाध्यापिका ने तत्काल एबीएसए वजीरगंज को सूचना दी और डायल-112 पर पुलिस को बुलाया। इसके बाद थाना वजीरगंज पुलिस को लिखित तहरीर देकर चोरी का जल्द खुलासा करने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और चोरों की तलाश में जुटी है। इस संबंध में सीओ अंशुमान श्रीवास्तव ने बताया कि उन्हें अभी घटना की जानकारी नहीं है। जानकारी प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी। गर्मी की छुट्टियों के बाद विद्यालय खुलने के साथ ही सरकारी स्कूलों में चोरी की घटनाओं ने शिक्षकों की चिंता बढ़ा दी है। शिक्षकों ने विद्यालयों में रात्रि चौकीदार की व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग की है।

आयोजन | उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों का हुआ सम्मान

रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ का सफल रोटरी वर्ष सम्पन्न

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ ने रोटरी वर्ष 2025-26 के सफल समापन पर एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित कर क्लब के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वर्षभर सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्लब अध्यक्ष संजीव खंडेलवाल ने कहा कि यह रोटरी वर्ष सेवा, समर्पण और उपलब्धियों के लिए सदैव यादगार रहेगा। वर्षभर क्लब द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, दिव्यांगजन सहायता, पल्स पोलियो अभियान, सामाजिक जागरूकता तथा जनसेवा से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए, जिनमें सभी रोटेरियन्स की सक्रिय सहभागिता रही। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सदस्य के सहयोग, समर्पण और सेवा भावना ने क्लब को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी सदस्यों की एकजुटता और सकारात्मक सोच के कारण रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ समाज में अपनी विशिष्ट एवं प्रभावशाली पहचान बनाने में सफल रहा।

उत्तर प्रदेश सरकार के वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ ने पूरे वर्ष समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर मानवता की सच्ची मिसाल प्रस्तुत की है। पूर्व महापौर डॉ. आई. एस. तोमर ने कहा कि रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ सदैव सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करता रहा है। वर्ष 2025-26 में क्लब द्वारा किए गए सेवा कार्य अत्यंत प्रशंसनीय हैं और क्लब के सदस्यों का समर्पण अन्य सामाजिक संस्थाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

इस अवसर पर वर्षभर उत्कृष्ट कार्य करने वाले पूर्व मंडल अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल,पूर्व मंडल अध्यक्ष डॉ. रवि मेहरा,घनश्याम खंडेलवाल, विशाल अरोड़ा, अनुपम कपूर, अजय जसोरिया, राजीव अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, दिनेश गोयल, संदीप मेहरा, चंद्रप्रकाश, ध्रुव तिलक, हरीश मलिक एवं अनिल अग्रवाल सहित अन्य सक्रिय सदस्यों को उपहार देकर उनके योगदान का अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम के अंत में क्लब सचिव संजय गर्ग ने सभी सदस्यों, सहयोगियों एवं समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ आगामी रोटरी वर्ष में भी सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी रूप से संचालित करता रहेगा। इस अवसर पर घनश्याम खंडेलवाल, अनुपम कपूर, अनूप अग्रवाल, शरद अग्रवाल, हरीश मलिक, आशीष मल्होत्रा, संदीप मेहरा, अनिल अग्रवाल, संजय अग्रवाल, डॉ. विनोद पागरानी सहित क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

पिता के पदचिन्हों पर चलकर डाक्टर बने डाक्टर अलंकार सोलंकी

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। एक सच्चा डाक्टर सिर्फ बीमारी का इलाज नहीं करता, बल्कि अपने व्यवहार से मरीज का आधा दर्द यूं ही हर लेता है। डॉक्टर्स डे के खास मौके पर आज हम बात कर रहे हैं शहर के जनरल फिजिशियन डा. अलंकार सोलंकी की, जिन्होंने डाक्टरी को सिर्फ एक पेशा नहीं, बल्कि इंसानियत की सेवा का माध्यम बना लिया है। अपने पूज्य पिता से मिली सेवा की सीख को जीवन का आधार बनाकर डा. सोलंकी आज दिन-रात ओपीडी से लेकर एनआरसी तक अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

शहर में डॉ. अलंकार सोलंकी के पिता वर्षों तक "कल्लू डॉक्टर" के नाम से बेहद लोकप्रिय रहे हैं। उन्होंने अपनी निस्वार्थ सेवा से समाज में जो सम्मान कमाया, डॉ. अलंकार आज उसी सुनहरी विरासत को पूरी शिद्दत और निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। आज मरीजों और उनके तीमारदारों के बीच डॉ. सोलंकी की छवि एक संवेदनशील, सुलभ और हर वक्त मदद के लिए तैयार रहने वाले मसीहा की बन चुकी है। उनके लिए समय की कोई पाबंदी नहीं है; दिन हो या आधी रात, तड़पते हुए मरीज की पुकार उनके लिए सबसे बड़ा कर्तव्य बन जाती है। इन दिनों वह जिला अस्पताल की ओपीडी से लेकर कुपोषित बच्चों के लिए बने एनआरसी केंद्र तक की दोहरी और बेहद संवेदनशील जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। डॉ. सोलंकी का दृढ़ विश्वास है कि एक डॉक्टर की असली दौलत और सबसे बड़ी पूंजी मरीज के चेहरे की मुस्कान और दिल से निकली दुआ होती है। यही वजह है कि आज उनका पूरा परिवार समाज में बेहद सम्मानित है। 'डॉक्टर्स डे' पर डॉ. अलंकार सोलंकी जैसे समर्पित युवा चिकित्सक पूरे समाज के लिए एक बड़ी प्रेरणा हैं, जो यह साबित करते हैं कि यदि सेवा का जज्बा सच्चा हो, तो सफेद कोट सिर्फ एक पहचान नहीं, बल्कि इंसानियत की सबसे खूबसूरत मिसाल बन जाता है।

तंज | एक्स पर लिखा, हम गौतम गंभीर को अपने कोचिंग स्टाफ में नहीं शामिल करना चाहते

आइसलैंड क्रिकेट ने गौतम गंभीर का उड़ाया मजाक

नई दिल्ली

आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में 0-2 से मिली हार के बाद भारतीय टीम आलोचनाओं का सामना कर रही है। अब इस शर्मनाक हार के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर भी आलोचकों के निशाने पर आ चुके हैं।

अपने मजाकिया और व्यंग्यात्मक पोस्ट के लिए मशहूर आइसलैंड क्रिकेट ने भी गौतम गंभीर पर तंज कसते हुए ऐसा पोस्ट किया, जो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारत की

यह पहली द्विपक्षीय सीरीज थी। स्टार खिलाड़ियों से सजी टीम से दमदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन बेलफास्ट में भारतीय टीम दोनों मुकाबले हार गई। यह पहली बार है जब आयरलैंड ने भारत को किसी सीरीज में हराया और वह भी क्लीन स्वीप के साथ। आइसलैंड क्रिकेट ने एक्स पर लिखा, हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि हम गौतम गंभीर को अपने कोचिंग स्टाफ में शामिल नहीं करना चाहते। हालांकि उनमें टैलेंट जरूर है। उन भारतीय खिलाड़ियों को लेकर आयरलैंड में ऐसे नतीजे देने के लिए सचमुच जबरदस्त काबिलियत चाहिए। यह पोस्ट कुछ ही मिनटों में वायरल हो गया। कई फैन्स ने इसे मजाकिया बताया, जबकि कुछ ने भारतीय टीम के प्रदर्शन पर निराशा जताई। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम दोनों मुकाबलों में बुरी तरह लड़खड़ा गया।

गावस्कर ने भी उठाए सवाल

सीरीज खत्म होने के बाद टीम चयन भी चर्चा का विषय बन गया है। तूफानी फॉर्म दिखा रहे 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी बेंच पर बैठे रहे और उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिला। पूर्व क्रिकेटरों और कई विशेषज्ञों ने इस फैसले पर सवाल उठाए। सुनील गावस्कर ने भी कहा कि वैभव को आयरलैंड के खिलाफ मौका मिलना ही चाहिए था। उनका मानना है कि यदि युवा खिलाड़ियों को आजमाना था, तो यह सबसे सही सीरीज थी। गौतम गंभीर के लिए आयरलैंड दौरा उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। अब भारतीय टीम के सामने इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम की चुनौती है, जहां पांच टी20 और तीन वनडे इंटरनेशनल मैच खेले जाने हैं। आयरलैंड में मिली हार के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या टीम मैनेजमेंट अपनी रणनीति और प्लेइंग इलेवन में बदलाव करेगा। यह भी देखने वाली बात होगी कि क्या वैभव सूर्यवंशी को आखिरकार इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू का मौका मिलेगा या उनका इंतजार और लंबा होगा।

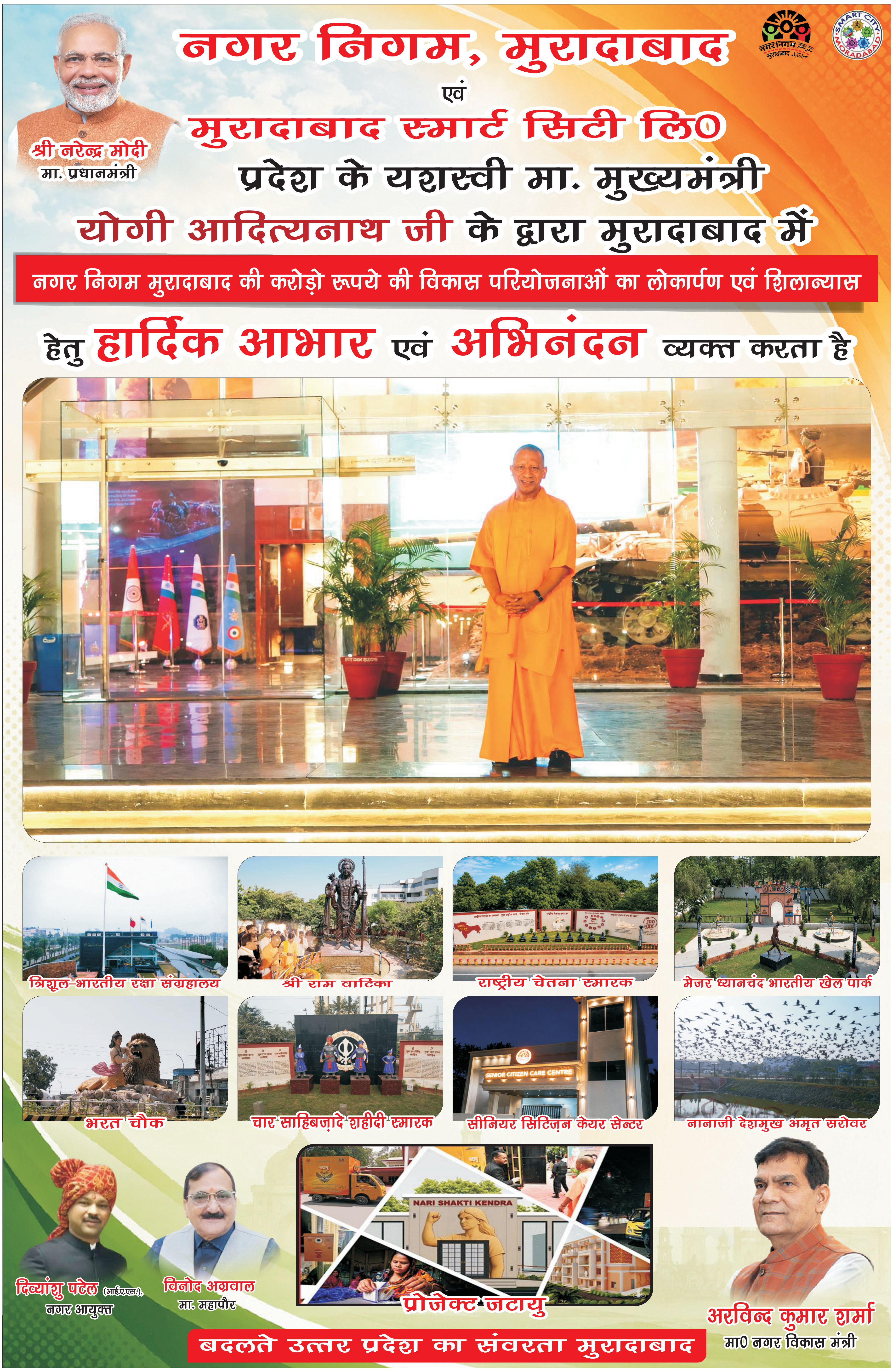

भारतीय क्रिकेट टीम को मिला ओलंपिक में खेलने का टिकट

पुरुष व महिला वर्ग में 6-6 टीमें लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) और इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ने सोमवार को लास एंजिलिस-2028 ओलंपिक के क्वालिफिकेशन की घोषणा कर दी है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम का ओलंपिक का टिकट पक्का हो गया है। एशिया को केवल एक कोटा मिला है वह भारत के नाम रहा। क्रिकेट की ओलंपिक में लंबे अंतराल बाद वापसी हो रही है। पहली बार आईसीसी ओलंपिक क्वालिफायर का आयोजन किया जाएगा। आईसीसी ने बताया है कि पुरुष और महिला दोनों वर्ग में छह-छह देश हिस्सा लेंगे। इसमें अफ्रीका, एशिया, यूरोप और ओसनिया को निश्चित तौर पर जगह मिलेगी।

हर इवेंट के लिए पांच क्वालिफिकेशन जगह आईसीसी के मौजूदा टूर्नामेंट्स और टी20 रैंकिंग के आधार पर तय की जाएंगी। वहीं छठे और आखिरी स्थान का फैसला नए आईसीसी ओलंपिक क्वालिफायर से होगा जो 2027 में होगा।

ऐसा होगा फॉर्मेट

आईसीसी ने बताया है कि जो देश ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करेंगे उनको तीन-तीन टीमों के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर टीम एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। वहीं दो मैच दूसरे ग्रुप की उन टीमों से खेलेगी जो समान स्थान पर नहीं होंगी। टॉप-2 टीमें गोल्ड और सिल्वर के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। वहीं तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें ब्रॉन्ज मेडल के लिए खेलेंगी। पुरुष और महिला वर्ग में मिलाकर कुल 28 मैच खेले जाएंगे। ये सभी मैच पोमोना में क्रिकेट के लिए बनाए गए खास स्टेडियम में होंगे।

जागरण मोर्चा राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वामी, किरन दीक्षित के लिए प्रकाशक, मुद्रक, मनोज कुमार दीक्षित द्वारा लक्ष्य प्रिन्टर्स 158/4 भानमती चौराह मॉडल हाउस हुसैनगंज लखनऊ, (उ०प्र०) से मुद्रित एवं मीडिया हाउस 20ए शिवाजी मार्ग हुसैनगंज लखनऊ, (उ0प्र) से प्रकाशित। सम्पादक योगेश कुमार वर्मा मो0-7579849555, 9627739857 E-mail: www.jagranmorchadaily@gmail.com RNI No.-UPHIN/2022/82743 समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।